रविवार
07 अप्रैल 2024

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण
आपकी आवाज

पीएम मोदी खत्म कर देना चाहते थे मेरी पार्टी: सहनी 2

दिल्ली में बच्चा चोर गिरोह का भंडाफोड़, छापेमारी में आठ बच्चे बरामद

- बच्चा चोरी मामले की जानकारी मिलने के बाद सीबीआई ने केशवपुरम इलाके में मारा छापा
- सीबीआई ने गिरोह के सात सदस्यों को किया गिरफ्तार

एजेंसी/नई दिल्ली

सीबीआई ने दिल्ली में बच्चा चोर कर बेचने वाले गिरोह का पदार्फाश किया है। जानकारी के अनुसार सीबीआई ने दिल्ली के कई इलाकों में शुक्रवार रात छापेमारी की, जिसमें गिरोह के कुछ सदस्यों को भी पकड़ा गया है। पूछताछ में पता चला है कि नवजात बच्चों को गैंग के लोग चुराते थे और फिर इन्हें चार-पांच लाख रुपये में बेच देते थे। सीबीआई की छापेमारी में जिन आरोपियों को पकड़ा गया, उनमें सोनीपत हरियाणा का नीरज, पश्चिम विहार दिल्ली की इंदु पवार, पटेल नगर दिल्ली का असलम, नारंग कॉलोनी दिल्ली की पूजा कश्यप, कराला निवासी रितु, मालवीय नगर निवासी अंजलि और दिल्ली निवासी कविता शामिल हैं। सीबीआई की छापेमारी में 8 बच्चों को भी बरामद किया गया है। टीम के मुताबिक, इस मामले में हॉस्पिटल के वार्ड बॉय और स्टाफ को भी पकड़ा गया है।

जानकारी के अनुसार दिल्ली के केशवपुरम थाना क्षेत्र में बच्चा चोरी के मामले की जानकारी मिलने पर सीबीआई छापेमारी करने पहुंची थी। इस दौरान सीबीआई की टीम ने एक घर में छापेमारी कर दो नवजात बच्चे बरामद किया। शुरूआती जांच में मामला नवजात बच्चों की खरीद-फरोख्त का माना गया। सीबीआई टीम इस मामले में बच्चों को बेचने वाली महिला और खरीदने वाले व्यक्ति से पूछताछ कर रही है। एक मुखबिर से बच्चा चोरों के एक्टिव होने की जानकारी मिली थी, जिसके आधार पर केशवपुरम के नारंग कॉलोनी में पुलिस के साथ मिलकर सीबीआई ने छापेमारी की। जानकारी मिली थी कि एक घर के अंदर ही महिला बच्चों को खरीदकर वहां पर बेचती है। इसी जानकारी के आधार पर सीबीआई की टीम ने नारंग कॉलोनी के गली नंबर 9 में छापेमारी की। जानकारी के मुताबिक, आरोपी महिला नारंग कॉलोनी के इस घर में पिछले करीब 10 महीने से किराए पर रह रही थी। मकान मालिक और आसपास के लोगों को इस बात की भनक तक नहीं लगी कि इसी घर में इतने सनसनीखेज वारदात को अंजाम दिया जा रहा है। मकान मालिक का कहना है कि वह इस तरीके की किसी भी बात से अनभिज्ञ थे। जब पुलिस मौके पर पहुंची तब आसपास के लोगों ने उन्हें जानकारी दी। पुलिस ने बच्चों को घर के अंदर से बरामद किया। पुलिस ने आरोपी महिला और बच्चा खरीदने आए व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया है।

पिछले 1 महीने में करीब 10 बच्चों को बेचा गया

पिछले 1 महीने में करीब 10 बच्चों को बेचा गया है. कई राज्यो में इस तस्करी के तार फैले हुए हैं। कई बड़े अस्पताल सीबीआई के रडार पर हैं। इन बच्चों को 4 से 5 लाख रुपए में बेचा जाता है। जिन लोगों को गिरफ्तार किया गया है वो दिल्ली में किराए पर रहते थे। मकान मालिक ने इस बारे में बात करते हुए कहा, मुझे सिर्फ ये पता लगा है कि इन्हें कहीं रस्ते में पकड़ा गया है और ये बच्चा लेकर आए हैं। हमने उन्हें पिछले साल घर किराए पर दिया था और अब 11 महीने पूरे होने वाले हैं। जब पूछा गया कि उन्हें कब पता चला कि उनके किराएदार बच्चा चोर गिरोह का हिस्सा हैं तो उन्होंने कहा कि उनके पड़ोसियों द्वारा फोन कॉल प्राप्त होने पर इसकी जानकारी मिली।

प. बंगाल में एनआईए की टीम पर ग्रामीणों ने किया हमला

एजेंसी/कोलकाता

प. बंगाल के पूर्वी मेदिनीपुर जिले के भूपतिनगर इलाके में 2022 के बम विस्फोट मामले की जांच के लिए गए एनआईए के दल पर ग्रामीणों ने हमला कर दिया। पुलिस ने बताया कि एनआईए अधिकारियों के एक दल ने इस मामले के संबंध में बुधवार सुबह दो लोगों को गिरफ्तार किया और यह दल कोलकाता वापस जा रहा था, तभी उसके वाहन पर हमला हुआ। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, स्थानीय लोगों ने वाहन को घेर लिया और उस पर पथराव किया। एनआईए ने कहा है कि उसका एक अधिकारी घायल भी हुआ है। उन्होंने बताया कि एनआईए ने भी इस संबंध में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। बता दें कि 2 दिसंबर 2022 को भूपतिनगर थाने के भगवानपुर 2 ब्लॉक के अर्जुन नगर ग्राम पंचायत के नैराबिला गांव में रात करीब 11 बजे भयानक बम विस्फोट हुआ था। घटना में तृणमूल बूथ अध्यक्ष राजकुमार मन्ना, उनके भाई देवकुमार और विश्वजीत गायेन की मौत हो गई थी। सूचना मिलने पर पुलिस इलाके में गई और मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। बाद में कोर्ट के आदेश पर एनआईए ने घटना की जांच अपने हाथ में ली।

खबरें फटाफट

भारत में तेजी से बढ़ रहे कैंसर, शुगर, बीपी और हार्ट के मरीज

नई दिल्ली। भारत में कैंसर, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग और मानसिक स्वास्थ्य सहित तेजी से गैर संचारी बीमारियों (एनसीडी) का बोझ बढ़ रहा है। स्थिति यह है कि चार में से एक व्यक्ति को मधुमेह होने का जोखिम बना हुआ है। इनके अलावा, तीन में से दो रक्तचाप और 10 में से एक व्यक्ति को भविष्य में अवसाद होने का जोखिम है। यह खुलासा एक निजी स्वास्थ्य सेवाप्रदाता ने देशभर के अपने अस्पतालों में आने वाले मरीजों के आधार पर तैयार हेल्थ ऑफ नेशन रिपोर्ट में किया है। रिपोर्ट में कम उम्र में प्री-डायबिटीज, प्री-हाइपरटेंशन और मानसिक स्वास्थ्य विकारों का पूर्वानुमान किया है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत में न केवल कैंसर के मामलों में तेजी से वृद्धि हुई है, बल्कि यह भी पाया कि औसत रूप से अधिक युवा पीढ़ी इसकी चपेट में है। महिलाओं में सबसे आम कैंसर स्तन, गर्भाशय ग्रीवा और गर्भाश्य है। वहीं पुरुषों में फेफड़े, मुंह और प्रोस्टेट कैंसर सबसे आम है। भारत में स्तन कैंसर के निदान की औसत आयु 52 वर्ष है जबकि अमेरिका और यूरोप में यह 63 वर्ष है। इसी तरह फेफड़ों के कैंसर के लिए निदान की औसत आयु 59 वर्ष है जबकि पश्चिम देशों में यह औसतन 70 वर्ष है। इससे पता चलता है कि भारत में कम उम्र में कैंसर का पता चल रहा है। रिपोर्ट में बताया गया कि देश में मोटापे की व्यापकता तेजी से बढ़ रही है, जो सभी क्रोनिक एनसीडी के लिए सबसे आम जोखिम कारक है।

प्रधानमंत्री ने सहारनपुर में चुनावी जनसभा को किया संबोधित

कांग्रेस राज में भारत की छवि भ्रष्ट देश की बन गई थी: मोदी

- बोले पीएम मोदी- कांग्रेस की सोच पर मुस्लिम लीग और वामपंथी हावी
- गरीब कल्याण हमारे लिए चुनावी घोषणा नहीं बल्कि मिशन
- इतिहास में अंकित है शक्ति को नष्ट करने का प्रयास करने वालों का क्या हाल हुआ

केटी न्यूज/सहारनपुर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि शक्ति उपासना हमारी स्वाभाविक आध्यात्मिक यात्रा का हिस्सा है, मगर इंडी एलायंस के लोग खुलेआम चुनौती दे रहे हैं कि उनकी लड़ाई शक्ति के खिलाफ है। उन्हें शायद नहीं पता कि जिन लोगों ने शक्ति को नष्ट करने प्रयास किया है, उनका क्या हाल हुआ है वो इतिहास और पुराणों में अंकित है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सोच पर मुस्लिम लीग और वामपंथी हावी हो चुके हैं। भारत की आजादी की लड़ाई लड़ने वाली कांग्रेस दशकों पहले ही खत्म हो चुकी है। पीएम मोदी शनिवार को सहारनपुर में विशाल जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सहारनपुर से बीजेपी प्रत्याशी राघव लखन पाल और कैराना से प्रत्याशी प्रदीप चौधरी के लिए जनता से रिकॉर्डतोड़ वोट की अपील की।

पीएम मोदी ने कहा कि आज भाजपा का स्थापना दिवस है। बहुत कम दशकों में ही भाजपा के साथ रिकॉर्ड संख्या में देशवासी जुड़े हैं। भाजपा ने लोगों का भरोसा जीता है। इसका सबसे बड़ा कारण है कि भाजपा राजनीति नहीं राष्ट्रनीति पर चलती है। हमारे लिए देश और देशहित से बड़ा कुछ नहीं है। उन्होंने कहा कि गरीब कल्याण हमारे लिए चुनावी घोषणा नहीं बल्कि मिशन है। जबकि, कांग्रेस जितने साल सत्ता में रही उसने कमीशन खाने को प्राथमिकता दी। इंडी एलांएंस कमीशन के लिए है और एनडीए व मोदी सरकार मिशन के लिए है।

देश की आशाओं व आकांक्षाओं से आज कट चुकी है कांग्रेस

प्रधानमंत्री ने कहा कि कभी जिस कांग्रेस ने आजादी की लड़ाई लड़ी थी और देश के दिग्गज नेता कांग्रेस के साथ जुड़े थे, मगर आज देश एक स्वर से कह रहा है कि आजादी की लड़ाई लड़ने वाली वो कांग्रेस दशकों पहले ही समाप्त हो चुकी है। अब जो कांग्रेस बची है उसके पास न देशहित के लिए नीतियां हैं, न राष्ट्र निर्माण का विजन। कांग्रेस ने जिस तरह का घोषणा पत्र जारी किया है उससे साबित हो गया है कि आज की कांग्रेस भारत की आशाओं और आकांक्षाओं से पूरी तरह से कट चुकी है। उसके घोषणा पत्र में वही सोच झलक रही है, जो सोच आजादी के वक्त मुस्लिम लीग में थी। कांग्रेस के घोषणा पत्र में पूरी तरह मुस्लिम लीग की छाप है। इस घोषणापत्र में जो कुछ हिस्सा बचा रह गया उसमें वामपंथी हावी हो चुके हैं। कुल मिलकार कांग्रेस इसमें दूर दूर तक नहीं दिखाई पड़ रही। ऐसी कांग्रेस 21वीं सदी में भारत को आगे नहीं बढ़ा सकती।

बोले पीएम... आपका सपना ही मोदी का संकल्प है

पीएम ने कहा कि आपने मेरा काम देखा है, जोकि हर पल देश के नाम है। ये 247 फॉर 2047 है। आपका सपना ही मोदी का संकल्प है। उन्होंने कहा कि जनता के बेहतर भविष्य के लिए ही भ्रष्टाचार पर आज कड़ा प्रहार किया जा रहा है। ये भ्रष्टाचारी गरीब के सपनों को तोड़ते हैं, आपको लूटते हैं, आपके अधिकारों को लूटते हैं। आपको आगे बढ़ने से रोकते हैं। आपका बेटा या बेटी नौकरी के लिए योग्य है, मगर किसी और को नौकरी दे दी जाए तो आपके बेटे बेटी का भविष्य का क्या होगा। आपके बेटे बेटी के भविष्य को बचाने के लिए मोदी इतनी गालियां खा रहा है। ये भ्रष्टाचारी एकजुट होकर मोदी को धमकी दे रहे हैं। मगर हमारा मिशन साफ है, भ्रष्टाचार हटाओ, उनका कमिशन साफ है 'भ्रष्टाचारी बचाओ'। लेकिन, ये मोदी है जो पीछे हटने वाला नहीं है। भ्रष्टाचार पर तेज कार्रवाई जारी रहेगी ये मोदी की गारंटी है।

योगी जी ने सुरक्षा के साथ साथ निवेश के लिए भी माहौल बनाया

प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारे योगी जी कानून व्यवस्था के विषय में रत्ती भर भी छूट नहीं देने वाले। भाजपा ने अपराधियों दंगाइयों को काबू किया है। सुरक्षा के साथ साथ निवेश के लिए भी माहौल बनाया है। किसान की छोटी छोटी जरूरत को लेकर हमारी सरकार संवेदनशील है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष चौधरी भूपेंद्र सिंह, योगी सरकार के मंत्री योगेंद्र उपाध्याय, ब्रजेश सिंह मौजूद रहे।

आज हमारे देश में ऐसे नेता सत्ता में विराजमान हैं, जो लोकतंत्र का चीरहरण कर रहे हैं: सोनिया

एजेंसी/जयपुर

लोकसभा चुनाव 2024 के लिए कांग्रेस आज शनिवार को जयपुर के विद्याधर नगर स्टेडिम में रैली की। इस रैली में कांग्रेस पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर बड़ा हमला बोला। सोनिया गांधी ने पीएम मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि यह देश कुछ लोगों की जागीर नहीं है। देश से बड़ा कोई नहीं हो सकता है। लेकिन दुर्भाग्य से आज हमारे देश में ऐसे नेता सत्ता में विराजमान हैं, जो लोकतंत्र का चीरहरण कर रहे हैं। आज लोकतंत्र खतरे में हैं। लोकतांत्रिक संस्थाओं को बर्बाद किया जा रहा है। हमारे संविधान को बदलने की कोशिश की जा रही है। ये सब तानाशाही है और हम सब इसका जवाब देंगे।

सोनिया गांधी ने कहा कि, 'मोदी जी खुद को महान मानकर देश और लोकतंत्र की मयार्दा का चीरहरण कर रहे हैं। विपक्षी नेताओं को डराने, धमकाने और भाजपा में शामिल कराने के लिए तरह-तरह के हथकंडे अपनाए जा रहे हैं। हमारे देश का लोकतंत्र खतरे में है। इसे बचाने के लिए हमसब एकजुट हुए हैं। उन्होंने कहा कि आज रोज की कमाई से खाने-पीने का सामना इकट्ठा कर पाना मुश्किल है। रसोई गैस की बढ़ती कीमत हमारी माताओं-बहनों के सामने मुश्किल खड़ी कर रही है। उन्होंने आगे कहा कि हमारा देश पिछले 10 साल से एक ऐसी सरकार के हवाले है जिसने

बेरोजगारी, महंगाई, आर्थिक संकट, असमानता और अत्याचार को बढ़ावा देने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। मोदी सरकार ने जो-जो किया है वो आपके सामने है, इसलिए यह समय हताशा से भरा हुआ है। लेकिन हताशा के साथ ही उम्मीद का भी जन्म होता है।

इसके पहले कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सभी भ्रष्टाचारियों को अपनी पार्टी में ले रहे हैं। आज देश में बेरोजगारी चरम पर है। भाजपा सरकार आते ही राजस्थान में चिरंजीवी योजना बंद हो गई और 25 लाख का बीमा अब 5 लाख हो गया। परिस्थितियां इतनी खराब हैं कि देश में सुनवाई ही नहीं है। वहीं कांग्रेस के घोषणा पत्र पर प्रियंका ने कहा कि हमारे घोषणा पत्र को हमने न्याय पत्र का नाम दिया है ताकी ये स्पष्ट हो कि ये सिर्फ घोषणाओं की एक सूची नहीं है जिन्हें हम चुनाव के बाद भूल जाएंगे। ये एक संघर्ष की आवाज है, इस देश की आवाज है जो आज न्याय मांग रही है।

मुख्यमंत्री ने बिजनौर से बीजेपी और राष्ट्रीय लोकदल के संयुक्त प्रत्याशी के पक्ष में मांगा वोट

अन्नदाताओं को बनाएंगे चीनी मिल का मालिक: सीएम योगी

केटी न्यूज/ बिजनौर

पाकिस्तान में दो वर्षों में 20 आतंकवादी मारे गये हैं। इसका जिक्र दो दिन पहले ब्रिटेन के समाचार पत्र 'द गार्डियन' में किया गया है। इसका स्त्रोत वही बता सकते हैं, लेकिन एक बात तय है भारत आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस नीति के तहत काम कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पुलवामा की घटना के बाद कहा था कि भारत माता के सपूतों का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा। आज दुनिया देख रही है कि भारत दुश्मनों की माद में घुस करके उन्हें ठिकाने लगाना जानता है। आज दुनिया के तमाम देश भारत का अनुसरण कर रहे हैं, क्योंकि भारत दुनिया में सबसे तेजी से उभरती हुई अर्थव्यवस्था वाला देश बन रहा है। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को चांदपुर के हिन्दू इंटर कॉलेज खेल मैदान में आयोजित जनसभा में बिजनौर से बीजेपी और राष्ट्रीय लोकदल के संयुक्त लोकसभा प्रत्याशी चंदन चौहान के पक्ष में वोट की अपील के दौरान कहीं।

पहले गन्ना किसानों को 10-10 साल नहीं होता था भुगतान: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पहले 10-10 साल गन्ना किसानों को भुगतान नहीं होता था। ऐसे में वे साहूकारों से सूद पर पैसा लेने के लिए मजबूर थे, लेकिन आज प्रदेश में 120 चीनी मिलों में से 105 चीनी मिलें एक सप्ताह के अंदर गन्ना मूल्य का भुगतान कर रही हैं। शेष 15 चीनी मिलों को जल्द से जल्द भुगतान करने के निर्देश दिये जा रहे हैं। अगर वह समय पर गन्ने का भुगतान नहीं करेंगी तो उसे नीलाम करके अन्नदाता किसानों को चीनी मिल का मालिक बनाएंगे। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीजेपी की सरकार ने देश हित में जो कार्य किए हैं, उसकी वजह से आज देश और दुनिया में डंका बज रहा है। पहली बार अन्नदाता किसान किसी सरकार के एजेंडे का हिस्सा बना है। इसकी पुष्टि प्रधानमंत्री किसान बीमा योजना, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, ऋण माफी योजना और प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि आदि योजनाएं बखूबी करती हैं। इसके साथ ही किसानों के मसीहा चौधरी चरण सिंह को सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'भारत रत्न' देकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अन्नदाता किसानों का सम्मान किया है। सीएम योगी ने कहा कि जब सरकार किसी जाति, मत, मजहब के लिए नहीं बल्कि गांव, गरीब, नौजवान और महिलाओं को केंद्र में रख करके कार्य करती तब जातिवाद पीछे छूट जाता है। तब एक ही मंत्र गूंजता है और वह है सबका साथ सबके विकास का मंत्र, जो आज पूरी दुनिया में गूंज रहा है।

जो राम को लाए हैं, हम उनको लाएंगे...

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में देश और 7 वर्षों में प्रदेश में जो परिवर्तन हुआ है वह आपके एक कीमती वोट का नतीजा है। ऐसे में दोबारा आपको अपने वोट की कीमत को समझना है और बीजेपी-राष्ट्रीय लोकदल के संयुक्त प्रत्याशी चंदन चौहान के माथे पर जीत का चंदन लगाना है। उन्होंने कहा कि पहले चरण में 19 अप्रैल को आपके वोट से निकली हवा पूरे प्रदेश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गले में 80 मनकों का हार डालने का काम करेगी। उन्होंने कहा कि जो राम को लाए हैं हम उनको लाएंगे, 19 अप्रैल को इस विश्वास और संकल्प के साथ आगे बढ़ना है। आपका यह संकल्प और विश्वास ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अस्सी मनकों का हार पहनाएगा।

2 करोड़ रोजगार के वादे मोदी सरकार ने पूरी नहीं किए, जनता को केवल करते है गुमराह

मुकेश सहनी बोले...पीएम मोदी खत्म कर देना चाहते थे मेरी पार्टी, लोकतंत्र खतरे में

केटी न्यूज/समस्तीपुर

वीआईपी चीफ मुकेश सहनी ने पीएम मोदी पर पार्टी तोड़ने का आरोप लगाया है। पटना में पत्रकारों से बात करते हुए सहनी ने कहा कि पीएम मोदी किसी की नहीं सुनते हैं। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र खत्म हो रहा है। सीएम को जेल में डाला जा रहा है। पांच किलो चावल को देश का विकास बता रहे हैं। 2 करोड़ रोजगार के वादे मोदी सरकार ने पूरी नहीं किए। सहनी ने आगे कहा कि बीजेपी सरकार केंद्रीय एजेंसियों का गलत इस्तेमाल कर रही है। हिन्दू वादी राजनीति करते हैं और गौ मांस कंपनी से पैसा लेते हैं। सहनी ने चुनाव चिन्ह बदले जाने पर कहा ये भी मोदी सरकार ने 927 पार्टी को खत्म कर दिया। मोदी मेरी पार्टी को भी खत्म करना चाहते थे। मुकेश सहनी के इस आरोप पर नीतीश सरकार में मंत्री हरि सहनी ने कहा कि जब उन्हें अपने समाज के नाम पर उपलब्धि मिली थी, मंत्रालय मिला था। तब उन्होंने अपने समाज के लिए कौन सा काम किया। उनकी अगर उनकी कुछ उपलब्धि होती तो लोग चिंतन भी करते। हरि सहनी ने कहा कि वे कहीं भी जाए इससे एनडीए और बीजेपी को कोई फर्क नहीं पड़ने वाला। दरअसल, मुकेश सहनी की पार्टी वीआईपी महागठबंधन में शामिल हो गई। राजद ने उन्हें अपने कोटे से तीन सीटें दी है। सहनी ने बीजेपी पर सीने पर खंजर भोकने का आरोप लगाया। सहनी के इस आरोप पर डिप्टी सीएम विजय भी जमकर बरसे। डिप्टी सीएम विजय सिन्हा ने कहा कि बिहार में गुंडाराज और नरसंहार करने वालों के साथ मुकेश सहनी गलबहियां कर रहे हैं। ऐसे लोगों को जनता जवाब देगी। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने सत्ता को कमाई के लिए चुना है, ऐसे अवसरवादी राजनीति करने वालों का अंत आ चुका है।

जमुई को ठगने आते हैं पीएम नरेंद्र मोदीः तेजस्वी

जमुई। लोकसभा चुनाव को लेकर शनिवार को नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव जमुई पहुंचे जहां उन्होंने श्रीकृष्ण सिंह मेमोरियल स्टेडियम में महागठबंधन से राजद प्रत्याशी अर्चना रविदास के पक्ष में चुनावी सभा को संबोधित किया। तेजस्वी यादव ने कहा कि पहली बार जमुई लोकसभा क्षेत्र के लिए महागठबंधन ने लोकल कैंडिडेट दिया है। अगर दूसरी तरफ देख तो एनडीए वाले लोग जमुई सीट को केवल प्रयोगशाला बनाकर रखा है। कभी इसको तो कभी उसको टिकट दे देगा जो जमुई में टिकेगा ही नहीं। वहीं तेजस्वी यादव ने अपने अंदाज में एनडीए कैंडिडेट पर तीखा बार करते हुए कहा कि दूसरे कैंडिडेट को हम क्या कहेंगे मेहमान ही ना कहेंगे, जो अतिथि है गेस्ट है वह चुनाव जब तक है रहेंगे फिर चले जाएंगे। उन्होंने कहा कि हमारा सम्मान तो हर एक के प्रति है स्वर्गीय रामविलास पासवान का लालू यादव के साथ क्या ताल्लुक रहा यह किसी से छुपा हुआ नहीं चिराग से भी पुरानी पहचान है। कई बार हम लोग साथ में काम भी किए हैं लेकिन आज वे हनुमान बने घूम रहे है। कोई बात नहीं वो भाई हैं। लेकिन अब भाई के जीजा है जिनका पता कहां है यह हम भी नहीं जानते हैं। वहीं तेजस्वी यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि वे बीते दिनों जमुई आए हैं लेकिन एक बार भी परिवार बाद के बारे में कुछ भी नहीं बोले हैं। जबकि पहले चरण के चुनाव में ही एनडीए द्वारा जमुई, औरंगाबाद, गया और नवादा सीट पर परिवारवाद का ही कैंडिडेट उतर गया है।

तीन पिस्टल-एक देशी कट्टा व 126 कारतूस के साथ 6 शातीर अपराधी गिरफ्तार

केटी न्यूज/बिहारशरीफ

लहेरी थाना क्षेत्र के कटरा मोहल्ले में गोलीबारी की घटना के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए छापेमारी अभियान चलाया। इस अभियान में पुलिस ने भारी मात्रा में हथियार और कारतूस बरामद किए हैं, साथ ही चार लोगों को गिरफ्तार किया है। उक्त घटना को लेकर सदर एसडीपीओ नुरुल हक ने बताया की पुलिस को सूचना मिली थी कि कटरा मोहल्ले में दो लोगों को गोली मारी गई है। घटना की सूचना मिलते ही लहेरी थाना पुलिस और बीएसएफ की एक टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने घेराबंदी कर छापेमारी शुरू की। पुलिस ने मोहम्मद रिजवी, मोहम्मद राजा, मोहम्मद सोनू उर्फ जान उर्फ नूर आलम और मोहम्मद साहब नामक चार लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस को सूचना मिली कि कुछ अपराधी बगल के घरों में हथियारों के साथ छिपे हुए हैं। पुलिस ने बीएसएफ की टीम के साथ मिलकर उन घरों की घेराबंदी कर छापेमारी की। इस छापेमारी में मोहम्मद फरदीन और मोहम्मद कैसर नामक दो लोगों को गिरफ्तार किया गया। मोहम्मद फरदीन के पास से एक पिस्टल, एक कट्टा और पांच राउंड गोली बरामद किए गए। इसके बाद पुलिस ने उसके घर की तलाशी ली। तलाशी में पुलिस को तीन पिस्टल, एक कट्टा और 126 राउंड विभिन्न बोर के कारतूस बरामद हुए। पुलिस ने सभी हथियारों और कारतूसों को जप्त कर लिया। पुलिस ने इस संबंध में लहेरी ने शस्त्र अधिनियम के अंतर्गत मामला दर्ज करते हुए अनुसंधान शुरू कर दिया है। पुलिस हथियारों के स्त्रोत और अन्य सभी बिंदुओं पर विस्तृत रूप से जांच कर रही है। गिरफ्तार अभियुक्तों का अपराधिक इतिहास भी खंगाला जा रहा है। वहीं गिरफ्तार अपराधी थाना क्षेत्र के मोहम्मद फरदीन, मोहम्मद कैशर आलम,मोहम्मद राजा उर्फ मोहम्मद कमर आलम, मोहम्मद साहेब उर्फ तनवीर आलम,मोहम्मद सानू, मोहम्मद सोनू उर्फ जान उर्फ नूर आलम है। वहीं पुलिस की इस बड़ी कारवाई ने लहेरी थाना की टीम व बीएसएफ की टीम द्वारा संयुक्त रूप से कारवाई की गई।

लालू परिवार मतलब गुंडाराजः सम्राट चौधरी

पटना। लोकसभा चुनाव को लेकर सारण में लालू प्रसाद यादव और राबड़ी देवी की की बेटी रोहिणी आचार्य के रोड शो पर सियासत गरमा गई है। चुनाव आयोग से शिकायत के बाद भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने पूरे लालू परिवार को निशाने पर लिया है। कहा है कि कानून तोड़कर आगे बढ़ाना उनका असली परिचय है। लालू परिवार का मतलब ही है खसोट और गुंडाराज। रोहिणी आचार्य सारण लोकसभा सीट पर महागठबंधन की उम्मीदवार हैं। बीजेपी के सांसद राजीव प्रताव रूडी को रोहिणी चुनौती दे रही हैं। रोहिणी के रोड शो में युवाओं की काफी भीड़ उमड़ रही है। सम्राट चौधरी ने कहा कि लालू प्रसाद यादव के परिवार से और क्या उम्मीद की जा सकती है। कानून तोड़ने में वे लोग माहिर है। गुंडाराज और लूट खसोट राजद और लालू यादव की पहचान रही है। रोहिणी आचार्य ने भी अपनी मां का सिक्योरिटी का उपयोग कर यह जाता दिया है। इस मामले में चुनाव आयोग से शिकायत की गई है। कानून अपना काम कर रही है। उन्होंने कहा कि लालू प्रसाद के परिवार का मतलब ही है गुंडाराज स्थापित करना और भ्रष्टाचार को बढ़ावा देना।

शॉर्ट-सर्किट से डेकोरेशन गोदाम में लगी आग

भागलपुर। भागलपुर में डेकोरेशन गोदाम में भीषण आग लग गई है। घटना शॉर्ट-सर्किट की वजह से हुई है। गोदाम तीन कट्ठा जमीन पर बना है। जिसमें रखा सारा सामान जलकर राख हो गया। आग की लपटें देख लोगों की भीड़ मौके पर जुट गई। फायर ब्रिगेड की टीम के साथ पहुंची। करीब दो घंटे से आग पर काबू पाने की कोशिश की जा रही है। मौके पर दमकल की गाड़ियां आई हुई है। घटना मुजाहिदपुर थाना क्षेत्र के सिकंदरपुर पानी टंकी के पास की है। दमकल कर्मियों के साथ स्थानीय लोग भी आग पर काबू पाया गया। आमलोगों में दहशत व्याप्त है।

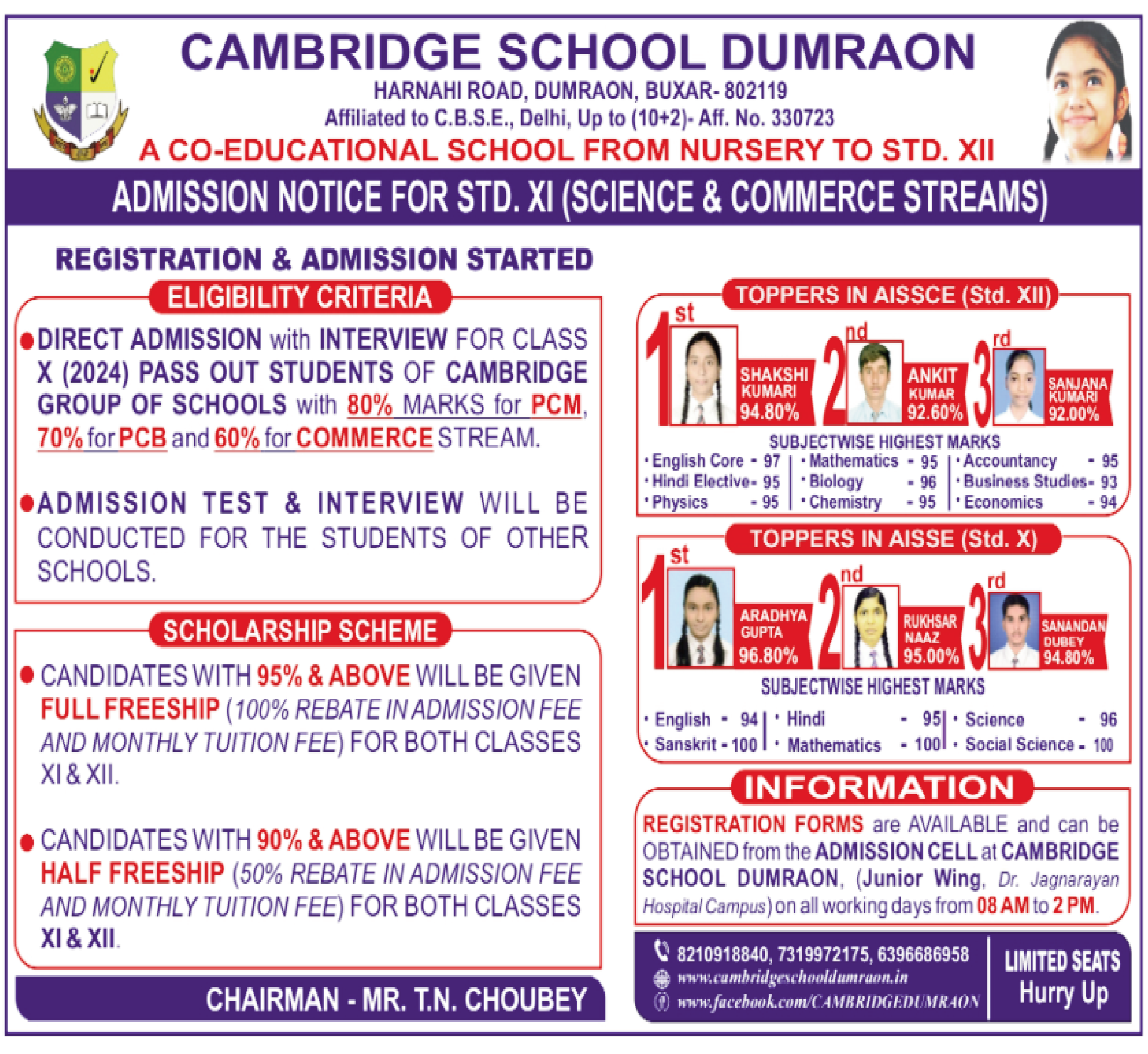

केशव टाइम्स डिजिटल संस्करण

बक्सर

बक्सर, 07 अप्रैल 2024

website:keshavtimes.com
e-mail:keshavtimes1@gmail.com

आचार संहिता लगने के बाद से पकड़ी गई एक करोड़ से अधिक की शराब

- धावा दल ने इस दौरान 19 लाख 20 हजार रूपए कैश किए बरामद
- सात लाख 92 हजार के मादक पदार्थ व एक करोड़ आठ लाख की अन्य सामग्री की गई जब्त

केटी न्यूज/बक्सर

लोक सभा आम निर्वाचन 2024 के विधि व्यवस्था संधारण व अन्य विषयों पर शनिवार को डीएम अंशुल अग्रवाल व एसपी मनीष कुमार ने संयुक्त रूप से समीक्षा बैठक की। यह समीक्षा बैठक समाहरणालय परिसर स्थित सभाकक्ष में की गई थी। समीक्षा बैठक में बताया गया कि 16 मार्च को आदर्श आचार संहिता लागू होने से लेकर अब तक विभिन्न इनफोर्समेंट एजेंसीज द्वारा कुल 19 लाख 20 हजार रुपए कैश, 14 हजार 342.38 लीटर शराब जिसका मूल्य एक करोड़, एक लाख 47 हजार 215 रुपए के अलावे 158.23 ग्राम ड्रग्स जिसका मूल्य सात लाख 92 हजार 650 रुपए है तथा एक करोड़, आठ लाख 50 हजार 47 रुपए की अन्य सामग्रियों की जब्ती की गई है।

डिस्पैच सेंटरों के आस पास रूकेंगे पुलिस बल: डीएम ने बताया कि इस बार मतदान दल में पीसीसीपी की व्यवस्था नहीं होने के कारण मतदान के एक दिन पूर्व पुलिस बल के ठहराव की व्यवस्था डिस्पैच सेंटर के पास की जाएगी। जिला परिवहन पदाधिकारी बक्सर को निर्देश दिया गया कि पुलिस बल को डिस्पैच सेंटर से मतदान केन्द्र तक जाने के लिए वाहनों का आंकलन कर आवश्यकतानुसार वाहन पुलिस लाईन को उपलब्ध कराएंगे ताकी मतदान के दिन समय से पुलिसबलों को उनके निर्धारित बूथों पर पहुंचाया जा सकें।

जिले के छह हजार से अधिक लोगों पर लगेगा धारा 107

विधि व्यवस्था संधारण के लिए दण्ड प्रक्रिया संहिता 107 के तहत की गई कार्रवाई की समीक्षा के क्रम में अनुमंडल पदाधिकारी बक्सर द्वारा बताया गया कि दंड प्रक्रिया संहिता 107 के तहत बक्सर अनुमंडल में कुल 201 प्रस्ताव प्राप्त है, जिसमें 3037 व्यक्तियों के विरुद्ध 107 की कार्रवाई की जा रही है एवं 1261 व्यक्तियों से बंधपत्र दाखिल कराया गया है। इसी प्रकार अनुमंडल पदाधिकारी, डुमरांव द्वारा बताया गया कि दप्रस 107 के तहत डुमरांव अनुमंडल में कुल 243 प्रस्ताव प्राप्त है, जिसमें 3421 व्यक्तियों के विरुद्ध 107 की कार्रवाई की जा रही है एवं 1641 व्यक्तियों से बंधपत्र दाखिल कराया गया है। बैठक में बक्सर व डुमरांव डीएसपी को निर्देश दिया गया कि लोक सभा चुनाव को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए अपने-अपने क्षेत्र अंतर्गत अशांति उत्पन्न करने वाले लोगों के विरुद्ध कार्रवाई करेंगे।

अधिक से अधिक संख्या में छापेमारी का आदेश

मद्य निषेध अधीक्षक को निर्देश दिया गया कि चुनाव के मद्देनजर अधिक से अधिक संख्या में रैंडम बेसिस पर छापामारी करें तथा सभी चेक पोस्ट विशेषकर सीमावर्ती बार्डर एवं वीर कुवंर सिंह सेतु पर गहन तलाशी अभियान लगातार चलाया जाए। वही उड़नदस्ता दल को निर्देशित किया गया कि अन्य जिलों से जुडे.हुए सीमावर्ती चेक पोस्ट व बार्डर एरिया में व्यवसायिक वाहनों एवं दुपहिया तथा चार पहिया वाहनों का भी सघनता से जांच करें। स्वच्छ वातावरण में निर्वाचन संपन्न कराने के लिए अधिक से अधिक संख्या में कैश, शराब एवं अन्य सामानों की जब्ती का निर्देश दिया गया।

दल ने बरामद किए कैश: सघन तलाशी अभियान के तहत शनिवार को उड़नदस्ता दल सह डुमरांव अंचल अधिकारी शमन प्रकाश द्वारा दो पिकअप एवं एक बाइक से तीन लाख 98 हजार रुपए एवं उड़नदस्ता दल सह अंचल अधिकारी, बक्सर सदर द्वारा 67 हजार कैश की बरामदगी की गई है।

एक नजर

ईद की खरीदारी शुरू, बाजार में बढ़ी भीड़

डुमरांव। अलविदा नमाज के बाद अब जोर शोर से ईद पर्व की तैयारियां शुरू हो गई हैं। बाजार की रौनक खरीदारों के चलते बढ़ गई है। सुबह और शाम दोनों वक्त कपड़े, आभूषण, ड्राई फ्रूट्स, सेवइयां व इत्र आदि की दुकानों पर भीड़ देखी जा रही है। ईद को लेकर बाजार भी पूरी तरह तैयार है। नई रेंज के उत्पादों से बाजार पटा पड़ा है बच्चों को डिजाइन कपड़े तो बड़ों को कुर्ता लुभा रहा है। ईद त्योहार की जरूरी खरीद फरोख्त का दौर शुरू हो गया है। शुक्रवार को अलविदा जुमे की नमाज अदा करने के बाद जरूरी खरीद का काम प्रारंभ हुआ है। कपड़े की दुकानों पर काटन कुर्ता, कुर्ती, और प्रिंटेड काटन शूट की खरीद अधिक हो रही है। आभूषण की दुकानों पर महिलाओं और लड़कियों की भीड़ देखी जा रही है। चांदी व सोने से बनी फैंसी बाली, लेडिज रिंग जैसे आभूषणों की खरीद हो रही है। रेडीमेड कपड़ों में बच्चों के डिजाइनर कपड़े जिसमें अफगानी, पंजाबी सूट व थ्री पीस की बिक्री अधिक है। वहीं युवाओं को सितारे वाला कुर्ता पसंद आ रहा है।

जल जीवन हरियाली अभियान में बक्सर जिला को मिला राज्य में प्रथम स्थान

बक्सर। जल जीवन हरियाली अभियान में बक्सर जिले को राज्य में प्रथम स्थान मिला है। डीपीआरओ द्वारा दी गई जानकारी में बताया गया है कि जल जीवन हरियाली अभियान के तहत विभिन्न कार्यों जैसे सार्वजनिक जल संचयन संरचनाओं को चिन्हित कर अतिक्रमण मुक्त कराना, तालाबो, पोखरों, आहरों, पईनों का जीर्णोद्धार कार्य, सार्वजनिक कुंओं को चिन्हित कर उनका जीर्णोद्धार कार्य इत्यादि में बक्सर जिला ने 100 में से 76.61 अंक हासिल कर प्रथम अंक प्राप्त किया है। इस उपलब्धि पर बक्सर के डीएम को राज्य सरकार द्वारा सम्मानित भी किया जाएगा। बता दें कि पिछले कुछ दिनों में बक्सर जिले में जल जीवन हरियाली अभियान के तहत कई बेहतर कार्य किए गए है। जिसका प्रमाण राज्यस्तरीय सर्वेक्षण में जिले को प्रथम स्थान पर आना है। डीएम अंशुल अग्रवाल ने कहा कि यह पूरे टीम का प्रयास है। उन्होंने कहा कि आगे भी इस अभियान को धरातल पर उतार जिले को स्वच्छ व सुंदर बनाना लक्ष्य है। बक्सर में हरित क्रांति व जल संचयन को धरातल पर उतार पर्यावरण की समस्या को दूर किया जाएगा।

चैती छठ पर्व को लेकर नगर परिषद कार्यपालक पदाधिकारी ने किया गंगा घाटों का निरीक्षण

बक्सर। जिलें में चैत्र छठ एवं सोमवती अमावस्या पर नगर के रामरेखाघाट के साथ ही अन्य गंगा घाटों पर जुटने वाली श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए नगर परिषद कार्यपालक पदाधिकारी अमित कुमार ने निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होने नप कर्मियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया। जिससे श्रद्धालुओं को छठ पूजा को लेकर परेशानी का सामना नहीं करना पड़े। भ्रमण में सशक्त स्थाई समिति के सदस्य इंद्र प्रताप सिंह उर्फ बबन सिंह, सभापति प्रतिनिधि नियमतुल्ला फरीदी शामिल रहे। निरीक्षण के क्रम में सबसे पहले रामरेखा घाट के निरीक्षण के क्रम में घाटों की सफाई पर चर्चा की गई. इसके साथ ही सफाई एजेंसी के कर्मी को सभी गंगा घाटों पर निकले जंगली घासों को काटने तथा घाटों पर पहुंच पथों एवं मरीन ड्राइव की सफाई चैत्र छठ के पूर्व पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया गया.तत्पश्चात चैत्र छठ पूजा हेतु रामरेखा घाट, नाथबाबा घाट एवं सत्ती घाट को चिन्हित करते हुए छठ पर्व पर पूजा अर्चना करने वाले लोगो को चिन्हित घाटों पर ही पूजा करने हेतु अपील दिया गया। जिससे इन घाटों पर पूजा संपादन में लोगों को किसी भी प्रकार की समस्या का सामना नहीं करना पड़े। छठ घाटों पर व्रतियों, दार्शनिकों के सुविधा और सुरक्षा हेतु निकाय स्तर से कराए जाने वाले कार्यों पर भी चर्चा की गई। निरीक्षण के दौरान नप कर्मियों में मृत्युंजय कुमार, यशवंत सिंह, नरसिंह चौबे, नवीन कुमार पाण्डेय एवं अन्य कार्यालय कर्मी उपस्थित रहे।

शिक्षक अभिभावक गोष्ठी सह परीक्षाफल प्रमाण पत्र वितरण समारोह का आयोजन

केसठ। कन्या प्राथमिक विद्यालय केसठ में शनिवार को शिक्षक अभिभावक गोष्ठी सह परीक्षाफल प्रमाण पत्र वितरण समारोह का आयोजन की गई। जिसमें विद्यालय के सैकड़ों अभिभावकों ने हिस्सा लिया। समारोह का उद्घाटन मुख्य अतिथि बीडीओ मिथिलेश बिहारी वर्मा एवं विद्यालय के एचएम मनोज कुमार ने संयुक्त रुप से किया। वही संचालन अरविंद कुमार सिंह ने किया। इस दौरान शिक्षको द्वारा उपस्थित अभिभावकों को टीएलएम किट एवं विद्यालय में संचालित शिक्षण गतिविधियों से अवगत कराया। उन्होंने अभिभावकों को उत्प्रेरित करते हुए बताया कि अपने बच्चों के शिक्षण गतिविधियों का सतत अनुश्रवण करना चाहिए, ताकि बच्चे अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सके। बीडीओ ने कहा कि पढ़ाई के साथ-साथ बच्चों में स्वच्छता एवं साफ-सफाई के तौर तरीके से अवगत कराते हुए शिक्षा के साथ साथ चरित्र निर्माण पर भी विशेष ध्यान देना चाहिए। गोष्ठी के दौरान वर्ग एक,दो और तीन के छात्र छात्राओं के बीच वार्षिक परीक्षा का परिणाम पत्र का वितरण किया गया। वही कक्षावार प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को विद्यालय कि ओर से पुरस्कृत किया गया। इस संबंध में विद्यालय के एचएम ने बताया कि जिला शिक्षा पदाधिकारी एवं प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी राजेश राम के निर्देश के आलोक में ये समारोह का आयोजन किया गया था। जिसमे वार्षिकोत्सव परीक्षा के अंक मूल्यांकन प्रमाण पत्र वितरण के साथ अन्यगतिविधियों पर उनके अभिभावकों के साथ विचार विमर्श किया गया।

खबरें फटाफट

चेकिंग के दौरान पुलिस ने पकड़ी चार लाख की राशि

डुमरांव। लोकसभा चुनाव की घोषणा होते ही निर्वाचन आयोग के निर्देश पर डुमरांव अनुमंडल की प्रशासनिक टीम आदर्श आचार संहिता का सख्ती से पालन कराने में जुट गयी है। अनुमंडल क्षेत्र में लगातार वाहन चेकिंग चलाकर नगदी व मादक पदार्थों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। इसी क्रम में राष्ट्रीय राजमार्ग 120 स्थित स्थानीय थाने के समीप सड़क पर डुमरांव थानाध्यक्ष सह प्रशिक्षु डीएसपी अनीशा राणा व सीओ शमन प्रकाश के नेतृत्व में वाहनों की गहन तलाशी ली गयी। इस दौरान दो चारपहिया वाहनों व एक बाइक से तीन लीख 98 हजार 500 रुपये की बड़ी नगद राशि बरामद की गयी है। वाहन चालकों द्वारा नगद राशि के संबंध में कोई साक्ष्य नहीं मिलने पर इसे जब्त कर लिया गया। बताया जाता है कि आचार संहिता का पालन कराने को लेकर डुमरांव पुलिस की टीम शहर के मुख्य सड़क स्टेशन रोड पर वाहन चेकिंग अभियान चला रही थी। इसी दौरान पुलिस की टीम ने दो चारपहिया वाहनों व एक बाइक से करीब चार लाख रुपये जब्त किये। इस संबंध में किसी भी वाहन चालकों द्वारा कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर मजिस्ट्रेट सह सीओ द्वारा इन रुपयों को जब्त कर स्थानीय थाने को सुपुर्द कर दिया गया।

कृष्णााब्रह्म में बालू लदे पांच ट्रक जब्त

कृष्णाब्रह्म। कृष्णाब्रह्म पुलिस ने थाना क्षेत्र के टुड़ीगंज कोरान सराय मार्ग के ढेंका गांव के खेल मैदान के समीप अभियान चला बालू लदे पांच ट्रकों को जब्त किया है। जब्त किए गए सभी ट्रकों को धर्म कांटा पर वजन कराया गया, जिसमें तीन ट्रकों पर क्षमता से अधिक बालू लदा हुआ था। जबकि दो ट्रकों पर भी विभिन्न मामलों में जुमार्ना लगाया गया है। सभी ट्रकों पर करवाई के जिला परिवहन पदाधिकारी तथा जिला खनन पदाधिकरी को करवाई के लिए जब्ती सूची भेजी गई है। थानाध्यक्ष नीतीश कुमार ने बताया कि जब्त किए गए ट्रकों के पीछे वाले नम्बर को मिट्टी का मोटा लेप चढ़ा ढ़क दिया गया था। पुलिस की इस कार्रवाई से ट्रक चालकों में हड़कंप मच गया था।

आगामी पर्वों को लेकर जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक आयोजित

डीएम बोले... पर्व-त्योहोरों में बिना अनुमति के नहीं निकलेगा जुलूस

- डीएम-एसपी ने शांतिपूर्ण तरीके से त्योहार मनाने की अपील की

केटी न्यूज/ बक्सर

जिला पदाधिकारी अंशुल अग्रवाल एवं पुलिस अधीक्षक मनीष कुमार के द्वारा संयुक्त रूप से आगामी ईद-उल-फितर (ईद), चैती छठ एवं रामनवमी पर्व के द्दष्टिगत शनिवार को जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक समाहरणालय परिसर स्थित सभाकक्ष में की गई। बैठक में उपस्थित जिला शांति समिति के सदस्यों के द्वारा आगामी पर्व ईद-उल-फितर (ईद), रामनवमी एवं चैती छठ पर्व को लेकर अपने-अपने सुझाव जिला पदाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक के समक्ष रखा गया एवं विमर्श किया गया। डीएम द्वारा उपस्थित जिला शांति समिति के सभी सदस्यों, सभी जिला एवं प्रखण्ड स्तरीय पदाधिकारियों को प्रभावी आदर्श आचार संहिता एवं दप्रस की धारा 144 के बारे में विस्तृत रूप से अवगत कराते हुए आगामी ईद-उल-फितर (ईद), रामनवमी एवं चैती छठ पर्व को शांतिपूर्ण एवं हर्षोल्लास के साथ मनाये जाने का अनुरोध किया गया। साथ ही बताया गया उक्त के द्दष्टिगत किसी भी कार्यक्रम के आयोजन एवं जुलूस निकालने से पूर्व अनुमंडल पदाधिकारी बक्सर एवं डुमरांव से पूर्वानुमति प्राप्त करना आवश्यक है।

सभी अनुमंडल पदाधिकारी को निर्देश दिया गया कि यथासंभव पूर्व से निर्धारित रूटों पर ही जुलूस के लिए अनुज्ञप्ति निर्गत करना सुनिश्चित करेंगे। साथ ही यह सुनिश्चित करेंगे कि जुलूस निर्धारित रूटों एवं शर्तों के आलोक में ही निकालें जाएं। कार्यपालक अभियंता विद्युत प्रमंडल बक्सर को निर्देश दिया गया कि आगामी पर्व के पूर्व अनुमंडल पदाधिकारी बक्सर एवं डुमरांव से समन्वय स्थापित कर पर्व के निमित सभी रूट की सूची प्राप्त कर लेंगे तथा निर्धारित रूट के सभी मार्गों के लूज एवं लटके हुए तारों की मरम्मती कराने को कहा गया। कार्यपालक पदाधिकारी नगर परिषद बक्सर एवं डुमरांव को निर्देश दिया गया कि आगामी पर्व को देखते हुए पर्व से पहले सभी मार्गों एवं छठ घाट की साफ-सफाई कराना सुनिश्चित करेंगे। चैती छठ को देखते हुए घाटों पर एनडीआरएफ एवं एसडीआरएफ टीम की प्रतिनियुक्ति करने को कहा गया। साथ ही निर्देशित किया गया कि चूना एवं ब्लीचिंग पाउडर से ईदगाह और मस्जिद सहित आस पास साफ-सफाई कराना सुनिश्चित करेंगे। इस दौरान डीएम द्वारा अनुमंडल पदाधिकारी बक्सर एवं डुमरांव को निर्देश दिया गया कि पर्व के दिन शहर में भारी वाहनों का प्रवेश वर्जित रहेगा। साथ ही पर्व के दिन शहर में भारी वाहन पकडे. जाने पर उन पर फाईन करने का भी निर्देश दिया गया। यह भी बताया गया कि दिनांक 14 अप्रैल को अंबेडकर जयंती एवं 16 अप्रैल को सम्राट अशोक जयंती मनाया जाएगा। इस के लिए सभी आंसर अधिकारी एवं थाना अध्यक्ष को निर्देश दिया गया कि की प्रतिमा स्थलों पर विशेष रूप से निगरानी रखने सुनिश्चित करेंगे।

सोशल मीडिया पर नजर रखेगी पुलिस: एसपी द्वारा सभी थानाध्यक्षों को निर्देश दिया गया कि बाइक गश्ती के माध्यम से आगामी पर्व के दौरान विधि व्यवस्था पर नजर बनाए रखेंगे। सोशल मीडिया पर किसी भी आपतिजनक पोस्ट पर अविलंब संज्ञान लेते हुए आवश्यक कार्रवाई करेंगे। बैठक में पुलिस अधीक्षक बक्सर, सिविल सर्जन बक्सर, उप विकास आयुक्त बक्सर, अपर समाहर्ता बक्सर, अपर समाहर्ता (विभागीय जांच) बक्सर, विशेष कार्य पदाधिकारी बक्सर, अनुमण्डल पदाधिकारी बक्सर व डुमरांव, प्रभारी पदाधिकारी सामान्य शाखा बक्सर, जिला स्तरीय पदाधिकारी, जिला स्तरीय शांति समिति के सम्मानित सदस्य एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

समीक्षा बैठक में बोले डीएम... जिले में शुरू हो चुका है हीट वेव, अगलगी की घटना से निपटने को तैयार रहे अग्निशमन विभाग

बक्सर। डीएम अंशुल अग्रवाल की अध्यक्षता में अगलगी, हीट वेव, पेयजल संकट एवं जलापूर्ति के संबंध में समाहरणालय परिसर स्थित सभाकक्ष में समीक्षा बैठक की गई। जिला पदाधिकारी ने समीक्षा के क्रम में कहा कि हिट वेव शुरू हो चुका है। विभिन्न माध्यमों से यह जानकारी मिल रही है कि कई स्थानों पर चापाकल खराब पड़े हैं, वहां जलापूर्ति बंद है। उन्होंने खराब पड़े चापाकलों की अविलंब मरम्मत तथा जलापूर्ति व्यवस्था को सुद्दढ़ करने का निर्देश लोक स्वास्थ्य प्रमंडल बक्सर के कार्यपालक अभियंता को दिया। कार्यपालक अभियंता ने बताया कि जिला स्तर पर कंट्रोल रूम के माध्यम से प्राप्त शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई की जा रही है। इस संबंध में सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, कार्यपालक पदाधिकारी नगर निकाय को निर्देशित किया गया कि अपने-अपने क्षेत्र अंतर्गत पेयजल आपूर्ति अथवा चापाकल मरम्मती की आवश्यकता से संबंधित प्रतिवेदन जिला के गोपनीय शाखा को उपलब्ध कराए, ताकि उन सभी स्थानों पर यथाशीघ्र लोक स्वास्थ्य प्रमंडल एवं बुडको के माध्यम से सुचारू रूप से जलापूर्ति प्रारंभ किया जा सके। डीएम ने कार्यपालक अभियंता लोक स्वास्थ्य प्रमंडल एवं कार्यपालक अभियंता, बुडको को निर्देश दिया कि विभागीय नियमानुसार यथाशीघ्र पेयजल योजनाओं का परस्पर हस्तांतरण कर इसे जनता को समर्पित करें, ताकी भयंकर गर्मी के मौसम में लोगों को जलापूर्ति के लिए परेशान नहीं होना पड़े। जिलाधिकारी द्वारा सभी अंचल अधिकारी को निर्देश दिया गया कि बढ़ते तापमान तथा हिट वेव को देखते हुए अगलगी की घटनाओं पर अविलंब संज्ञान लेते हुए त्वरित कार्रवाई तथा पीड़ितो को उचित संसाधन व मुआवजा मुहैया कराए। साथ ही जिला अग्निशमन पदाधिकारी को निर्देश दिया गया कि अगलगी की घटनाओं की द्दष्टिगत अग्निशाम वाहनों के साथ अग्निशमन दल को अलर्ट मोड में रखना सुनिश्चित करेंगे। वही, डीएम ने सिविल सर्जन से हीट वेव, अगलगी की स्थिति में घायलों एवं बीमार व्यक्तियों के इलाज के लिए सभी प्राथमिक चिकित्सा केंद्र, अनुमंडलीय अस्पताल एवं सदर अस्पताल बक्सर को अलर्ट मोड में रखने का निर्देश दिया और कहा कि पीड़ितो के इलाज में कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। गौरतलब है कि गर्मी के दिनों में जिले में भयंकर लू चलती है। वही इस दौरान दियारा इलाके में अगलगी की घटनाए भी अक्सर होती है। जिसे देखते हुए जिला प्रशासन सावधान हो गया है।

बैठक में डीएम ने दिया निर्देश

पराली जलाने वाले किसानों को चिन्हित कर करें कार्रवाई

बक्सर। जिला पदाधिकारी अंशुल अग्रवाल की अध्यक्षता में शनिवार को फसल अवशेष प्रबंधन के लिए अंतर्विभागीय कार्य समूह से संबंधित बैठक आयोजित की गई। इसमें डीएम ने विभिन्न विभागों के पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि पराली प्रबंधन को लेकर अपने-अपने विभाग से संबंधित रणनीति तैयार कर इस पर कार्य करना सुनिश्चित करेंगे। डीएम ने बैठक में मौजूद जिला कृषि पदाधिकारी से पराली जलाने वाले किसानों को चिन्हित कर उन पर विभागीय निर्देश के आलोक में कार्रवाई करने तथा उन्हें योजनाओं के लाभ से वंचित करने का निर्देश दिया। वही जिला कृषि पदाधिकारी ने बताया कि कृषि विभाग पराली नहीं जलाने एवं पराली प्रबंधन को लेकर अलर्ट है। पराली जलाने वाले किसानों पर कड़ी कार्रवाई करते हुए वितीय वर्ष 2023-24 में कुल 547 किसानों का तीन वर्षों के लिए किसान पंजीकरण बंद कर दिया गया है। किसान पंजीकरण बंद होने से कृषि एवं कृषि से सम्बद्ध सभी विभागों से आगामी तीन वर्षों तक लाभ से वंचित हो जायेंगे।

पराली प्रबंधन के लिए किया गया है यंत्रों का वितरण: जिला कृषि पदाधिकारी ने बताया कि विभाग द्वारा पराली प्रबंधन करने वाले प्रमुख यंत्रों हैपी सीडर, स्ट्रा बेलर विदाउट रैक, स्ट्रा रीपर, रीपर-कम-बाईन्डर, रोटरी मल्चर, सुपर सीडर इत्यादि पर विशेष अनुदान का प्रबंध करते हुए कुल 102 यंत्रों का वितरण किया गया है। जिससे जिलें के किसान सुलभता पूर्वक फसल अवशेष प्रबंधन कर सकेंगे। डीएम ने निर्देश दिया कि पराली जलाने से होने वाले नुकसान को किसानों को जानकारी दे, उन्हें जागरूक किया जाए, ताकी वे पराली प्रबंधन के प्रति स्वतः जागरूक हो सके। डीएम ने कहा कि वर्तमान में किसानों द्वारा इसे गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है। जिसका परिणाम होगा कि आगामी दिनों में बक्सर जिला में प्रदूषण व्यापक स्तर पर फैल सकता है।

बक्सर लोकसभा क्षेत्र से भाजपा के प्रत्याशी मिथिलेश तिवारी ने मीडिया से की बात

भाजपा का एक-एक कार्यकर्ता लड़ रहा पीएम का चुनाव: तिवारी

- पीएम मोदी के आने के बाद बढ़ गई है काशी की महता
- भगवान राम और ऋषि मुनियों की धरती है बक्सर
- बक्सर में भी काशी कोरिंडोर की तरह कराया जाएगा ऐतिहासिक कार्य

केटी न्यूज/बक्सर

पार्टी का शून्य से शिखर तक की यात्रा करने वाला कार्यकर्ता हूं। मेरे परिवार से कोई राजनीति में नहीं रहा है। मैं छात्र जीवन से ही राजनीति में हूं। इस दौरान छात्र संगठनों में अपनी जिम्मेदारी को लगातार निभाया। तीन बार विधानसभा चुनाव भी लड़ा। जिसमें जीत के साथ हार का भी सामना करना पड़ा है। इसके नित्यानंद राय, मंगल पांडेय के साथ ही प्रदेश में सम्राट चौधरी के नेतृत्व में भी प्रदेश महासचिव पद की जिम्मेदारी मिली है। जिसे भलीभांति निभाया है। उक्त बातें बक्सर लोकसभा क्षेत्र से भाजपा के प्रत्याशी मिथिलेश तिवारी ने कहीं। वह शनिवार को बक्सर के बाईपास रोड स्थित एक होटल में एनडीए गठबंधन के साथियों के नेतृत्व में आयोजित प्रेसवार्ता में बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र, गोवा समेत अन्य प्रदेशों में चुनाव कराने में सहयोगी की भूमिका निभाया है। उन्होंने आगे बताया कि देश में एमपी का नहीं बल्कि पीएम का चुनाव हो रहा है। विपक्षी के बीच पीएम का चेहरा नहीं है। जिसके कारण ही वे एमपी बनने के लिए चुनाव लड़ रहे है। वहीं भाजपा के पास पीएम मोदी हैं। इसलिए भाजपा का एक-एक कार्यकर्ता पीएम का चुनाव लड़ रहा है। वहीं उन्होंने कहा कि मोदी के आने के बाद काशी की महता बढ़ गई है।

जिले के विकास के लिए पीएम का पैर भी पकड़ लेंगे

बक्सर भगवान राम से जुड़ी धरती है। ऋषि मुनियों की धरती है। जहां त्रिदंडी स्वामी महाराज के प्रतिरूप जीयर स्वामी कार्य कर रहे है। यह सच्चिदानंद की धरती है जो देश का क्रियेटर माने जाते है। बक्सर में भी काशी कोरिडोर की तरह ऐतिहासिक कार्य कराया जाएगा। बक्सर में भी धार्मिक, आध्यात्मिक से संबंधित कॉरिडोर बनाया जाएगा। उनका मीशन कमीशन नहीं बल्कि बक्सर जिले में विकास का मीशन होगा। इसके लिए लोकसभा में पीएम का पैर भी पकड़ना होगा तो वे पीछे नहीं हटेंगे। बक्सर के विकास के लिए पीएम का पैर भी पकड़ेंगे। मौके पर जदयू जिलाध्यक्ष अशोक कुमार, भाजपा जिलाध्यक्ष भोला सिंह, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष राजवंश सिंह, विंध्याचल कुशवाहा, जिला मीडिया प्रभारी उमाशंकर राय समेत अन्य शामिल रहे।

जदयू में शामिल हुए डॉ. एसके सैनी, बोले- बिहार की सभी 40 सीटों पर होगी एनडीए की जीत

केटी न्यूज/डुमरांव

चर्म रोग विशेषज्ञ व लोजपा के पूर्व नेता डॉ. एसके सैनी ने लोजपा छोड़ जदयू की सदस्यता ग्रहण की है। उन्हें पटना में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने हाथों जदयू की सदस्यता ग्रहण कराई। वे अपने साथ अपने सैकड़ो समर्थकों को भी जदयू की प्राथमिक सदस्यता दिलवाए है। इस संबंध में जानकारी देते हुए डॉ. सैनी ने कहा कि वे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के न्याय के साथ विकास और सभी वर्गों को साथ लेकर चलने के गुण से प्रभावित होकर ही जदयू ज्वाइन किए है। उन्होंने कहा कि पिछले दो दशक से मुख्यमंत्री के तौर पर नीतीश कुमार का काम लाजबाव रहा है। उन्होंने बिहार का चहुमुंखी विकास किया है। डॉ सैनी ने कहा कि उनके साथ अब लवकुश समाज भी एनडीए के पक्ष में मतदान करेगा तथा बिहार के सभी 40 लोकसभा सीटो पर एनडीए की जीत तय है। विपक्ष के पास न नेता, नीति और नियत का अभाव है। डॉ. सैनी को सदस्यता ग्रहण कराए जाने के दौरान मुख्यमंत्री के अलावे मंत्री विजय कुमार चौधरी, अशोक चौधरी, मुख्य सचेतक संजय गांधी, बिजेन्द्र यादव, रत्नेश सदा आदि मौजूद थे। इस मौके पर उनके साथ रंजीत राम, विजय राम, अरूण मालाकार, उमाशंकर मालाकार, विनोद कुमार सैनी, कुंदन कुमार सैनी, डीएम पांडेय समेत सैकड़ो लोगों ने जदयू की सदस्यता ग्रहण की। सदस्यता ग्रहण करने के साथ ही वे एनडीए प्रत्याशियों के चुनाव प्रचार अभियान में जुड़ गए है। गौरतलब है कि डॉ. सैनी पूर्व में ब्रह्मपुर विधानसभा क्षेत्र से चुनाव भी लड़ चुके हैं।

धारा 370, राम मंदिर निर्माण और राष्ट्रवाद को लेकर भाजपा हमेशा मुखर रहीः धीरेंद्र सिंह

♦ भोजपुर जिला के सभी बूथों पर उत्सव के रूप में मना भारतीय जनता पार्टी का स्थापना दिवस

केटी न्यूज/आरा

भारतीय जनता पार्टी का स्थापना दिवस शनिवार को जिलाध्यक्ष दुर्गा राज के नेतृत्व में भोजपुर जिला के सभी बूथों पर उत्सव के रूप मे मनाया गया। मुख्य कार्यक्रम भाजपा जिला कार्यालय में पार्टी के झंडातोलन के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष ई.धीरेन्द्र सिंह ने पार्टी का झंडा फहराया। उपस्थित पदाधिकारियों और वरिष्ठ कार्यकताओं द्वारा भारत माता की जय, वंदे मातरम, डां श्यामा प्रसाद मुखर्जी अमर रहें, पं.दीनदयाल उपाध्याय अमर रहें, अटल बिहारी वाजपेयी अमर रहें, नरेन्द्र मोदी जिन्दाबाद, जे पी नड्डा जिन्दाबाद, सम्राट चौधरी जिन्दाबाद आदि के नारे लगाए गए।

उक्त अवसर पर जिला उपाध्यक्ष ई. धीरेन्द्र सिंह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की स्थापना 06 अप्रैल 1980 को हुई थी। उससे पहले हमारी पार्टी जनसंघ का हिस्सा थी। जनसंघ के समय से ही पार्टी संघर्ष करती आ रही थी। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के राष्ट्रवादी विचारधारा और पं.दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय विचार धारा को धारण करते हुए इसकी स्थापना हुई थी, जिसे अटल बिहारी वाजपेयी, लाल कृष्ण आडवाणी आदि महापुरूषों के द्वारा सींचा गया। पार्टी का आदर्श वाक्य वसुधैव कुटुम्बकम और अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति का विकास और राष्ट्रवाद के विचारधारा से आगे बढ़ते हुए आज विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बन गई है।

आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में दो दशक से केन्द्र में सरकार रहते हुए देश की जटिल समस्याओं का समाधान किया गया। धारा 370, राम मंदिर निर्माण और राष्ट्रवाद को लेकर पार्टी हमेशा मुखर रही और आज जम्मू कश्मीर से धारा 370 हटा कर डॉ.श्यामा मुखर्जी के बलिदान को सच्ची श्रद्धांजलि देते हुए भारत एक राष्ट्र ,एक प्रधान एक विधान और एक निशान के साथ एक सूत्र मे बांधा गया। उसी तरह अयोध्या मे राम मंदिर निर्माण का मार्ग प्रशस्त कर हजारों कारसेवकों की प्रताड़ना और बलिदान को याद करते हुए सनातन धर्म का विश्व मे डंका बजाने का कार्य हुआ। इसी प्रकार नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व मे तीन तलाक कानून को समाप्त कर मुस्लिम महिलाओं को कुरीतियों से मुक्त किया गया। सीएए पूरे देश मे लागू कर बाहरी घुसपैठियों को रोकने का काम हुआ। जिलाध्यक्ष दुर्गा राज ने पाटी स्थापना पर संदेश देते हुए कहा कि आज पार्टी और सरकार सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास के मूल मंत्र के साथ कार्य कर रही है।

मुफस्सिल और बड़हरा थाना क्षेत्र के इलाके की शुक्रवार की शाम की घटना

मोबाइल छिनतई के दौरान मारपीट और फायरिंग, छपरा निवासी युवक जख्मी

♦ बाइक सवार अपराधियों पर युवक का मोबाइल और पैसा छीनने का आरोप

केटी न्यूज/आरा

बड़हरा और कृष्णगढ़ थाना क्षेत्र के सीमावर्ती इलाके में पैगा रोड स्थित हनुमान मंदिर के समीप शुक्रवार की देर शाम हथियार के बल पर छपरा के एक युवक के साथ छिनतई की गई। उस दौरान उसका और उसके साले का मोबाइल व दो हजार रुपए छीन लिया गया। विरोध करने पर अपराधियों द्वारा मारपीट और फायरिंग करने का आरोप लगाया जा रहा है। उसमें युवक जख्मी हो गया। उसका इलाज सदर अस्पताल में कराया गया। जख्मी युवक सारण (छपरा) जिला के डोरीगंज थाना क्षेत्र के दयाल चक गांव निवासी राम जीवन शाह का 22 वर्षीय पुत्र राहुल कुमार है। हालांकि यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि युवक जख्मी कैसे हुआ। सूचना मिलने पर कृष्णगढ़ थानाध्यक्ष पवन कुमार एवं बड़हरा थानाध्यक्ष संजय कुमार पहुंचे और मामले की छानबीन की। राहुल कुमार ने बताया कि वह अपनी पत्नी को पहुंचने के लिए अपने ससुराल कृष्णगढ़ थाना क्षेत्र के गुंडी गांव आया था। शुक्रवार की शाम वह अपने साले के साथ घूमने के लिए पैगा गांव स्थित बागीचा की ओर जा रहा था। उस दौरान दोनों पैगा तीन मोहान स्थित हनुमान मंदिर के पास बैठे थे। तभी बाइक पर सवार तीन बदमाश वहां आए और उसे पिस्टल भिड़ा कर दोनों से मोबाइल और उसके पास रहे पैसे को छीन लिया। उस दौरान उनके बीच हाथापाई भी हुई। उसके बाद भी अपराधी दोनों का मोबाइल और पैसा छीन कर भाग निकले। उसी दौरान अपराधियों की ओर से फायरिंग भी की गयी। हाथापाई और मारपीट के दौरान वह जख्मी हो गया। उसके बाद परिजन द्वारा उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया गया। राहुल कुमार की ओर से बाइक सवार तीन बदमाशों पर अपना व साले का मोबाइल और दो दो हजार रुपए छिनने और एक राउंड फायरिंग करने का आरोप लगाया गया है। पुलिस अपने स्तर से मामले की छानबीन कर रही है।

नाना के निधन के सात दिन बाद आहर में नहाने गये स्कूली छात्र की डूबने से मौत

आरा। अगिआंव बाजार थाना क्षेत्र के तार गांव में शनिवार की सुबह आहर में डूबने से ननिहाल आये एक स्कूली छात्र की मौत है। वह अपने नाना की मौत के बाद सतनहयना के अवसर पर आहर में नहाने गया था। मृतक शाहपुर थाना क्षेत्र के मान सिंहपुर गांव निवासी राकेश राम का 14 वर्षीय पुत्र प्रिंस कुमार था। वह पांचवीं कक्षा का छात्र था और बचपन से ही तार गांव अपने ननिहाल में ही रहता था। उसके मामा गणेश राम ने बताया कि 24 मार्च को उनके पिता केवल राम की मृत्यु हो गई थी। शनिवार को उनका सतनहयना था। उसे लेकर घर के सभी लोग गांव स्थित आहर में नहाने गये थे। घर के लोगों के साथ वह भी आहर में स्नान कर रहा था। तभी आहर में गड्ढा और पानी अधिक होने के कारण वह डूब गया। उसके बाद ग्रामीणों की मदद से उसे पानी से बाहर निकल गया और अस्पताल ले जाया गया। वहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची और शव का पोस्टमार्टम करवाया गया। बताया जा रहा है कि छात्र प्रिंस दो भाई और दो बहनों में बड़ा था। उसके परिवार में मां इंदू देवी, बहन प्रिया, प्रियंका और भाई ऋतिक है। घटना के बाद उसके घर और ननिहाल में कोहराम मच गया है। मां इंदू देवी सहित परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर हाल है।

खबरें फटाफट

बीडीओ ने किया मतदान केंद्रों का निरीक्षण

काराकाट(रोहतास)। प्रखंड विकास पदाधिकारी काराकाट राहुल कुमार सिंह ने प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया। वे मतदान केंद्र संख्या-176 प्राथमिक विद्यालय भरतकस्बा,181- प्राथमिक विद्यालय दुआरी,183-मध्य विद्यालय काराकाट,184, 261-बेसिक विद्यालय जयश्री, 263-बेसिक विद्यालय जयश्री, 264, 299-मध्य विद्यालय इटवां भाग संख्या-304, 305- उत्क्रमित मध्य विद्यालय करूप (इंग्लिश) ,321 जोरावरपुर में ए एम एफ एफ - शौचालय, पानी, बिजली रैम्प इत्यादि का निरीक्षण किया गया। इसके उपरांत संबंधित प्रधानाध्यापकों को सभी आवश्यक सुविधाएं शीघ्र उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान कई अधिकारी, कर्मी और संबंधित ट्रक विद्यालयों के शिक्षक उपस्थित थे।

पुलिस पर हमला मामले में पांच गिरफ्तार, भेजा जेल

काराकाट (रोहतास)। कछवां पुलिस ने पुलिस पर हमला मामले में गुप्त सूचना के आधार पर भोजपुर जिला के इमादपुर थाना अंतर्गत पश्चिमी व पूर्वी इंग्लिश से पांच लोगों को गिरफ्तार कर जांच के बाद जेल भेज दिया है। गौरतलब हो कि पिछले वर्ष सोन नदी के तटीय क्षेत्र में छापेमारी के दौरान शराब माफियाओं ने पुलिस पर हमला कर दिया था। कच्छवां थाना अंतर्गत पुलिस पर हमला कांड संख्या 133/23 में धारा 147/ 148/ 149/ 341/ 323/ 307/ 353/ 427/ 379/ 411/ 504/ 506 आईपीसी एवं 27 आर्म्स एक्ट में भोजपुर पुलिस के साथ छापेमारी कर कुल इमादपुर थाना क्षेत्र के पश्चिमी इंग्लिश से अरविंद सिंह पिता स्व जुल्मी सिंह, संतोष कुमार उर्फ लोहा पिता स्व सियाराम सिंह, भीम सिंह पिता कृष्ण सिंह, अभय कुमार पिता कृष्णा सिंह वहीं पूर्वी इंग्लिश से पिंटू कुमार पिता नागा सिंह को उनके घर से गिरफ्तार किया गया है। थानाध्यक्ष मितेश कुमार ने बताया कि सभी आरोपियों को मेडिकल जांच के बाद जेल भेज दिया गया है।

एक नजर

वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित, मेधावी छात्र छात्राओं को किया गया सम्मानित

बिक्रमगंज। थाना क्षेत्र के जमोढी पंचायत के मध्य विद्यालय में वर्ग 1 से 8 का 2023-24 वार्षिक मूल्यांकन परीक्षा परिणाम घोषित होते छात्र-छात्राओं में खुशी की लहर दौड़ गई। इस अवसर प्रधानाध्यापक रविन्द्र कुमार प्रसाद के नेतृत्व में शनिवार को विद्यालय परिसर में छात्र-छात्रा सम्मान समारोह सहित अभिभावक व शिक्षक गोष्ठी का आयोजन किया गया। प्रकाशित रिजल्ट में वर्ग 1 से प्रथम स्थान आयुष कुमार, सेकेंड ममता कुमारी, तृतीय राजीव कांत। वर्ग 2 से प्रथम स्थान दीपक कुमार, सेकेंड मधुराज, तृतीय महिमा कुमारी। वर्ग 3 से शिवानी कुमारी, सेकेंड सोनम कुमारी, तृतीय स्थान रिया कुमारी। वर्ग 4 से प्रथम स्थान अनुराधा कुमारी, सेकेंड स्थान रिया कुमारी, तृतीय आकाश कुमार। वर्ग 5 में प्रथम स्थान सुगंधा कुमारी, सेकेंड स्थान साक्षी कुमारी, तृतीय पर श्रीधि कुमार रही। वही वर्ग 6 से प्रथम कार्तिक कुमार, सेकेंड स्थान कृति कुमारी, तृतीय इंद्रजीत प्रकाश रहा। जबकि वर्ग 7 से प्रथम अनु कुमारी, सेकेंड अनुराधा कुमारी व तृतीय कृति कुमारी रही। साथ ही वर्ग 8 में प्रथम स्थान अंजली कुमारी, सेकेंड स्थान सलोनी कुमारी सहित तृतीय स्थान साक्षी कुमारी प्राप्त को विद्यालय को गौरवान्वित किया। वही सभी अव्वल छात्रों को फूल माला पहना प्रधानाध्यापक रविन्द्र कुमार प्रसाद और मुख्य अतिथि जमोढी पंचायत मुखिया मनोज कुमार ने संयुक्त रूप से कलम, कॉपी, किताब से सम्मानित करते हुए मिठाई खिलाकर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। मौके पर अभिभावक व शिक्षक गोष्ठी सभा को संबोधित करते हुए प्रधानाध्यापक ने बताया कि बच्चों के माता-पिता उनके उजव्वल भविष्य के लिए उन्हें विद्यालय अवश्य भेजें। ताकि वह बेहतर शिक्षा से अपने भविष्य को संवार सके। वही मुखिया मनोज ने बताया कि बिक्रमगंज थाना क्षेत्र का मध्य विद्यालय,जमोढी पूरे रोहतास जिला में शिक्षा के प्रभाव से उच्चे शिखर पर पहुंच रहा है। इस अवसर पर विद्यालय शिक्षा समिति अध्यक्ष, सचिव नीतू देवी,वार्ड सदस्य बृन्दा लाल सिंह, अरुण कुमार सिंह व मध्य विद्यालय सभी शिक्षक सहित बच्चों के अभिभावक उपस्थित थें।

रामपुर गांव में बच्चों के विवाद को लेकर हुई मारपीट में पति-पत्नी एवं पुत्र घायल

जहानाबाद। उमता धरनई थाना के रामपुर गांव में बच्चों के विवाद में मारपीट की घटना में तीन लोग घायल हो गए, घायलों में सुबोध कुमार पत्नी संध्या देवी एवं पुत्र रवि रंजन कुमार बताए जाते हैं। इस बाबत घायल सुबोध कुमार ने बताया के उनके बच्चे के साथ गेंद खेलने को लेकर विवाद हुआ, जिसमे गांव के ही एक बच्चा ,हमारे बच्चे को मारपीट कर दिया, इसी बात को उसकी मां उसके घर कहने गई तो मां के साथ भी मारपीट कर दिया मारपीट होता देख पिता पहुंचे तो उसे भी मारपीट कर दिया, घायलों का इलाज रेफरल अस्पताल मखदुमपुर में कराया गया जहां चिकित्सको ने प्राथमिक उपचार किया है।

वरीय अधिकारियों के निर्देश पर अवैध बालू घाटों के रास्ते को कटवाया

बिक्रमगंज (रोहतास)। काराकाट प्रखंड क्षेत्र अन्तर्गत सरैया बालू घाट पर नासरीगंज पुलिस इंस्पेक्टर और कछवां थाना प्रभारी मितेश कुमार ने अपने पुलिस पदाधिकारी द्वारा संयुक्त रूप से कछवां थाना क्षेत्र अंतर्गत काराकाट प्रखंड क्षेत्र के ग्राम सरैया स्थित अवैध बालू घाट के रास्ता को कटवाया। ताकि अवैध बालू की निकासी को रोका जा सके। इसकी जानकारी कछवां थानाध्यक्ष मितेश कुमार ने बताया कि अब बालू माफिया की खैर नहीं है। श्री कुमार ने कहा कि वरीय अधिकारी के दिशा निर्देश पर यह किया जा रहा है।

स्नातक परीक्षा के दूसरे दिन वीर कुंवर सिंह केंद्र पर हुई सघन जांच

♦ सघन जांच को देखते हुए परीक्षार्थी में थी हड़कंप

केटी न्यूज/बिक्रमगंज

सत्र 2021-24 स्नातक पार्ट-थ्री परीक्षा के दूसरे दिन शनिवार को वीर कुंवर सिंह महाविद्यालय,धारूपुर परीक्षा केंद्र पर कदाचारमुक्त परीक्षा को लेकर महाविद्यालय प्रशासन दिखा सख्त। जिससे परीक्षा केंद्र पर परीक्षार्थियों में हड़कंप मच गया। जबकि शहर में बने अन्य परीक्षा केंद्रों पर जारी परीक्षा केंद्र में सबसे अधिक परीक्षार्थियों की संख्या 2791 वीर कुंवर सिंह महाविद्यालय,धारूपुर केंद्र पर ही है। जहां शनिवार को दोनों पालियों में साइंस और कला संकाय विषय की परीक्षा में परीक्षार्थियों की संख्या सूची 1527 के साथ शांतिपूर्ण परीक्षा संपन्न हुई। हालांकि दूसरे दिन भी कोई परीक्षार्थी निष्कासित नही हुए, लेकिन अनुपस्थित जरूर रहें। वही संचालित परीक्षा में केंद्र पर सघन जांच को देखते हुए परीक्षार्थी में हड़कंप जरूर थी। इस संबंध में वीर कुंवर सिंह महाविद्यालय, धारूपुर केंद्राधीक्षक डॉ. सुरेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि कदाचारमुक्त स्नातक संचालित परीक्षा के दूसरे दिन भी परीक्षा केंद्र पर दोनों पालियों में मुन्ना भाई, मोबाईल, ब्लूटूथ,गेस पेपर सहित अन्य इलेक्ट्रानिक व चिट पुर्जे के खिलाफ मुख्य प्रवेश द्वार से लेकर परीक्षा केंद्र के अंदर सघन जांच कर नकलची पर नकेल कसा गया। जो संचालित परीक्षा के निर्धारित तिथि तक यह अभियान जारी रहेंगी। वही परीक्षा दो पालियों में साइंस व कला संकाय विषयों के साथ परीक्षा निर्धारित समय पहली सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे जबकि दूसरी पाली दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक संचालित हो रही है।

जनता दरबार में जमीनी विवाद को लेकर आए चार मामले, तीन का हुआ निष्पादन

♦ कन्हैया व शिव शंकर दोनों पक्षों में रास्ता को लेकर था विवाद

केटी न्यूज/काराकाट

काराकाट थाना परिसर में शनिवार को सीओ डॉ रितेश कुमार के नेतृत्व में जनता दरबार का आयोजन किया गया । जनता दरबार में जमीनी विवाद के चार मामले सामने आये। जिसमें तीन मामलों का निष्पादन किया गया। सीओ ने बताया कि इंद्रजीत राम गम्हरिया, संतोष पासवान गम्हरिया से भूमि सीमांकन का विवाद था जिसमें मापी के बाद सीमांकन विवाद समाप्त किया जाएगा । कन्हैया प्रसाद गोड़ारी व शिव शंकर प्रसाद गोड़ारी से दोनों पक्षों में रास्ता को लेकर विवाद था । सीओ ने आदेश दिया कि भूमि का मापी के बाद सीमांकन कर विवाद का समापन किया जाएगा । हजारी सिंह गांव खिरोडीह तथा जोरावरपुर द्वितीय पक्ष विजय सिंह के बीच खिरोडीह व जोरावरपुर गांव में रास्ता को लेकर विवाद था । जिसमें हजारी सिंह का कहना था कि रास्ते में विजय सिंह द्वारा गोबर रख दिया जा रहा है । सीओ ने विपक्षी विजय सिंह को रास्ते से गोबर हटा तत्काल हटा लेने का निर्देश दिया । दुर्गावती देवी सिकरिया विपक्ष सुरेश सिंह सिकरिया , दुर्गावती देवी का कहना था कि विवाद का मुख्य वजह सुरेश सिंह के द्वारा मेरे हिस्से की भूमि को अतिक्रमण कर लिया गया है । जिसको लेकर घर निर्माण का स्थल निरीक्षण के बाद ही अगले शनिवार बैठक में सुनवाई की जाएगी । जनता दरबार में थानाध्यक्ष फुलदेव चौधरी व अंचल के राजस्व कर्मी मौजूद थे।

जहानाबाद के लोगों को बेहतर सामाजिक माहौल के निर्माणकर्ता की बड़ी जरूरत

केटी न्यूज/जहानाबाद

आईएमए के पूर्व नेशनल प्रेसिडेंट व प्रख्यात सर्जन डा. सहजानंद प्रसाद सिंह ने कहा कि जहानाबाद जिस तरह से पूर्व में खराब सामाजिक व राजनीतिक हालातों का दंश झेला है, ऐसे में यहां एक बेहतर माहौल का निर्माण सबसे बड़ी जरूरत है। वे शनिवार को यहां जद यू कार्यालय में जिलाध्यक्ष गोपाल शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में बोल रहे थे। मौके पर पार्टी नेता रंगनाथ शर्मा, जिला प्रवक्ता अमित कुमार पम्मू,बिट्टु शर्मा सहित कई अन्य पार्टी कार्यकर्ता भी मौजूद थे। डा.सिंह ने कहा कि गत लोकसभा चुनाव में यहां के लोगों ने एक नई सामाजिक-राजनीतिक धारा का उदय किया था। इस धारा के निर्माण में कुछ प्रभावी सामाजिक इकाईयों के अलावा समाज के विभिन्न छोटे समूहों की बड़ी भूमिका रही थी। कुल मिलाकर कई प्रभावशाली माने जाने वाले सामाजिक समूहों के अलावा छोटे-छोटे सामाजिक समूहों के लोगों ने भी पहली बार यहां चंदेश्वर प्रसाद चंद्रवंशी को सांसद चुनने में बड़ी भूमिका निभाई थी। डा. सिंह ने कहा कि सांसद बनने के बाद श्री चंद्रवंशी ने जो सबसे बड़ी उपलब्धि हासिल किया, वह यह है कि जहानाबाद में एक बेहतर शांतिपूर्ण सामाजिक व राजनीतिक महोल निर्माण में बड़ी भूमिका निभाई। मौके पर रहे सांसद ने कहा कि उनकी कोशिश रही कि सबको साथ लेकर चलें। लेकिन बावजूद इसके कई लोगों व समूह संतुष्ट नहीं हो सके हैं। आगे मौका मिला तो वे अपनी कमियों को दूर करने की पूरी कोशिश करेंगे। सांसद ने कहा कि जहां तक विकास की बात है, यह एक सतत प्रक्रिया है। हो सकता है कि वे विकास को अपेक्षित आयाम देने में इस दफे विभिन्न वजहों से सफल नहीं हुए हों लेकिन जहानाबाद में एक बेहतर सामाजिक माहौल के निर्माण में बड़ी भूमिका का निर्वहन करने की भरसक कोशिश की है, जो यहां के लोगों को बड़ी शिद्दत से जरूरत थी। उन्होने कहा कि वे सबको साथ लेकर चलने वाले नेता हैं लेकिन बावजूद इसके हालातों की वजह से वे सभी लोगों को इस दफे खुश नहीं कर सके हैं।

खबरें फटाफट

छात्रवृत्ति के सत्यापन के लिए तिथि घोषित

गाजीपुर। जिला समाज कल्याण अधिकारी राम नगीना यादव ने बताया है कि वित्तीय वर्ष/शैक्षिक सत्र 2023-24 में दशमोत्तर कक्षाओं में अध्ययनरत उप्र के मूल निवासी अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिए छात्रवृत्ति हेतु द्वितीय चरण में छात्रों द्वारा आनलाइन आवेदन जो 01 जनवरी 2024 से 31 मार्च 2024 तक किए गए हैं, उन छात्रों के डाटा शिक्षण संस्थान द्वारा आवेदन पत्र को आनलाइन सत्यापित एवं अग्रसारित करना है। हार्ड कापी एवं संलग्न अभिलेखों से छात्र/छात्राओं के समस्त विवरण शिक्षण संस्थान द्वारा मिलान किया जाना एवं आनलाइन आवेदन प्राप्त किया जाना, अपात्र छात्रों का आवेदन निरस्त करना तथा पात्र छात्रों का आवेदन आनलाइन सत्यापित एवं अग्रसारित करना 15 अप्रैल 2024 तक निर्धारित है एवं अफिलिएटिंग एजेन्सी को दिनांक 16 अप्रैल से 26 अप्रैल 2024 तक किया जाएगा।

पैसा वापस पाकर सुनील कुमार ने एसपी को बोला थैंक्यू

बलिया। सिविल लाइन स्थित कार्यालय में साइबर सेल की टीम ने शनिवार की दोपहर क्रेडिट कार्ड व बैंक खाते से धोखे से निकाले गए एक लाख 35 हजार 539 रूपए पीड़ित सुनील कुमार श्रीवास्तव वापस लौटाया। रूपए वापस पाकर सुनील कुमार श्रीवास्तव ने साइबर सेल की टीम के साथ—साथ एसपी देवरंजन वर्मा को थैंक्यू बोला। बीते 28 मार्च को घुरहू नारायन का छपरा निवासी सुनील कुमार श्रीवास्तव ने साइबर सेल में शिकायत दर्ज कराई कि उसके पंजाब नशलन बैंक के क्रेडिट कार्ड व खाते से कुल-1 लाख 66 हजार 671 रूपए 85 पैसे धोखे से निकाल लिए गए। इसके बाद साइबर सेल की टीम शिद्दत से जुट गई। फलस्वरूप शनिवार को पीड़ित सुनील कुमार श्रीवास्तव को उनकके एक लाख 35 हजार 539 रूपए मिल गए। जबकि शेष धनराशि के लिए साइबर टीम निरंतर प्रयासरत है।

1.71 करोड़ से रोशन होंगे 174 परिषदीय स्कूल, होगा विद्युतीकरण

- बेसिक शिक्षा विभाग ने विद्युत निगम को भेजी धनराशि
- अन्य सरकारी प्राइमरी व जूनियर हाईस्कूलों में पहले से ही है बिजली

केटी न्यूज/बलिया

बेसिक शिक्षा परिषद के प्राइमरी और जूनियर हाईस्कूल के बच्चों को इस साल भीषण गर्मी से राहत दिलाने के लिए विभाग ने कमर कस ली है। ऐसे 174 स्कूल जहां अबतक बिजली नहीं है, वहां विद्युतीकरण के लिए करीब एक सप्ताह पहले ही बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय से एक करोड़ 71 लाख 27 हजार 821 रुपए बिजली विभाग को भेज दिए गए हैं। बीएसए मनीष कुमार सिंह ने बताया कि जिले के 1625 प्राथमिक विद्यालयों, 357 कंपोजिट विद्यालयों व 267 उच्च प्राथमिक विद्यालयों में से अधिकांश में बिजली की सुविधा उपलब्ध है। विभिन्न ब्लाकों के 174 विद्यालयों ऐसे हैं जहां विद्युत कनेक्शन नहीं होने से बच्चों को पढ़ने में असुविधा हो रही थी। इन विद्यालयों में विद्युतीकरण का प्रस्ताव शासन को भेजा गया था। शासन ने विद्युतीकरण के लिए धनराशि भेजी दी थी, जिसे बिजली विभाग को भेज दिया गया। बताया कि विद्यालयों में बिजली आने से कंप्यूटर लैब, स्मार्ट क्लास आदि की व्यवस्था करने में सुविधा होगी। इससे छात्रों में शिक्षा के प्रति रुचि बढ़ाने के साथ-साथ उनके समग्र विकास में सहायता मिलेगी। जानकारी दी कि चिलकहर ब्लाक के 85, नगरा के 33, नवानगर के आठ, पन्दह के 26, बेरूआरबारी के पांच, मनियर के 10, रसड़ा के छह व बांसडीह के एक विद्यालय में विद्युतीकरण होना है। कनेक्शन के लिए संबंधित स्कूलों ने बिजली विभाग के झटपट पोर्टल पर ऑन लाइनआवेदन किया था। बिजली विभाग ने कनेक्शन देने के लिए जो धनराशि स्कूलों से मांगी थी वह उसे भेज दी गई है। विदित हो कि सरकार की ओर से यह लगातार प्रयास किया जा रहा है कि छात्र-छात्राओं को आधूनिक शिक्षा प्रदान की जाए। जिससे वह कभी भी प्राईवेट संस्थान के बच्चों से पीछे नहीं रहे।

युवक की रहस्मय तरीके से हुई थी मौत, चुपचाप दाह संस्कार का परिवार कर रहा था प्रयास

युवक की मौत, श्मशान ले जा रहे शव को पुलिस ने भेजा पोस्टमार्टम हाउस

- बोल डॉ. एके राय ..बाल मन में इस त्यौहार को लेकर बड़ा उमंग और जोश जुनून रहता है

केटी न्यूज/ गाजीपुर

जनपद के दुल्लहपुर थाना क्षेत्र के धनेशपुर गांव में शनिवार की दोपहर अपने बेटे का शव अंतिम संस्कार के लिए श्मशान घाट पिकअप पर लाद कर ले जा रहे थे। तभी किसी अज्ञात व्यक्ति की सूचना पर बलोलपुर चौकी प्रभारी जयदीप ने कांस्टेबलों के साथ शव को कब्जे में लेकर थाने आए और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस संबंध में दुल्लहपुर थानाध्यक्ष राजेश बहादुर सिंह ने बताया कि मृतक मुलायम यादव- 31 पुत्र नारायण यादव की रात में ही घर में संदिग्ध परिस्थितियों में मुलायम यादव मृत अवस्था में मिला। परिजन बिना पुलिस को सूचना दिए दाह संस्कार के लिए शव ले जा रहे थे। इस बीच पुलिस को इस बात की जानकारी प्राप्त हुई। खबर मिलते पुलिस मौके पर पहुंची। परंतु पुलिस ने देखा कि मृतक शमशान घाट ले जाया जा रहा है। ताकि उसका दाहसंस्कार हो सके। पुलिस ने शव को अपने कब्जें में लिया। यह देख मृतक के परिजनों ने विरोध करना शुरू किया। परंतु पुलसि की सख्ती के आगे सभी चुप हो गये। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट पुलिस को अभी तक प्राप्त नहीं हुई है। बता दें कि मुलायम यादव की शादी 2012 में आजमगढ़ जनपद के जहानागंज थाने के लहुराडीह गांव निवासी किरण देवी से हुई थी। जिसकी एक लड़की है। मृतक के भाई ने तहरीर में बताया कि मुलायम यादव का दिमागी हालत ठीक नहीं था, काफी दिनों से दवा की जा रही थी। उसने घर में ही फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर लिया है। थाना अध्यक्ष राजेश बहादुर सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। रिपोर्ट का इंतजार है।

संदिग्ध परिस्थितियों में युवती की मौत

चंदौली। अलीनगर थाना क्षेत्र के वार्ड नंबर 16 में संदिग्ध परिस्थितियों में झुलसने से युवती की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का फॉरेंसिक जांच कराने के बाद कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला चिकित्सालय भेज दिया। अलीनगर थाना क्षेत्र के वार्ड नंबर 16 में मोनिका उर्फ छोटी 20 वर्ष अपनी मां मंजू देवी के साथ रहती थी। विगत दिनों की भांति शनिवार को सुबह भी अपनी मां के साथ वार्ड नंबर 9 मुगलचक में स्थित जीटी रोड किनारे कबाड़ की दुकान पर आयी और चाय पीने के बाद मोनिका अकेले घर पर भोजन बनाने के लिए चली गई। अचानक घर के अंदर से धुआं निकलने पर लोगों ने इसकी सूचना मां मंजू देवी को पड़ोसियों ने दिया। आनन फानन में पहुंची मां ने अंदर से बंद दरवाजा खुलवाने का काफी प्रयास किया। लेकिन नहीं खुलने पर पड़ोसियों ने किसी प्रकार दरवाजा खोला तो अंदर जलकर मृत हालत में मोनिका पड़ी हुई थी। वहीं रखे उपले से धुआं निकल रहा था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौका मुआयना करने के बाद फॉरेंसिक टीम बुलाकर जांच पड़ताल कराने के बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला चिकित्सालय भेज दिया।

प्रसूता की मौत के बाद जमकर हुआ हंगामा

रसड़ा। कोटवारी मोड़ स्थित एक प्राइवेट नर्सिंग होम में प्रसूता की मौत पर परिजनों ने अस्पताल पर जम कर बवाल काटा। सूचना पर पहुंची पुलिस परिजनों की तहरीर पर कार्रवाई का आश्वासन देकर शव को कब्जे में लेकर कार्रवाई में जुट गई। उधर नर्सिंग होम छोड़कर चिकित्सक एवं स्टाफ सभी फरार हो गए। रसड़ा कोतवाली क्षेत्र के मंदा निवासिनी सीमा यादव पति आत्मा प्रसव पीड़ा होने पर अस्पताल में भर्ती कराए। दोपहर के समय बाद प्रसूता की हालत गंभीर होने पर चिकित्सक परिजनों से आपरेशन करने को कहा। परिजनों की सहमति से चिकित्सक ने ऑपरेशन भी कर दिया। मरीज की हालत गंभीर होने पर चिकित्सक ने स्वयं मरीज को लेकर अपने निजी साधन से परिजनों के साथ मऊ ले गए। मऊ में भी हालत गंभीर होने पर बनारस के लिए निकले कि पीड़ित महिला रास्ते में ही दम तोड दिया। मौत की खबर लगते आक्रोशित ग्रामीण अस्पताल पहुंचे। ग्रामीणों के उग्र तेवर देख अस्पताल छोड़कर चिकित्सक एवं स्टाफ सभी फरार हो गए। सूचना पर पहुंचे कोतवाली प्रभारी क्षितिज त्रिपाठी के आश्वासन पर आक्रोशित ग्रामीणों का गुस्सा शांत हुआ। पति आत्मा यादव की तहरीर पर पुलिस शव को कब्जे में लेकर कार्रवाई में जुट गई।

एक नजर

खाद्य पदार्थों के 38 नमूने जांच किए गए

गाजीपुर। जनपद में विभिन्न खाद्य पदार्थों के कुल 38 नमूनें जांच किये गये। जिसमें तहसील सदर, सैदपुर एवं चोचकपुर गाजीपुर में एफएसडब्ल्यू वैन के माध्यम से मिल्क का 01 नमूना, खोया का 03 नमूना, पनीर का 01 नमूना, मिल्क प्रोडक्ट का 01 नमूना, मिल्क स्वीट का 05 नमूनें, अन्य स्वीट्स के 2 नमूनें, अनाज का 01 नमूना, दाल का 8 नमूनें, मसाला का 08 नमूनें, खाद्य तेल का 01 नमूना, नमक का 2 नमूनें एवं अन्य खाद्य पदार्थ सॉस के 3 नमूनें, चाय, गुड़ काजू के 01-01 नमूना कुल 38 नमूनें जॉच किये गये जिनमें से मिल्क स्वीट के 01 नमूना में स्टार्च (बाह्य पदार्थ), मसाला का 01 नमूना में सिन्थेटिक कलर पाया गया एवं अन्य खाद्य पदार्थ सॉस के 03 नमूनें में स्टार्च (बाह्य पदार्थ) पाया गया। मौके पर ही खाद्य कारोबारकताओं को जांच रिपोर्ट से अवगत कराया गया एवं उन्हें भविष्य में खाद्य पदार्थ की गुणवत्ता में सुधार हेतु निर्देशित किया गया।

बूथ स्तर पर मना भाजपा का स्थापना दिवस

गाजीपुर। भाजपा का स्थापना दिवस बूथ स्तर पर मनाया गया। गाजीपुर सदर विधानसभा के बूथ संख्या 134 सकरताली पर बबेड़ी शक्ति केन्द्र संयोजक अनुराग प्रजापति के आवास पर स्थापना दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमे लाभार्थी सम्पर्क तथा माइक्रो डोनेशन पर विचार किया गया। आयोजित गोष्ठी को संबोधित करते हुए जिला मंत्री सुरेश बिंद ने कहा कि पूरे देश में एक निशान, एक प्रधान और एक संविधान के लिए भाजपा ने निर्णायक संघर्ष किया है। इस अवसर पर शोभनाथ यादव, आनन्द पासवान, कमलेश राम, जयमुनी शर्मा,गनेश प्रजापति, सुरेश प्रजापति, मनोज प्रजापति, प्रभात शर्मा, मुन्ना प्रजापति, सुनील मिश्रा, अनुराग प्रजापति, जगदीश प्रजापति,प्रशान्त कन्नौजिया, संजय आदि उपस्थित थे।

चांद पर चंद्रयान, धरती पर हो मतदान

चंदौली। लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 अन्तर्गत चलाये जा रहे स्वीप कार्यक्रम के अंतर्गत मतदाता जागरूकता जनपद में चलाया जा रहा है। हर एक व्यक्ति को एक जून, को घर से बाहर निकलकर अपने पूरी इमानदारी से अपने मतदान का प्रयोग करना है। इसी कड़ी में शनिवार को राष्ट्रीय माध्यमिक विद्यालय,पिपरी में छात्र छात्राओं ने मतदाता जागरूकता अभियान के तहत रैली निकाल कर क्षेत्र के मतदाताओं को मतदान के लिए जागरूक किया। इस दौरान छात्र छात्राओं ने जाति पर न धर्म पर बटन दबेगा कर्म पर बनो देश के भाग्य विधाता अब जागो प्यारे मतदाता₹ चांद पर चंद्र यान धरती पर मतदान आदि नारे लगाते हुए चल रहे थे। रैली में विजय पांडे,प्रभारी प्रधानाध्यापक सुनील कुमार पांडे, विकास कुमार सिंह, वंदना तिवारी, विकास कुमार पटेल, गोविंद तिवारी,राम सुमेर सिंह आदि शामिल रहे।

दो करोड़ की हेरोइन के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

गाजीपुर। स्वाट व सर्विलांस थाना जमानिया पुलिस की संयुक्त टीम ने हेरोइन की अवैध तस्करी करने वाले गिरोह के 02 अभियुक्तों को 01 किलो 140 ग्राम मादक पदार्थ हेरोइन (जिसकी अन्तर्राष्ट्रीय कीमत लगभग 02 करोड़ रुपये है) के साथ गायघाट मोड़ के पास से समय करीब 12.15 बजे गिरफ्तार किया गया। हेरोइन की अवैध तस्करी करने वाले गिरफ्तार शुदा उपरोक्त अभियुक्तगण के विरूद्ध अभियोग पंजीकृत कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है। पूछताछ के दौरान हिरासत में लिए गए व्यक्तियों द्वारा बताया गया कि हम लोग पिछले कुछ समय से हेरोइन तस्करी के धंधे में संलिप्त हैं। हमारा मुख्य सरगना रामानन्द यादव निवासी ग्राम- सोनहरिया थाना जमानियां है। जिसे पिछले महीने यूपी एसटीएफ ने वाराणसी से पकड़कर नागालैंड पुलिस को सौंपा था, जो अभी जेल में हैं। अधिक पैसा कमाने के लालच में हम लोग अन्य राज्यों से तस्करी कर लाने वाले लोगों से यहां पर खरीद कर उसे अलग-अलग जगहों पर अलग-अलग लोगों को ऊंचे दामों पर विक्रय कर मिलने वाले पैसों को आपस में बांट लेते हैं और उसी पैसे से अपने परिवार का भरण-पोषण व अपने शौक पूरे करते हैं। वहीं दूसरी ओर पुलिस इनके अन्य साथियों की तालाश में जुटी है।

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया मनियर के ग्राहक सेवा केंद्र के संचालक ने ग्राहकों से करीब चार लाख रुपए का ठगी की

केटी न्यूज/मनियर

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के ग्राहक सेवा केंद्र पर ग्राहक सेवा केंद्र के संचालक द्वारा ग्राहकों के साथ ठगी करने का एक मामला प्रकाश में आया है ।मामला ग्राहक सेवा केंद्र बड़ी बाजार मनियर का है। ग्राहकों का आरोप है कि बिना हम लोगों के जानकारी के ग्राहक सेवा केंद्र के संचालक अंशु गुप्ता ने हम लोगों के खाते से पैसा निकाल लिया है और वह चार दिन से फरार है ।जब हम लोग खाता चेक कराये तो हम लोगों के खाते से रुपए गायब थे। ग्राहकों का कहना है कि हम लोग मनियर थाने पर ग्राहक सेवा केंद्र के संचालक अंशु गुप्ता के विरुद्ध तहरीर दे दिए हैं। ग्राहक सुनीता देवी पत्नी अरविंद चौहान का कहना है कि मैं लगभग तीन महापूर्व एक लाख बीस हजार रुपया इस ग्राहक सेवा केंद्र के संचालक को जमा करने के लिए दिया ।इसने हमको कहा कि केवाईसी कराओ और पैसा अपने पास रख लिया ।बाद में मैं गया तो मुझको एक लाख उन्नीस हजार रुपए का पर्ची दिया जबकि खाते में वह पैसा मेरा नहीं चढ़ा है ।इसी प्रकार से केदार वर्मा का दस हजार प्रदीप कुमार प्रजापति का बारह हजार रुपए,सुनीता देवी का एक लाख 19 हजार रुपए ,उर्मिला देवी के तीस हजार रुपए,पप्पू कुमार शाह का 14800रुपये, राम अवध का 23000 रुपए धुरिया देवी का 17000 रुपए विजय कुमार का 7000 रुपए,कन्हैया यादव का 15000 हजार रुपए,रमिता देवी का 70000 रुपए ,राजदेव चौहान का 9500 रुपए,सरस्वती देवी का 22000 रुपए,सुनील वर्मा का 4000 रुपए शहनाज मियां का 14000 रुपये, सुमन देवी का 8 000 रुपये उनके खाते से गायब है।

1220 एक्सपायर्ड बीयर के साथ पुलिस ने दो लोगों को किया गिरफ्तार

केटी न्यूज/ बलिया

शहर कोतवाली थाना पुलिस व आबकारी विभाग की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा दो अभियुक्तों को गिरफ्तार करते हुए उनके कब्जे से 1220 केन एक्सपार्यड बीयर बरामद किया गया। पुलिस व आबकारी विभाग की संयुक्त टीम को मुखबिर ने सूचना दी कि आर्य समाज रोड माल गोदाम तिराहे के पास स्थित बीयर की दुकान में ओवर रेट बीयर की बिक्री हो रही है। सूचना मिलते ही पुलिस मालगोदाम तिराहे के पास पहुंची। इसी बीच आबकारी विभाग ने सादे ड्रेस में अपने एक साथी को बीयर खरीदने भेजा। जवान ने बीयर की दुकान से हैवर्ड 10000 की एक केन 140 रुपये में खरीदा जबकि एक केन का अधिकतम मूल्य 130 रुपये है। विक्रेता द्वारा 10 रुपये अधिक ओवर रेट पर एक केन बीयर देने की सूचना प्राप्त होने पर निरीक्षक आबकारी मय हमरा हियान के आर्य समाज रोड बीयर की दुकान पर पहुंच गये। दुकान पर मौजूद विक्रेता ने अपना नाम बाबुल राम निवासी डुमरी थाना दुबहड़ और दुकान मैनेजर प्रीतम कुमार चौरसिया पुत्र कुंज बिहारी चौरसिया निवासी पीपरपाती थाना बांसडीहरोड बताया। दुकान की चेकिंग में अलट्रामैन्स बीयर की 120 केन, हैवर्ड 500 बीयर की 370 केन, हैवर्ड 10000 बीयर की 192 केन, ओल्ड मंक बीयर की 216 केन, अमेस्टेल बीयर की 92 केन, कार्ल्सवर्ग बीयर की 72 केन, किंगफिसर बीयर की 58 केन, बडवाईजर बीयर की 100 केन इस प्रकार कुल 1220 केन एक्सपायर्ड बीयर मिली।

01 जून, 2024 को घर से बाहर निकलकर पूरी ईमानदारी से मतदान करने की अपील

जनपद में जगह-जगह चलाया जा रहा है मतदाता जागरूकता अभियान

केटी न्यूज/गाजीपुर

लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 अन्तर्गत चलाये जा रहे स्वीप कार्यक्रम के अनतर्गत मतदाता जागरूकता जनपद में चलाया जा रहा है एक-एक व्यक्ति को 01 जून, 2024 को घर से बाहर निकलकर अपने पूरी ईमानदारी से अपने मतदान का प्रयोग करेगे चाहे वो 80 वर्ष से उपर के व्यक्ति हो या दिव्यांग हो व 18 वर्ष पूर्ण कर चुके हो की दशा में व्यक्ति मतदान का प्रयोग करेगें। डीएम आर्यका अखौरी के निर्देशन मे चलाये जा रहे मतदाता जागरूकता अभियान के अन्तर्गत परिषदीय विद्यालयों-महा विद्यालयो के तहत जिला स्वीप को आर्डिनेटर के नेतृत्व में चुनावी पाठशाला का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें सांस्कृतिक कार्यक्रम, नित्य कार्यक्रम, नाटक नुक्कड़ एवं कलश के माध्यम से मतदाताओं को मतदान करने के लिए प्रेरित लगातार किया जा रहा है। जिस क्रम में श्रीकृष्ण इंटर कॉलेज डेढगॉवा, श्रीराम सूरत सिंह इण्टर कालेज, राजकीय हाईस्कूल रेवतीपुर में मतदाता जागरूकता रैली निकाली गयी। बैजनाथ इंटर कालेज में मतदाता जागरूकता उत्सव मनाया गया, राजकीय हाईस्कूल भिक्केपुर मे छात्राओं द्वारा प्रस्तुत लोक नृत्य के माध्यम से मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया, राजकीय बालिका इंटर कालेज सैदपुर में मतदाता जागरूकता रैली तथा पोस्टर बैनर से जागरूक किया गया, राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय में निर्वाचन साक्षरता क्लब गतिविधि, मतदाता जागरूकता वर्कशॉप का आयोजन किया गया। हिन्दू पीजी कॉलेज जमानियां में निर्वाचन साक्षरता क्लब गतिविधि, मतदाता हस्ताक्षर कार्यक्रम, किया गया, सत्यदेव कॉलेज गाजीपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना निर्वाचन साक्षरता क्लब गतिविधि, निबंध लेखन प्रतियोगिता एवं मतदाता शपथ, महात्मा गांधी शती स्मारक कॉलेज गरूआ मकसूदपुर जमानियां में निर्वाचन साक्षरता क्लब गतिविधि, मतदाता जागरूकता रैली एवं मतदाता शपथ कार्यक्रम, सत्यदेव डिग्री कालेज में निबंध प्रतियोगिता एवं मतदाता शपथ कार्यक्रम, राजकीय सिटी इण्टर कालेज में मतदाता जागरूकता रैली, वाद-विवाद, निबंध लेखन कार्यक्रम, किया गया। जिसमे लोगो को आगामी 01 जून, 2024 को पूरे जोर शोर से मतदान करने के लिए जागरूक किया।

रिमोट सेंसिंग तकनीक देता है भूस्खलन की जानकारी: डा. प्रकाश सिंह

♦ ब्रह्मांड की घटनाओं का थर्मामीटर है जीपीएस: डॉ. आरपी सिंह

केटी न्यूज/जौनपुर

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय स्थित रज्जू भैया संस्थान के अर्थ एंड प्लेनेटरी साइंसेज विभाग में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय भारत सरकार द्वारा प्रायोजित कार्यशाला में शनिवार को प्रथम सत्र में इलाहाबाद विश्वविद्यालय के डा. प्रकाश कुमार सिंह ने भूस्खलन त्रासदी एवं उससे संबंधित विभिन्न घटनाओं के बारे में विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि भारत एवं पड़ोसी देशों में हिमालयी परिक्षेत्र में भूस्खलन की घटनाएं प्रायः होती रहती हैं जिसका प्रमुख कारण पहाड़ों को काटकर बनने वाले रास्ते हैं। उन्होंने जोशी मठ में जमीन दरकने एवं सिल्कयारा - बारकोट सुरंग के धंसने की घटनाओं एवं उसके कारणों के बारे में विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि नार्वे देश में पहाड़ी इलाकों में ओपन रोड से ज्यादा सुरंग के माध्यम से आवागमन को वरीयता दी जाती है जिससे वहां पर भूस्खलन आदि की घटनाएं भारत एवं पड़ोसी देशों की अपेक्षा बहुत ही कम है। उन्होंने कहा

कि आज के समय में रिमोट सेंसिंग तकनीकी की मदद से भूस्खलन एवं अन्य आपदाओं के परिपेक्ष्य में अर्ली वार्निंग सिस्टम डेवेलप करने में मदद मिल रही है जिस वजह से जनहानि एवं बचा जा सकता है। उन्होंने बताया कि हिमालय जैसे दुर्गम पहाड़ियों में जहां पर प्रत्यक्ष रूप से फील्ड करना संभव नहीं है वहां रिमोट सेंसिंग तकनीकी की उपयोगिता और भी बढ़ जाती है। एक अन्य सत्र में इलाहाबाद विश्वविद्यालय से आये अन्य विशेषज्ञ डा. आर पी सिंह ने जीपीएस नेविगेशन सिस्टम एवं उसके विभिन्न वैज्ञानिक आयामों पर विस्तार से चर्चा की । उन्होंने बताया कि जीपीएस सिस्टम ब्रह्मांड में होने वाली विभिन्न घटनाओं एवं उनकी वास्तविक स्थितियों - परिस्थितियों को जानने का थर्मामीटर है। आज के समय में नेविगेशन प्रणाली को बेहतर बनाने में एडवांस जीपीएस सिस्टम एवं रिमोट सेंसिंग तकनीकी का बड़ा योगदान है जिसका उपयोग भारत सहित विभिन्न देशों की सेनाओं एवं खुफिया एजेंसियों द्वारा बड़े पैमाने पर किया जा रहा है। रज्जू भइया संस्थान के निदेशक प्रोफेसर प्रमोद यादव ने बाह्य विशेषज्ञों का अंगवस्त्रम तथा स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। तकनीकी सत्रों का संचालन कार्यशाला के संयोजक डा. श्याम कन्हैया ने किया। इस अवसर पर अर्थ एंड प्लेनेटरी साइंसेज के विभागाध्यक्ष डॉ नीरज अवस्थी, डा. शशिकांत यादव, डा. सौरभ सिंह, डा. नितेश कोन्टे, डा. पुनीत धवन, डा. धीरेन्द्र चौधरी एवं सभी प्रतिभागियों सहित विभाग के विद्यार्थियों की उपस्थिति रही।

एक नजर

सपा विधायक व भाई के खिलाफ एफआईआर कराने वाली महिला की नातिन लापता, अगवा की आशंका

कानपुर। जिले के सीसामऊ इलाके में समाजवादी पार्टी के विधायक इरफान सोलंकी और उसके भाई रिजवान सोलंकी के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाने वाली महिला नजीर फातिमा की नाबालिग नातिन गायब हो गई है। जिसके बाद इलाके में हड़कंप मच गया है। नाबालिग गुरुवार से ही लापता बताई जा रही है। पुलिस ने इस मामले में केस दर्ज कर लिया है। मामले की जांच की जा रही है। नाजिर फातिमा ने ही सपा विधायक इरफान सोलंकी और उसके भाई के खिलाफ घर में आगजनी कर उसकी जमीन पर कब्जा करने का आरोप लगाया था। जिसके बाद से इरफान सोलंकी जेल में बंद है। इस बीच महिला की नातिन गायब होने से पुलिस के भी होश उड़ गए हैं। परिजनों के मुताबिक उन्होंने हर जगह लड़की को खोजबीन की लेकिन उसका कही कुछ पता नहीं चल पाया है। इधर परिजनों को रो-रोकर बुरा हाल है।पिता ने इस मामले में स्थानीय थाने में तहरीर दी है। पिता की शिकायत पर पुलिस ने लड़की के अपहरण का केस दर्ज कर लिया हैं. पुलिस आगे की विधिक कार्रवाई में जुट गई है। दरअसल ये मामला इसलिए और गंभीर हो जाता है कि नाबालिग बच्ची, सपा विधायक इरफान सोलंकी के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाने वाली नजीर फातिमा की नातिन है। नजीर फातिमा ने 8 नवंबर 2022 को जाजमऊ थाने में सपा विधायक के खिलाफ आगजनी की शिकायत दर्ज कराई थी। महिला द्वारा शिकायत में आरोप लगाया गया है कि 7 नवंबर 2022 की रात उसका परिवार एक शादी समारोह में गया था, तभी इरफान सोलंकी और उसके भाई ने अपने साथियों के साथ मिलकर उसके घर में आग लगा दी। ताकि उसकी जमीन पर कब्जा कर सके। इरफान सोलंकी पिछले डेढ़ साल से यूपी की महाराजगंज जेल में बंद है। बीते गुरुवार इस मामले में फैसला आना था, लेकिन अब छह अप्रैल को फैसला आने की उम्मीद है। इस पिछली पेशी पर आए इरफान सोलंकी ने भी खुद के एनकाउंटर होने का डर जताया हैं।

गर्मी में फिर रुलाएगी बिजली, 50 फीसदी भी पूरा नहीं हुआ मरम्मत कार्य

प्रयागराज। गर्मी में शहरी क्षेत्र में 24 घंटे बिजली आपूर्ति का दावा इस वर्ष भी सफल होता नहीं दिख रहा है। कई उपकेंद्रों पर बिजली तार, ट्रांसफॉर्मर और उपकेंद्रों पर उपकरणों का मरम्मत कार्य अधूरा है। उपकेंद्रों पर तैनात अधिकारियों का मानना है कि बिजली विभाग के स्टोर से मरम्मत का सामान नहीं मिलने की वजह से निर्धारित समय से मरम्मत का कार्य नहीं हो पाया। आलम यह है कि कई उपकेंद्रों पर बमुश्किल 50-60 फीसदी ही मरम्मत कार्य पूरा हो सका है। समस्या को देखते हुए हाल ही में जोन कार्यालय से शहरी सर्किलों को धनराशि जारी कर सामान मंगाने और उपकरणों की मरम्मत काम पूरा करने का निर्देश दिया गया है। पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड की ओर से 29 फरवरी तक ग्रीष्मकालीन तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए गए थे। जिसमें जर्जर बिजली के तार बदलने, ट्रांसफॉर्मरों का मरम्मत करने के साथ ही तेल बदलने, कंडक्टर, लग, इंसुलेटर, फ्यूज आदि का मरम्मत करने के लिए कहा गया था। अधिकांश उपकेंद्रों को विभागीय स्टोर से मरम्मत का सामान नहीं मिल पाने से मार्च के अंतिम दिनों तक मरम्मत कार्य पूरा नहीं हो सका है। जिसकी वजह से गर्मी में एक बार फिर से उपकरणों में खराबी आने की वजह से शहरियों को अघोषित बिजली कटौती की सामान करना पड़ सकता है। अधीक्षण अभियंता भरत सिंह ने बताया कि बिजली उपकरणों के मरम्मत का सामान मंगाने का कार्य प्रक्रिया में है। जल्द ही मरम्मत कार्य पूरा करा लिया जाएगा।

राजनीतिक दलों की उपस्थिति में जिलाधिकारी ने वेयरहाउस का किया वाह्य निरीक्षण

मऊ । भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के क्रम में जिला निर्वाचन अधिकारी/जिला अधिकारी प्रवीण मिश्र ने ईवीएम/वीवीपैट वेयरहाउस का राजनीतिक दलों की प्रतिनिधियों की उपस्थिति में वाह्य निरीक्षण किया। इस दौरान जिलाधिकारी ने वेयरहाउस के चारों तरफ लगाए गए सीसीटीवी कैमरो की सक्रियता, कंट्रोल रूम,कक्षवार विद्युत आपूर्ति,खिड़कियों एवम् रोशनदानों को सुरक्षित रखने के उपायो सहित अन्य बिंदुओं का गहन निरीक्षण किया। उन्होंने वेयरहाउस के बाहर लगाए गए सीसीटीवी कैमरो के माध्यम से वाह्य सुरक्षा व्यवस्था की अनवरत निगरानी करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को ईवीएम/वीवीपैट वेयरहाउस की सुरक्षा के दृष्टिगत भारत निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए।

खबरें फटाफट

पूर्वांचल एक्सप्रेस वे पर टायर फटने से सफारी कार पलटी, एक की मौत, चार घायल

मऊ । जनपद के मुहम्मदाबाद गोहना कोतवाली क्षेत्र में पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर सुरहूरपुर गांव के पास सफारी गाड़ी अनियंत्रित होकर पलट गई। दुर्घटना में गाड़ी में बैठे 40 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। जबकि हादसे में चार लोग गंभीर रुपसे घायल हो गए। जानकारी के अनुसार सफारी कार में सवार कुछ लोग गाजीपुर से बिलरियागंज आजमगढ़ जा रहे थे।। कार मुहम्मदाबाद गोहना कोतवाली क्षेत्र के 265 किमी पॉइंट पर पहुंची ही थी कि गाड़ी का टायर फट गया। जिसके कारण सफारी कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर को तोड़ते हुए पलट गई। कार में बैठे हुए 40 वर्षीय ओबैदुर्रहमान पुत्र ताहिर जमाल थाना बिलरियागंज जनपद आजमगढ़ की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि गाड़ी में बैठे 55 वर्षीय जावेद, 28 वर्षीय ओवैदुर एवं दो अन्य घायल हो गए। मौके पर पहुंचे कोतवाल धर्मेंद्र कुमार सिंह ने घायलों को एंबुलेंस से अस्पताल भेजवाया और पीड़ित परिवार को जानकारी दी।

आबकारी के साथ छापेमारी करेगा जीएसटी विभाग

प्रयागराज। फॉरच्यून और दूसरे उत्पादों की आड़ में शराब की तस्करी पर रोक के लिए विभाग ने गंभीर कदम उठाया है। चुनाव के मद्देनजर जारी निर्देश के बाद रेडीमेड कपड़ा, इलेक्ट्रानिक सामान, ज्वेलरी आदि परिवहन विभाग के रडार पर है। बता दें कि लोकसभा चुनाव में शराब की तस्करी पर रोक लगाने में जीएसटी के अधिकारी आबकारी विभाग के साथ मिलकर काम करेंगे। शासन से जारी निर्देश में कहा गया है कि फॉरच्यून, स्क्रैब और अन्य वस्तुओं की आड़ में शराब की तस्करी करने की शिकायत मिल रही है। इसलिए आगामी लोकसभा चुनाव को देखते हुए अंतरराज्यीय मदिरा की तस्करी पर रोक लगाने के लिए विभाग टीम गठित करे और आबकारी विभाग के साथ समन्वय बनाकर कार्रवाई करे।

भाजपा के 45 वां स्थापना दिवस के अवसर जौनपुर के सभी बूथों पर कार्यक्रम आयोजित

भाजपा आज मोदी शाह की जोड़ी के साथ 400 पार की तरफ बढ़ रही है: सुरेंद्र प्रताप

♦ सीमा द्विवेदी ने कहा कि जनता पार्टी के विघटन के बाद भाजपा बनी, जनसंघ के दूसरा रूप भाजपा है और इन 45 सालों में भाजपा 2 से 400 की तरफ बढ़ रही

केटी न्यूज/जौनपुर

भारतीय जनता पार्टी का 45 वां स्थापना दिवस मनाया जा रहा है। भाजपा कार्यकर्ता जिले में सभी बूथों पर जाकर भाजपा सरकार की उपलब्धियां जनता को गिनाएंगे। इसी क्रम मे शनिवार को भाजपा कार्यालय पर जिला अध्यक्ष पुष्पराज सिंह के अध्यक्षता मे स्थापना दिवस पर समारोह आयोजित की गई। सर्वप्रथम पार्टी के पुरोधा डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम की सुभारम्भ की गई। तत्पश्चात सभी कार्यकताओं के द्वारा बंदे मातरम का गीत गाया गया।

राज्यसभा सदस्य सीमा द्विवेदी ने कार्यकताओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि जनता पार्टी के विघटन के बाद भाजपा बनी, जनसंघ के दूसरा रूप भाजपा है और इन 45 सालों में भाजपा 2 से 400 सीट की तरफ बढ़ रही है। किसी ने सोचा भी नहीं होगा कि एक दिन भाजपा को देश की जनता का प्रचंड बहुमत मिलेगा, लेकिन नरेंद्र मोदी नाम ने ये सब कर दिखाया। भाजपा न केवल देश मे स्पष्ट बहुमत वाली सरकार बनी बल्कि देश की सबसे बड़ी पार्टी के रूप में निकल कर सामने आई। पार्टी के प्रत्याशी कृपाशंकर सिंह ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के बाद पार्टी के सफर को अटल बिहारी वाजपेयी ने आगे बढाया जिसके बाद लालकृष्ण आडवाणी की बुलंद आवाज ने पार्टी को मजबूती दी। शुरूआत में पार्टी की छवि हिंदुत्ववादी पार्टी के रूप में उभरी, लेकिन बाद में बंगारू लक्ष्मण को पार्टी की कमान सौंप कर दलित वर्ग पर भी बड़ी छाप छोड़ी। इस बीच 6 दिसंबर 1992 में बाबरी मस्जिद विध्वंस की खबर ने देश की जनता को चौंका दिया और कांग्रेस के साथ अब भाजपा भी जनता को विकल्प नजर आने लगी और आज जब राम मंदिर बन गया तो भाजपा 400 सीट के नारा के साथ आज तीसरी बार मोदीजी की सरकार बनने जा रही है।

पूर्व जिलाध्यक्ष हरिश्चंद्र सिंह ने कहा कि 6 अप्रैल 1980 को भारतीय जनता पार्टी की स्थापना हुई। देश भर में कांग्रेस के माहौल के बीच जनसंघ से निकली भारतीय जनता पार्टी का सफर आसान नहीं था ₹इस दीपक में तेल नहीं, सरकार बनाना कोई खेल नहीं₹ जनसंघ के चुनाव चिन्ह के बारे में ये नारा लगा जो कि उसके नए रूप भाजपा का 1984 तक पीछा करता रहा जब पार्टी को महज दो सीटें मिली थी दीनदयाल उपाध्याय और श्यामा प्रसाद मुखर्जी के विचारों से आगे बढ़ी पार्टी ने आज वो फतह हासिल कर ली है जो कि अपने आप में एक अलग इतिहास बनाती है।

पूर्व जिलाध्यक्ष अशोक श्रीवास्तव ने कहा कि आज भाजपा देश के अधिकतर राज्यों में काबिज है, तो दुनिया की सबसे ज्यादा सदस्य वाली पार्टी का तमगा भी उसके नाम है। उन्होंने कहा कि 6 अप्रैल 1980 को दिल्ली के तालकटोरा में जिस संकल्प के साथ जनसंघ से भारतीय जनता पार्टी की स्थापना हुई वह संकल्प पूरा देश साकार होता हुआ देख रहा है।

पूर्व जिलाध्यक्ष सुशील उपाध्याय ने कहा कि अटल-आडवाणी कमल निशान का नारा भले ही अब बदल गया हो, लेकिन इस सफर में अटल आडवाणी योगदान को दुनिया नहीं भुला पाएगी वर्तमान परिदृश्य को देखते हुए नरेंद्र मोदी और अमित शाह की जोड़ी ने बीजेपी को विश्व की सबसे पड़ी पार्टी के रूप में न केवल खड़ा किया बल्कि उस रिकॉर्ड की तरफ इस बार 2024 के लोकसभा चुनाव में बढ़ने की कोशिश कर रही है जो कभी एक वक्त कांग्रेस के पास था।

पूर्व विधायक सुरेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी अपने नीति से कभी समझौता नहीं करती है। अटल-आडवाणी की जोड़ी के समय दो से शुरू हुई भारतीय जनता पार्टी आज मोदी शाह की जोड़ी के साथ 400 पार की तरफ बढ़ रही है। इस पार्टी पर देश के हर नागरिक को भरोसा है और यही भरोसा हमें इस बार भी चुनाव में जीत दिलाने के लिए काम आएगा।

जिला अध्यक्ष पुष्पराज सिंह ने सभी कार्यकताओं को धन्यवाद देते हुए कहा कि अंधेरा छटेगा, सूरज निकलेगा, कमल खिलेगा की बात कहने वाले भारत रत्न अटल विहारी वाजपेयी आज दुनिया में भले ही नहीं हैं, लेकिन उनकी मेहनत से खड़ी हुई पार्टी दुनियाभर में सिरमौर बनी हुई है। भाजपा ने अपने गठन के साथ लगातार मजबूती ली 1984 में पार्टी को लोकसभा में महज दो सीटें मिलीं, लेकिन उसके पांच साल बाद 1989 में 85 सीटें हासिल की 1991 में फिर चुनाव हुए जिसमें 120 सीटें हासिल की, 1996 में पार्टी को और मजबूती मिली और 161 सीटें हासिल की. 1998 में 182 तो 2014 आते आते बीजेपी ने अपने बूते पर स्पष्ट बहुमत की सरकार बना ली. 2019 लोकसभा चुनाव में पीएम मोदी के चेहरे पर 303 सीटों के साथ प्रचंड बहुमत से फिर से सत्ता में लौटी तो उधर, प्रमुख विपक्षी पार्टी को प्रतिपक्ष का दर्जा तक नहीं मिला पार्टी अब हिंदी भाषी राज्यों के साथ साथ पूर्वी राज्यों में भी पैठ बना चुकी है 2024 लोकसभा चुनाव के रण के बीच में बीजेपी 45 वां स्थापना दिवस मना रही है बीजेपी इस बार मिशन 400 पार लक्ष्य लेकर चल रही है।

कार्यक्रम का संचालन सुशील मिश्रा ने की। उक्त अवसर पर पीयूष गुप्ता अमित श्रीवास्तव सुनील तिवारी सुधाकर उपाध्याय संदीप सरोज अवधेश यादव उमाशंकर सिंह रामसूरत मौर्य सुनील यादव संजय सिंह ओमप्रकाश सिंह विपिन द्विवेदी प्रभात श्रीवास्तव रवीश पाण्डेय राम सिंह मौर्य आमोद सिंह रोहन सिंह शिद्दार्थ राय हरसू पाठक सरस गौड़ परविंदर चौहान जसविंदर सिंह प्रबुद्ध दुबे आदि उपस्थित रहे।

सीएमओ डॉ लक्ष्मी सिंह ने स्वास्थ्य केंद्र का किया निरीक्षण

जौनपुर। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 लक्ष्मी सिंह ने जनपद के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मछली शहर का भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान उन्होंने टीकाकरण एवं संचारी रोग नियंत्रण अभियान की प्रगति का स्थलीय निरीक्षण भी किया।

इस दौरान उन्होने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर सरायबीका का भी निरीक्षण किया। हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर पर साफ सफाई अच्छी थी एवं सभी दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता भी थी। उन्होंने पास की मुसहर बस्ती का भ्रमण किया जहां टीकाकरण से इनकार के परिवार थे। ऐसे परिवारों को मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने टीकाकरण

हेतु प्रेरित किया। मुख्य चिकित्साधिकारी ने सरायविका, घीसुआ खुर्द में संचारी रोग अभियान की भौतिक प्रगति के विषय में जानकारी लिया। उपरोक्त ग्रामों में साफ सफाई, झाड़ी की कटाई, नाली की सफाई का कार्य संतोष जनक नहीं था। इस संबंध में उन्होंने निर्देशित किया कि सभी ब्लॉक स्तरीय अधिकारी जैसे प्रभारी चिकित्सा अधिकारी, खंड विकास अधिकारी अभियान का लगातार अनुसरण करें एवं ग्राम विकास अधिकारी, सचिव तथा सफाई कर्मी इत्यादि को माइक्रो प्लान के अनुरूप समस्त गतिविधियां कराए जाने हेतु निर्देशित करें जिससे कि संचारी अभियान के दौरान जनपद की रैंकिंग अच्छी रहे तथा सभी विभाग अपने दिए गए दायित्वों / गतिविधियों का शत प्रतिशत संपादन कराएं।

1962 में सांसद ने संसद में जब पूर्वांचल की बदहाली का शब्द-चित्र खींचा उस समय रोयी थी पूरी संसद

सात वर्षों में पूर्वांचल के माथे से धुल गया पिछड़ेपन का दाग

♦ सात साल के दौरान योगी आदित्यनाथ की अगुवाई में बहुत कुछ बदल गया

केटी न्यूज/गोरखपुर

यूं तो पूरे उत्तर प्रदेश पर प्रकृति और परमात्मा की असीम अनुकंपा है। पर हिमालय की तराई में बसे पूर्वांचल पर खास तौर पर। इन संभावनों से अंग्रेज भी वाकिफ थे। यही वजह थी कि उन्होंने इस पूरे क्षेत्र में इतनी चीनी मिलें लगाई कि यह देश ही नहीं पूरी दुनिया में चीनी के कटोरे के रूप में मशहूर हो गया। पर आजादी के बाद राजनीतिक उपेक्षा की वजह से उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल से विकास का सूरज क्रमशः अस्त होता गया। उपेक्षा भी इस कदर कि 1962 में गाजीपुर के सांसद विश्वनाथ गहमरी ने संसद में जब पूर्वांचल की बदहाली का शब्द-चित्र खींचा उस समय उनके समेत पूरी संसद रोयी थी। तब पूर्वांचल की बेहतरी के लिए वादे तो बहुत किए गए थे। एक आयोग का भी गठन हुआ था, पर हुआ कुछ नहीं। एक-एक कर चीनी मिलें

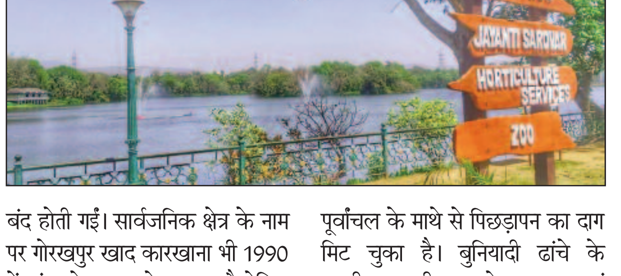

बंद होती गईं। सार्वजनिक क्षेत्र के नाम पर गोरखपुर खाद कारखाना भी 1990 में बंद हो गया। गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण (गीडा) और नोएडा की स्थापना एक ही मकसद से एक ही साथ हुई थी। पर दोनों के विकास में जमीन-आसमान का अंतर था। पर ये सारी बातें अब इतिहास होने लगीं हैं। सात साल के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अगुवाई में बहुत कुछ बदल गया है। बतौर सांसद उन्होंने गोरखपुर को केंद्र मानकर पूर्वांचल के विकास के बाबत जो सोचा था संकल्पना की थी। उसे साकार कर साबित किया कि उनमें कल्पना के साथ उनको साकार करने का माद्दा भी है। लगातार जारी बदलावों के नाते अब पूर्वांचल के माथे से पिछड़ापन का दाग मिट चुका है। बुनियादी ढांचे के सुदृढ़ीकरण की बात हो, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा क्षेत्र के कायाकल्प, शिक्षा क्षेत्र के हब या फिर औद्योगिक वातावरण के सृजन की, हरेक क्षेत्र में पूर्वी उत्तर प्रदेश पश्चिमी यूपी से तालमेल करते दिख रहा है। पूर्वांचल एक्सप्रेसवे, गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे, बलिया लिंक एक्सप्रेसवे समेत सिक्स और फोर लेन सड़कों के संजाल ने इस पिछड़े इलाके की सीधी और सुगम पहुंच प्रदेश और देश की राजधानी तक हो गई है। जबकि सात साल पहले इसी क्षेत्र में लचर रोड इंफ्रास्ट्रक्चर से बाहर के लोग यहां आने से कतराते थे। सरकार ने इस क्षेत्र के एयर कनेक्टिविटी को भी फर्श से अर्श पर पहुंचा दिया है। कुशीनगर में इंटरनेशनल एयरपोर्ट होगा,आजमगढ़ में भी हवाई अड्डा होगा यह कल्पना से परे था।

पूर्वी उत्तर प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं का पुरसाहाल नहीं था। उस पर 1978 में दस्तक देने वाली इंसेफेलाइटिस ने हर साल हजारों नौनिहालों को लीलना शुरू कर दिया। मरीजों के बोझ और संसाधनों के अभाव में इलाज का एकमात्र केंद्र गोरखपुर का बीआरडी मेडिकल कॉलेज खुद ही बीमार हो गया था। इंसेफेलाइटिस के अलावा डेंगू, कालाजार, हैजा जैसी बीमारियों का तांडव अलग था। यह सिलसिला 2016 तक बदस्तूर जारी रहा। बीते सात वर्ष में स्वास्थ्य व चिकित्सा क्षेत्र में न केवल आमूलचूल परिवर्तन आया है बल्कि यह इलाका खुद में मेडिकल हब के रूप में विकसित हो चुका है। सरकार ने पीएचसी स्तर पर इंसेफेलाइटिस ट्रीटमेंट सेंटर बनाकर इस बीमारी पर 95 प्रतिशत तक काबू पा लिया है। इससे बीआरडी मेडिकल कॉलेज पर बोझ कम हुआ, साथ ही यहां सुपर स्पेशियलिटी ब्लॉक की भी सुविधा उपलब्ध है। हर जिले को मेडिकल कॉलेज की सौगात मिली है।

पूर्वांचल की अर्थव्यवस्था पूरी तरह कृषि आधारित रही है। यहां गन्ने की प्रचुर खेती के कारण ही इसे चीनी का कटोरा कहा जाता था। पर, हुक्मरानों की उपेक्षा के कारण चीनी मिलें एक एक कर बंद होने लगीं। कुछ को सरकारों ने औने पौने दामों पर बेचना शुरू कर दिया। मिलों पर किसानों का करोड़ों बकाया हो गया। परिणामस्वरूप गन्ने की खेती घाटे का सौदा हो गई। योगी सरकार ने न केवल बस्ती जिले के मुंडेरवा और गोरखपुर के पिपराइच में हाईटेक चीनी मिलें खोलीं बल्कि आजमगढ़ की चीनी मिल की क्षमता का विस्तार किया। किसानों के हित में ही गोरखपुर में दशकों से बंद खाद कारखाने की जगह दोगुनी क्षमता का नया कारखाना शुरू हो गया है। किसानों की बड़ी समस्या सिंचाई की रही है। इसके लिए सरयू नहर राष्ट्रीय परियोजना पूर्वी उत्तर प्रदेश के किसानों को समर्पित कर दी गई है।

सुभाषितम्

हमे नई परिस्थितियों में नई सोच के सात काम करना चाहिए।

- अब्राहम लिंकन

कांग्रेस का न्याय पत्र 2024, घोषणा पत्र में 5 न्याय और 25 गारंटियाँ

लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस पार्टी ने अपना चुनावी घोषणा पत्र जारी कर दिया है। इस घोषणा पत्र में कांग्रेस ने 10 न्याय और 25 गारंटी मतदाताओं को दी हैं। कांग्रेस ने युवाओं को रिझाने के लिए पक्की नौकरी, 100000 रुपए का स्टाइफंड देने, 30 लाख सरकारी नौकरियों के रिक्त पदों को भरने की घोषणा की है। 14 लाख अतिरिक्त नौकरियां देने का वादा भी किया है। पेपर लीक जैसे मामले में मुआवजा देने की बात कर युवाओं को लुभाया गया है। कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में 2025 के चुनाव से महिलाओं को आरक्षण देने की बात कही है। महिलाओं को 50 फीसदी नौकरी में आरक्षण का लाभ 2025 से देने का वादा, भारतीय महिला बैंक तथा प्रत्येक गरीब परिवार को 100000 रुपए वार्षिक की आर्थिक सहायता का वायदा कर महिलाओं को अपनी ओर आकर्षित किया है। कांग्रेस जातिय जनगणना कर एसटी, एससी, ओबीसी और गरीब सामान्य वर्ग के लिए आरक्षण में जो अभी 50 फीसदी की सीमा है, उसको हटाकर सभी वर्गों को आर्थिक आधार पर आरक्षण देने की बात कही है। भूमिहीनों को जमीन देने, संविदा कर्मियों को नियमित करने, वरिष्ठ नागरिकों को रेल एवं सड़क मार्ग की यात्रा पर किराए में छूट ?1000 मासिक की पेंशन तथा अल्पसंख्यकों के अधिकार सुनिश्चित किए जाने की बात की है। कांग्रेस पार्टी ने अपने घोषणा पत्र में भाजपा की वाशिंग मशीन की जांच और दल बदल कानून में सुधार करने की घोषणा की है। चुनावी बांड के माध्यम से भाजपा द्वारा जो चंदे का धंधा किया गया है, उसकी जांच करने के साथ-साथ, नोटबंदी, राफेल, पेगासस स्पाइवेयर की जांच कराने की बात भी अपने घोषणा पत्र में कही है। कांग्रेस ने जो घोषणा पत्र जारी किया है, उससे भाजपा और मोदी सरकार की मुसीबतें बढ़ेंगी, इतना तो तय है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि वह घोषणा पत्र के स्थान पर संकल्प पत्र लाएंगे। प्रधानमंत्री निरंतर अपने चुनावी भाषण में गारंटी पर गारंटी देने की बात कर रहे हैं, लेकिन अब स्थितियां बदल चुकी हैं। 2014 और 2019 के लोकसभा चुनाव में मोदी के नाम की हवा चल रही थी। मोदी की आंधी के आगे सब धराशाई हो रहे थे। 2014 के लोकसभा चुनाव और 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा और मोदी को इसका लाभ मिला। जो गारंटी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दी थी। अच्छे दिन लाने, महंगाई कम करने, काला धन खत्म होगा तो सभी के खाते में 15 लाख आएंगे, 5 साल का वक्त मांगा था यह सभी गारंटी जमीन पर नहीं उतरी हैं। सब हवा हवाई होकर रह गई हैं। गरीब और मध्यम वर्ग के मतदाता महंगाई, बेरोजगारी और भाजपा द्वारा जो नए-नए सपने मतदाताओं को दिखाए जाते हैं। भाजपा पुराने दिखाए हुए सपने भूल जाती है। अब उन सपनो का कोई असर होता मतदाताओं के बीच नहीं दिख रहा है। 2024 के लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के लिए चुनौतियां बढ़ गई हैं। कांग्रेस के पप्पू राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा और भारत जोड़ो न्याय यात्रा के माध्यम से आम जनमानस के बीच में संपूर्ण भारत में एक नई छवि बनाई है। जनता को उन पर विश्वास भी होने लगा है। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी, कि अब पूंजीवाद बनाम समाजवाद की नई लड़ाई 2024 के चुनाव में देखने को मिल रही है। मोदी गारंटी पर मोदी की गारंटी का वायदा अब असरकारी नहीं रहा। भ्रष्टाचार को लेकर भी अब जनता प्रभावित नहीं हो रही है। जिन नेताओं के ऊपर भाजपा ने भ्रष्टाचार के बड़े-बड़े आरोप लगाए। उन्हीं को भाजपा में शामिल कर लिया। इससे भाजपा की साख कम हुई है। भाजपा के कार्यकर्ता भी नाराज हुए हैं। आम जनता भी यह मानकर चलने लगी है, जब तक नेता विपक्षी दलों में रहते हैं, तब तक उनके ऊपर भाजपा भ्रष्टाचार के आरोप लगाकर जांच एजेंसियों से जांच कराने, और विपक्षी दलों के नेताओं को बदनाम किया जाता है। जब वह भाजपा में आ जाते हैं, तो उनकी जांच बंद कर दी जाती है।

चिंतन-मनन

विचारों की तरंगें

राजा की सवारी निकल रही थी। सर्वत्र जय-जयकार हो रही थी। सवारी बाजार के मध्य से गुजर रही थी। राजा की दृष्टि एक व्यापारी पर पड़ी। वह चन्दन का व्यापार करता था। राजा ने व्यापारी को देखा। मन में घृणा और ग्लानि उभर आई। उसने मन ही मन सोचा, यह व्यापारी बुरा है। इसे मृत्युदंड दे देना चाहिए। नगर-परिभ्रमण कर राजा महल में पहुंचा। मंत्री को बुलाकर कहा, मंत्रीवर! न जाने क्यों उस व्यापारी को देखकर मेरा मन उद्विग्न हो गया और मन में आया कि उसको मार डाला जाए। मंत्री ने कहा, राजन्! मैं सारी व्यवस्था करता हूं। मंत्री व्यापारी के पास गया। औपचारिक बातें हुई। व्यापारी ने कहा, मंत्रीजी! चन्दन का भाव प्रतिदिन कम होता जा रहा है। मेरे पास चन्दन का बहुत संग्रह है। लाखों रूपयों का घाटा हो रहा है। मन चिन्ता से भरा है। राजा के सिवाय चन्दन को कौन खरीदे? राजा भी क्यों खरीदेगा? यह तो मरणवेला में प्रचुर मात्रा में काम आती है। मैं घाटे से दबा जा रहा हूं। सच कहूं, आज जब राजा की सवारी निकल रही थी, तब राजा को देखकर मेरे मन में आया कि यदि आज राजा की मृत्यु हो जाए तो मेरा सारा चन्दन बिक जाए, अच्छे मूल्य में बिक जाए। मंत्री ने सुना। राजा के उदास होने और व्यापारी को मृत्युदंड देने की भावना के जागने का रहस्य समझ में आ गया। विचार संप्रमणशील होते हैं। वे बिना कहे दूसरे तक पहुंच जाते हैं। विचारों की रश्मियां होती हैं और तरंगें पूरे आकाशमण्डल में फैल जाती हैं और सम्बन्धित व्यक्ति के मस्तिष्क से टकराकर उसे प्रभावित करती हैं।

स्वास्थ्य रक्षा आमजन का भी दायित्व

- सुरेश सिंह बैस

भारत में आबादी के मुकाबले स्वास्थ्य सेवाओ की बहुत कमी है, स्वास्थ्य सेवांओ से यह तात्पर्य नहीं है कि केवल डाक्टरों की सुविधा ही, बल्कि डाक्टरों के आने वाली उन कई सहायक सेवाओं से है, जिसकी मदद से डाक्टर इलाज कर पाते हैं। वहीं चिकित्सा क्षेत्र में विकसित एवं विकासशील देश अरबों रुपए शोध कार्य पर खर्च कर रहे हैं। पर दुर्भाग्यपूर्ण तथ्य यह है कि जिन बीमारियों के लिए नयी-नयी दवाईयां खोजी जा रही हैं वे अमीरों की बीमारियां हैं, दिल संबंधी बीमारी, उच्च रक्त चाप, कैंसर, लिवर, किडनी प्रत्यारोपण और, सबसे बड़ी अमीरों की बीमारी है एड्स, । हर साल भारत सहित एशियाई देशों और अफ्रीका में लाखो व्यक्ति मलेरिया, कुपोषण, डायरिया, हैजा, डिहाईड्रेशन और टीकों एवं दवा के अभाव में दम तोड़ देते हैं, और इधर चिकित्सा विज्ञान प्लास्टिक सर्जरी के शोध करने में जुटा हुआ है। यहां यह भी गौर करने की बात है कि जिस तरह से कोरोना नामक महामारी 2019 में आई और लगभग 2024 में चली भी गई। इस? अनपेक्षित महामारी ने करोड़ों की संख्या में लोगों की जान ली थी।

स्वास्थ्य की महत्ता वर्षों पूर्व नेपोलियन बोनापार्ट ने समझकर ही यह कहा था कि अगर मुझे स्वस्थ्य माएं मिले तो मैं एक सुदृढ़ राष्ट्र का निर्माण कर सकता हूं। नेपोलियन की यह उक्ति आज भी प्रासंगिक है। किसी भी राष्ट्र के सुदृढ़ निर्माण में स्वस्थ्य मांएं और सुसंस्कृत महिलाओ की भूमिका सबसे अधिक महत्वपूर्ण होती है, क्योंकि वे ही तो आने वाली स्वस्थ्य पीढ़ी की जन्मदात्री हैं। संभवतः इसी सत्य को स्वीकार करते हुए भारत सहित प्रदेशों की सरकारों ने अपने वृहद स्वास्थ्य कार्यक्रम को क्रियान्वित किया है जिसके केंद्र में महिलाओं एवं बच्चों को रखा गया है, प्रदेशों की स्वास्थ्य क्षेत्र में देखा जाए तो पिछले वर्षों में कोई उल्लखनीय प्रगति नही हो पाई है। जैसे अविभाजित मध्यप्रदेश क्षेत्रफल की दृष्टि से भारत का सबसे बड़े राज्यों में है। 1991 की जनगणना के अनुसार यहां की कुल लगभग जनसंख्या 66135862 व्यक्ति मानी जाती है। लेकिन राज्य स्वास्थ्य और चिकित्सा सेवाओं की दृष्टि से अभी भी देश के अनेक राज्यों से काफी पिछड़ा है।

स्वास्थ्य और स्वास्थ्य सेवाओं की दृष्टि से मध्यप्रदेश राज्य के पीछे रह जाने के कारणों में यहां साक्षरता ,शिक्षा की कमी, आर्थिक पिछड़ापन, परिवहन के साधनों की न्यूनता और जनसंख्या में जनजाति संख्या का बाहुल्य है। 1981 के आंकड़ों के अनुसार राज्य में साक्षरता का प्रतिशत 27.87 था, जो देश के साक्षरता प्रतिशत से काफी कम है। गैर शिक्षित लोग अंधविश्वासी और जादू टोनों से बड़ी बड़ी बीमारियों का उपचार करते हैं। इससे स्वास्थ्य सेवाओं के लिए पर्याप्त मात्रा में धन नहीं जुट सका है। परिवहन की अपर्याप्त सुविधा के कारण मध्यप्रदेश में पर्याप्त संख्या में स्वास्थ्य केंद्र चिकित्सालय और औषधालय नहीं खुल सके हैं। राज्य की जनसंसवा में लगभग 22.97 प्रतिशत भाग अनुसूचित जन जातियों का है जो दुर्गम घने वनों और पहाड़ी क्षेत्रों में निवास करती है। इन क्षेत्रों में सरकार को स्वास्थ्य सेवाओं के विकास में अत्यंत कठिनाई का सामना करना पड़ता है। जनजाति के लोग सभ्य लोगों से मिलना जुलना पसंद नहीं करते हैं। वे अपना इलाज झाड़फूंक और जादू टोनों से करते है। अतः ऐसी स्थिति में यहां स्वास्थ्य सेवाओं का विकास अवरुद्ध रहा, फलतः मध्यप्रदेश देश के अन्य राज्यों की तुलना में स्वास्थ्य और स्वास्थ्य सेवाओं में काफी पीछे रह गया। क्या आपको पता है कि सारी दुनिया में रोज पचास हजार से ज्यादा बच्चे मौत के मुंह में जा रहे हैं। वजह अतिसार, निमोनिया, पानी की कमी, कुपोषण जैसी साधारण बीमारियां हैं। सारी दुनिया में हथियारों और फौज के खरचो के हिसाब को देखे तो पता चलेगा कि कई सौ करोड़ डालर रोज खर्च किए जा रहे हैं। हर दिन खर्च होने वाले ये करोड़ों डालर सिर्फ इसलिए कि हमारी दुनिया सुरक्षित रह सके। इसके दूसरी तरफ जिन लोगों के लिए इस दुनिया को बचाया जा रहा है, उनकी बेसमय मौत रोकने के लिए होने वाले खर्च फौजी खर्च के पासंग भी नहीं है। भारत जैसे तीसरी दुनिया के देश में हर वर्ष करीब बीस लाख शिशु अपना पहला जन्मदिन देखे बगैर मौत का ग्रास बन जाते हैं। क्या कारण है कि हमारे पास काफी हंद तक असमय मौत रोकने के चिकित्सकीय सुविधाओं के होने के बावजूद भी हम इन्हें रोकने में नाकामयाब हो रहे हैं। कारण है सामाजिक जागरुकता का अभाव। दरअसल समस्या ,कही यह है कि स्वास्थ्य को बीमारी से जोड़कर देखा जाता है तो कहीं बीमारी की गैर मौजूदगी स्वास्थ्य का लक्षण समझा जाता है, जबकि ऐसा नहीं है। एक स्वस्थ्य व्यक्ति का अर्थ मानसिक, शरीरिक, नैतिक रूप से उसका अपने वातावरण से सही संबंध होना है। स्वास्थ्य की इस पूरी परिभाषा की अनुपस्थिति बहुत सी समस्याओं को जन्म देती है। भारतीय संदभों में अपने भविष्य की सुरक्षा की जब हम बात करते हैं तो हमे स्वास्थ्य की इस परिभाषा और उसके सामजिक संदभों को केंद्र में रखना होगा। अपने मौजूदा हालात में तथ्यों को सिलसिलेवार देखें तो वे कुछ इस तरह से होंगे। भारत में रोज होने वाली मौतों का कारण है प्रमुख कुछ बीमारियां 1 गलघोंटू 2 काली खांसी 3 टेटनस 4 तपेदिक (टीबी) 5 पोलियो 6 खसरा (मीजल्स)। इन सभी रोगों से बचपन में टीकाकरण द्वारा बचाव हो सकता है। इन तथ्यों की रौशनी में एक बार फिर यदि बच्चों के भविष्य को देख तो तस्वीर उतनी स्याह नही रहती। यदि देश के बच्चों को टीके की सुविधा सामान्य रुप से मिलने लगे तो इससे बच्ची की मृत्युदर में कमी होगी। मृत्यु दर में कमी का अर्थ है कि माता पिता में बच्चों के भविष्य के प्रति विश्वास जागेगा और जन्मदर घटेगी, जन्मदर घटने के साथ वे बहुत सी बुनियादी सुविधाएं लोगों को मुहैया होने लगेगी जो अब तक उपलब्ध नहीं हैं। यह बातें जितनी संभव लगते हैं उतनी है नहीं एक वैज्ञानिक सत्य है की तरक्की का एक सीधा असर यह होता है की जनसंख्या पर अपने आप नियंत्रण हो जाता है। इसे वैज्ञानिक डेमोग्राफिक ट्रांजिशन कहते हैं। यदि टीकाकरण और सामान्य स्वस्थ लोगों तक पहुंचाने की कोशिश में यदि इस डेमोग्राफिक ट्रांजिशन की स्थिति में पहुंचते हैं तो एक बड़ा कदम होगा। सर्दी के अंत तक सबके लिए स्वास्थ्य की मुहीम हमारे देश में चलाई जा रही है। इसका पहला? मोर्चा टीकाकरण टीकाकरण ही है। इस मोर्चे पर पिछले दिनों काफी कार्य हुआ है। विभिन्न इलाकों में सत्तर से नब्बे प्रतिशत के बीच टीकाकरण होने लगा है। राष्ट्रीय टीकाकरण अभियान जो 1978 में प्रारंभ किया गया था आज तक की स्थिति तक आते-आते खासा काम कर चुका है। टीकाकरण और इस तरह के दूसरे अभियानों में जो दिक्कतें आती है वह सामाजिक अधिक होती हैं। हमारे देश में स्वास्थ्य और बीमारी जैसी बातें व्यक्तिगत या पारिवारिक समस्याएं समझी जाती है। सारी वैज्ञानिक समझ के बाद यदि लोगों का सोचने का रवैया नहीं बदलता तो सफलता संदिग्ध हो जाती है। जरूरत इस बात की है कि टीकाकरण जैसी बातों के हर पहलू पर गांव देहात तक के स्तर पर चर्चा हो। सारे देश में जानकारी का ऐसा वातावरण बने जो लोगों के सीखने के तरीकों में बदलाव लाए। दूसरी विडम्बना भी हमारे देश में मौजूत है। प्रायः यह देखते हैं कि हमारे देश में अमीरों के लिए बड़े बड़े अस्पताल हैं। छोटे छोटे शहरों में भी- प्राइवेट क्लीनिक और नर्सिंग होम खुले हुए हैं। इनमें चिकित्सा की आधुनिकतम सुविधाएं रहती है, साफ सफाई और सेवा सुश्रुषा पर ध्यान दिया जाता है।

कांटे की टक्कर में फंसी झुंझुनू लोकसभा सीट

- रमेश सर्राफ धमोरा

राजस्थान में हरियाणा बॉर्डर के पास स्थित झुंझुनू लोकसभा सीट जाटलैंड की हार्डकोर सीट मानी जाती है। इस सीट पर जाट मतदाताओं की बहुलता के चलते यहां 1996 से लगातार जाट प्रत्याशी ही चुनाव जीत रहा है। करीब 20 लाख 83 हजार मतदाताओं वाले इस क्षेत्र में झुंझुनू, मंडावा, फतेहपुर, नवलगढ, उदयपुरवाटी, पिलानी, सूरजगढ़ व खेतड़ी सहित कुल आठ विधानसभा क्षेत्र शामिल है। अब तक 17 बार हो चुके लोकसभा चुनाव में यहां से नो बार कांग्रेस, दो बार भाजपा, दो बार जनता पार्टी, एक बार स्वतंत्र पार्टी, एक बार जनता दल, एक बार आल इंडिया इंदिरा कांग्रेस (तिवारी) व एक बार आल इंडिया इंदिरा कांग्रेस (सेक्यूलर) का प्रत्याशी विजय रहा है। पूर्व केंद्रीय मंत्री शीशराम ओला यहां से लगातार पांच बार सांसद रहकर सबसे अधिक बार चुनाव जीतने का रिकॉर्ड बना चुके हैं। वही 1971 में कांग्रेस के शिवनाथ सिंह गिल ने उस समय देश के सबसे बड़े उद्योगपति परिवार के कृष्ण कुमार बिरला को हराकर एक नया इतिहास बनाया था। उस समय के चुनाव में यहां अमीर बनाम गरीब का नारा पूरे देश में चर्चित रहा था। 1952, 1957, 1962 में यहां से कांग्रेस के नेता व उद्योगपति राधेश्याम मुरारका जीते थे। 1967 में स्वतंत्र पार्टी के उद्योगपति राधा कृष्ण बिरला, 1971 में कांग्रेस के शिवनाथ सिंह गिल, 1977 में जनता पार्टी के कन्हैयालाल महला, 1980 में जनता पार्टी के ठाकुर भीम सिंह मंडावा, 1984 में कांग्रेस के कप्तान अयूब खान, 1989 में जनता दल के जगदीप धनखड़ (वर्तमान उपराष्ट्रपति), 1991 में कांग्रेस के कप्तान अयूब खान, 1996 में आल इंडिया इंदिरा कांग्रेस (तिवारी) के शीशराम ओला 1998 में आल इंडिया इंदिरा कांग्रेस (सेक्यूलर) के शीशराम ओला, 1999, 2004 व 2009 में कांग्रेस के शीशराम ओला, 2014 में भाजपा की संतोष अहलावत, 2019 में भाजपा के नरेंद्र कुमार खीचड़ विजय रहे हैं।

2024 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने पांच बार सांसद व केंद्र सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे शीशराम ओला के बेटे बृजेंद्र ओला को प्रत्याशी बनाया है। बृजेंद्र ओला झुंझुनू से लगातार चौथी बार विधायक है तथा राजस्थान सरकार में मंत्री व झुंझुनूं के जिला प्रमुख रह चुके हैं। 2014 में कांग्रेस ने उनकी पत्नी राजबाला ओला को प्रत्याशी बनाया था। मगर वह भाजपा की संतोष अहलावत से चुनाव हार गई थी। भाजपा ने यहां से पूर्व विधायक शुभकरण चौधरी को प्रत्याशी बनाया है। 2019 में भाजपा टिकट पर 3 लाख से अधिक वोटो से जीतने वाले नरेंद्र कुमार खीचड़ का पार्टी ने टिकट काट दिया है। नरेंद्र कुमार खीचड़ 2023 के विधानसभा चुनाव में मंडावा सीट पर हार गए थे।

झुंझुनू में भाजपा पिछले दो चुनाव से लगातार नए प्रत्याशियों को मैदान में उतार कर दोनों ही बार चुनाव जीता है। इस बार भी भाजपा ने अपना पुराना दांव आजमाते हुए सिटिंग सांसद का टिकट काटकर उदयपुरवाटी से एक बार विधायक रहे शुभकरण चौधरी को प्रत्याशी बनाया है। हालांकि पिछले विधानसभा चुनाव में भी शुभकरण चौधरी उदयपुरवाटी विधानसभा सीट पर कांग्रेस के भगवान राम सैनी से 417 वोटो से चुनाव हार गए थे। यहां से बसपा के एडवोकेट बंशीधर नरनोलिया सहित कुल 8 प्रत्याशी चुनावी मैदान में है। मगर मुख्य मुकाबला कांग्रेस और भाजपा में होने की संभावना जताई जा रही है। कांग्रेस व भाजपा दोनों ही दलों के प्रत्याशी अपने चुनाव प्रचार में लगे हुए हैं। 2023 के विधानसभा चुनाव में झुंझुनू लोकसभा के आठ में से 6 सीटों पर कांग्रेस प्रत्याशी चुनाव जीते थे। वहीं खेतड़ी व नवलगढ़ में भाजपा के प्रत्याशी चुनाव जीते थे। पिछले विधानसभा चुनाव का ट्रेंड देखे तो इस सीट पर कांग्रेस का पलड़ा भारी नजर आ रहा है। मगर कांग्रेस के नेताओं में आपसी गुटबाजी चरम पर है। यहां से कांग्रेस प्रत्याशी बृजेंद्र ओला प्रदेश की राजनीति में जहां सचिन पायलट गुट के माने जाते हैं। वहीं अन्य विधायक पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत गुट में शामिल है। जब तक जिले के सभी नेता एकजुट होकर चुनाव प्रचार में नहीं उतरेंगे तब तक कांग्रेस प्रत्याशी की स्थिति सुदृढ़ नहीं हो पाएगी। हालांकि कांग्रेस प्रत्याशी बृजेंद्र ओला के नामांकन के दौरान कांग्रेस के सभी विधायको व विधानसभा चुनाव में प्रत्याशी रहे नेता उनके साथ नजर आए थे। मगर अंदरूनी तौर पर जब तक सभी मन लगाकर प्रचार नहीं करेंगे तब तक कांग्रेस के पक्ष में रिजल्ट आना मुश्किल ही नजर आ रहा है। 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा के नरेंद्र कुमार को 738163 यानी 61.57 प्रतिशत मत मिले थे। वहीं कांग्रेस के श्रवण कुमार को चार लाख 35 हजार 616 यानी 36.33 प्रतिशत मत मिले थे। उस चुनाव में भाजपा के नरेंद्र कुमार ने कांग्रेस के श्रवण कुमार को 3 लाख 2 हजार 547 वोटो से हराया था। 2014 के लोकसभा चुनाव में भाजपा की संतोष अहलावत को 488181 यानी 48.90 प्रतिशत वोट मिले थे। वहीं कांग्रेस की राजबाला ओला को 254347 यानी 25.47 प्रतिशत वोट मिले थे। निर्दलीय प्रत्याशी डॉक्टर राजकुमार शर्मा को 206288 यानी 20.66 प्रतिशत वोट मिले थे। तब भाजपा की संतोष अहलावत ने कांग्रेस की राजबाला ओला को 233835 वोटो के अंतर से पराजित किया था। झुंझुनू सीट से कैप्टन अयूब खान 1984 व 1991 में कांग्रेस टिकट पर जीतने वाले राजस्थान के पहले व एकमात्र मुस्लिम सांसद रहे हैं। झुंझुनू से सांसद रहे कप्तान अयूब खान पीवी नरसिम्हा राव की सरकार में कृषि राज्य मंत्री, जगदीप धनखड़ वीपी सिंह की सरकार में संसदीय कार्य उपमंत्री, शीशराम ओला एचडी देवेगौड़ा की सरकार में उर्वरक राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार), इंद्रकुमार गुजराल की सरकार में जल संसाधन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार), मनमोहन सिंह की यूपीए वन सरकार में खान मंत्री व मनमोहन सिंह की यूपीए टू सरकार में श्रम मंत्री तथा लोकसभा में कांग्रेस संसदीय दल के उपनेता भी रहे थे। यहां से शीशराम ओला 5 बार ,राधेश्याम मुरारका तीन बार व कैप्टन अयूब खान दो बार सांसद रहे। बाकी अन्य सभी एक-एक बार ही सांसद रह पाए हैं।

श्रद्धांजलि: नज्म और गजल के जादूगर थे अनीस मेरठी!

-डॉ श्रीगोपाल नारसन

गलत पते के लिफाफे सा मुझको मत समझो, मुझे तलाश करो, मैं यहीं कहीं पर हूँ। ये पंक्तियां है रुड़की के महान शायर अनीस मेरठी की, जो हमें असमय ही छोड़कर चले गए है। उनका अचानक जाना मुझे अंदर तक झकझोर गया। उनकी तबीयत तो ऊपर नीचे होती रहती थी, लेकिन वे इसी तबियत खराब का बहाना कर चले जायेंगे, ऐसा कभी सोचा नही था। अनीस मेरठी शांत स्वभाव के धीरे बोलने वाले मीठे शायर थे। उनका मुझसे और मुझे उनसे एक विशेष ही लगाव था, जब भी उनका मुझसे मिलने का मन होता तो अपनी बेटी बुशरा से मुझे फोन कराते, मुझे भी बुशरा में एक बहन का प्यार झलकता और मैं अधिकार के साथ उन्हें बोल देता, अब्बू से मिलने तभी जाऊंगा, जब आप भी वहां मिलो, बुशरा सहज ही मान जाती और वाकई अपने घरेलू कामो को बीच मे ही छोड़कर अब्बू व मेरे लिए दौड़ी दौड़ी ससुराल से मायके चली आती। हिंदी में साहित्य में जहां बुशरा को महारथ हासिल है, वही उर्दू में अनीस मेरठी किसी गुरु या फिर उस्ताद से कम नही रहे। दूरदर्शन ने अनीस मेरठी का एक विशेष साक्षात्कार प्रसारित किया था, मेरे डिवाइन मिरर हिंदी चैनल पर भी उनसे उनके साहित्यिक अवदान की गई गई बातचीत खूब पसंद की गई। यह मेरा सौभाग्य है कि मुझे अनीस मेरठी का एक साक्षात्कार करने का अवसर उनकी 84 वर्ष की आयु में मिला। उन्ही के घर पर जब बातचीत का सिलसिला चला तो पता चला अनीस मेरठी नज्म और गजल विधा के जादूगर है, उनकी शायरी पर 2 पुस्तकें भी प्रकाशित हो चुकी है। बिजली विभाग में नोकरी करते हुए शायरी के क्षेत्र में आगे बढ़े अनीस मेरठी का कहना था कि शायरी में आदमी कभी मुकम्मल नही होता, जितना सीखता है उतना निखरता जाता है। वे कहते थे कि शायरी में उनके पिता के अलावा उनका कोई उस्ताद नही रहा। उनका यह भी कहना था कि कोई भी शख्स एक अच्छा शायर तभी हो सकता है, जब वह एक अच्छा इंसान हो, क्योंकि शायरी के लिए सबसे पहले एक अच्छा इंसान होना जरूरी है। सन 1936 में जन्मे अनीस मेरठी सन 1947 में आजादी मिलने के समय कक्षा 6 में पढ़ते थे, उन्होंने बचपन मे अंग्रेजों का दौर भी देखा, तभी तो वे मानते थे कि देश में आजादी के दीवानों ने जिस आजादी का सपना बुना था, वह आज तक भी पूरा नही हो पाया है। वे मंदिर -मस्जिद के मुद्दे को मात्र सियासी मानते थे, वह भी केवल वोट की सियासत। अनीस मेरठी बेबाक बोलते हुए कहते थे कि आज के कवि सम्मेलन व मुशायरे केवल पैसे कमाने का जरिया बनकर रह गए है। साहिर लुधयानवी से प्रभावित अनीस मेरठी नई पीढ़ी को सबसे पहले यानि कुछ लिखने से पहले गालिब, फैज अहमद फैज व सोज को पढ़ने और फिर कुछ लिखने की नसीहत देते थे। उन्होंने पहले मेरठ और फिर रुड़की में रहते हुए न जाने कितने कवि सम्मेलनों, मुशायरों में शिरकत की और अपनी मौजूदगी का एहसास अपने कलाम से कराया। दूरदर्शन पर भी उनका साक्षात्कार अविस्मरणीय रहा, लेकिन उर्दू के इस महान रचनाकार को सरकार की ओर से कभी कोई तवज्जो नही मिली। अच्छा होता वे जीतेजी सरकारी स्तर पर किसी सम्मान से नवाजे जाते , जिसके वे हकदार भी थे।

आज का राशिफल

मेष आपको अपने सहयोगियों और वरिष्ठ अधिकारियों से ज्यादा तर्क वितर्क नहीं करना चाहिए।

तुला आज आपको दैनिक कार्य में कुछ अड़चनों का सामना करना पड़ सकता है।

वृषभ जटिल काम के बन जाने से आपको खुशी होगा और आपके उत्साह का ठिकाना नहीं होगा।

वृश्चिक विवाद से दूर रहने की जरूरत है। कई बार आप न चाहते हुए भी ऐसे दौर में फंस जाते हैं।

मिथुन आज आपको कुछ नया काम करने को मिलेगा और पार्टनरशिप के काम में भी अच्छा मुनाफा होगा।

धनु दिन परेशानी वाला हो सकता है। शेयर बाजार के चक्कर में पड़कर काफी धन नष्ट कर दिया है।

कर्क काम का बोझ आपके ऊपर आ सकता है इसके लिए आपको अपने काम से छुट्टी लेनी पड़े।

मकर आज लाभ का दिन है। आज आपके अन्दर खूब सारी एनर्जी और उत्साह का संचार होगा।

सिंह आज काफी मेहनत से काम करना पड़ेगा। किसी के अधिकार क्षेत्र में घुसने से बचें।

कुंभ संघर्ष करने के बाद अब आपको लगेगा कि कहीं बैठकर एकांत में कुछ समय गुजारना चाहिए।

कन्या बड़ा काम सौंपा जा सकता है। बिना किसी शंका और विचार के अपने कर्तव्य पर व्यस्त रहना चाहिए।

मीन आज आपको धन कमाने के लिए कई प्रकार के रास्ते आपको नज़र आएंगे।

विशेष

केजरीवाल की गारंटियां और इंडिया गठबंधन

दिल्ली के रामलीला मैदान में अरविंद केजरीवाल की ओर से उनकी पत्नी सुनीता केजरीवाल ने 6 गारंटीयों का ऐलान किया। इनमें से कुछ गारंटी कांग्रेस ने भी दी हैं, यह उससे अलग हैं। इसके अलावा इंडिया गठबंधन में शामिल सभी 27 राजनीतिक दल उन गारंटी को मानते हैं, या नहीं। इसको लेकर चर्चाएं शुरू हो गई हैं। अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी पंजाब और दिल्ली में काबिज है। वही इंडिया गठबंधन के अन्य राजनीतिक दल अलग-अलग प्रदेशों में काबिज हैं।

पारिवारिक राजनीतिक दलों में परिवार के झगडे शुरू

भारतीय राजनीति में क्षेत्रीय दलों का उदय हुआ। क्षेत्रीय दल धीरे-धीरे परिवार के लिए राजनीतिक दल बन गए। पारिवारिक बंटवारे की तरह अब राजनीतिक दलों का भी बंटवारा होने की स्थिति आ गई है। बाला साहेब ठाकरे की शिवसेना तीन भागों में बंट गई है। शरद पवार की पार्टी भी चाचा भतीजे के दो हिस्सों में बंट गई। झगड़ा इतने बढ़ गए, कि अब परिवार की लड़ाई सड़कों पर आ गई। नंद और भौजाई आमने-सामने चुनाव लड़ रही हैं। धनंजय मुंडे अपनी चचेरी बहन पंकजा मुंडे के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं। राजनीति के इस झगड़े में सपा भी शामिल है। इसमें शिवपाल यादव ने अपने भाई रामगोपाल यादव की बेटी के खिलाफ चुनाव लड़ा।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1789: सलीम तृतीय तुर्की की गद्दी पर बैंठे. 1848: अंग्रेजों ने बिना मुकदमा चलाए लोगों को बंदी बनाने का कानून को लागू किया. 1920: विश्व प्रसिद्ध सितारवादक रविशंकर का जन्म . 1929: इम्पीरियल एयरवेज ब्रिटेन की विमान सेवा भारत तक पहली बार शुरू हुई. 1947: ब्रिटिश फौजों ने लीबिया बेनगाजी बंदरगाह खाली किया. 1945: अमेरिकी विमान वाहक पोत के विमानों ने जापान के सबसे बड़े युद्धपोत यामातो को डुबो दिया. 1953: स्वीडन के दाग हैमरशोल्ड राष्ट्रसंघ के सदस्य चुने गए. 1988: ईरान और इराक ने एक- दूसरे की राजधानी पर बमबारी की, जिससे काफी लोग हताहत हुए. 1990: चीन ने दूरसंचार उपग्रह का प्रशेषण कर एक नए युग में प्रवेश किया. 1998: सोली सोराबजी नये एटार्नी जनरल बने. 2004: ओडिसी नृत्य के युगपुरुष गुरु केलुचरण महापात्र का निधन.

दैनिक पंचांग

07 अप्रैल 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मीन में	मेष	06.10 बजे से
चंद्र	मीन में	वृष	07.50 बजे से
मंगल	कुंभ में	मिथुन	09.48 बजे से
बुध	मेष में	कर्क	12.02 बजे से
गुरु	मेष में	सिंह	14.18 बजे से
शुक्र	मीन में	कन्या	16.30 बजे से
शनि	कुंभ में	तुला	18.41 बजे से
राहु	मीन में	वृश्चिक	20.55 ब.से
केतु	कन्या में	धनु	23.11 बजे से
		मकर	01.16 बजे से
		कुंभ	03.03 बजे से
		मीन	04.36 बजे से

राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक

रविवार 2024 वर्ष का 98 वां दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** बसंत। **विक्रम संवत्** 2080 **शक संवत्** 1946 **मास** चैत्र (दक्षिण भारत में फाल्गुन) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** त्रयोदशी 06.54 बजे तदनन्तर चतुर्दशी 03.22 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** पूर्वाभाद्रपदा 12.58 बजे को समाप्त। **योग** ब्रह्म 22.17 बजे को समाप्त। **करण** वणिज 06.54 बजे, विष्टि 17.08 बजे तदनन्तर शकुनि 03.22 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 24.6 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 06° 56'
सूर्य उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1871942
जूलियन दिन 2460407.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2550
हिजरी सन् 1445
महीना रमजान **तारीख** 27
विशेष मासिक शिवरात्रि।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
उद्वेग	05.56 से	07.23	बजे तक	शुभ	05.36 से	07.09	बजे तक
चर	07.23 से	08.51	बजे तक	अमृत	07.09 से	08.41	बजे तक
लाभ	08.51 से	10.18	बजे तक	चर	08.41 से	10.14	बजे तक
अमृत	10.18 से	11.46	बजे तक	रोग	10.14 से	11.46	बजे तक
काल	11.46 से	01.14	बजे तक	काल	11.46 से	01.19	बजे तक
शुभ	01.14 से	02.41	बजे तक	लाभ	01.19 से	02.51	बजे तक
रोग	02.41 से	04.09	बजे तक	उद्वेग	02.51 से	04.24	बजे तक
उद्वेग	04.09 से	05.36	बजे तक	शुभ	04.24 से	05.53	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

यूपी में पहले चरण की 8 सीटों पर 80 प्रत्याशी

इन 8 लोकसभा सभा चुनाव में पीलीभीत की सीट सबसे हॉट सीट बन गई है। उत्तर प्रदेश की आठ लोकसभा सीटों के लिए हो रहे पहले चरण के चुनाव की तस्वीर साफ हो गई है।

नामांकन के आखिरी दिन चार उमीदवारों ने नाम वापस ले लिया. अब 80 प्रत्याशी मैदान में बचे हैं। चार प्रत्याशियों ने नाम वापस लिया जिसमें सहारनपुर से दो, कैराना व मुरादाबाद से एक-एक प्रत्याशी शामिल हैं। कैराना में सबसे अधिक 14 व सबसे कम छह-छह प्रत्याशी नगीना व रामपुर लोकसभा सीट में बचे हैं। मालूम हो कि पहले चरण के चुनाव में 30 मार्च को नाम वापसी का अंतिम दिन था। पहले चरण का

(अजय कुमार)

उत्तर प्रदेश की जिन 8 सीटों पर प्रथम चरण में वोटिंग होगी। इसमें रामपुर, सहारनपुर, पीलीभीत, नगीना, बिजनौर, मुरादाबाद, मुजफ्फरनगर और कैराना लोकसभा सीट शामिल है। इन 8 लोकसभा सभा चुनाव में पीलीभीत की सीट सबसे हॉट सीट बन गई है। उत्तर प्रदेश की आठ लोकसभा सीटों के लिए हो रहे पहले चरण के चुनाव की तस्वीर साफ हो गई है। नामांकन के आखिरी दिन चार उमीदवारों ने नाम वापस ले लिया. अब 80 प्रत्याशी मैदान में बचे हैं। चार प्रत्याशियों ने नाम वापस लिया जिसमें सहारनपुर से दो, कैराना व मुरादाबाद से एक-एक प्रत्याशी शामिल हैं। कैराना में सबसे अधिक 14 व सबसे कम छह-छह प्रत्याशी नगीना व रामपुर लोकसभा सीट में बचे हैं। मालूम हो कि पहले चरण के चुनाव में 30 मार्च को नाम वापसी का अंतिम दिन था। पहले चरण का मतदान 19 अप्रैल को होगा। यूपी की जिन 8 सीटों पर प्रथम चरण में वोटिंग होगी। इसमें रामपुर, सहारनपुर, पीलीभीत, नगीना, बिजनौर, मुरादाबाद, मुजफ्फरनगर और कैराना लोकसभा सीट शामिल है।

पीलीभीत–इन 8 लोकसभा सभा चुनाव में पीलीभीत की सीट सबसे हॉट सीट बन गई है, क्योंकि वरुण गांधी का पत्ता बीजेपी ने साफ कर दिया है और कुछ साल पहले कांग्रेस से आए जितिन प्रसाद को अपना उम्मीदवार घोषित कर दिया है। लेकिन बात अगर राजनीति की करें तो यह क्षेत्र मेनका और वरुण गांधी के लोकसभा क्षेत्र के रूप में भी जाना जाता है, लेकिन इस बार 2024 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी ने वरुण गांधी का टिकट काटकर यहां से जितिन प्रसाद को अपना उम्मीदवार घोषित किया है। समाजवादी पार्टी ने भी यहां से कुर्मी बिरादरी पर दांव लगाया है, सपा ने भगवत शरण गंगवार को अपना प्रत्याशी बनाया है।

दूसरी सीट बिजनौर की है। बिजनौर से एनडीए के उम्मीदवार के तौर पर आरएलडी के प्रत्याशी चंदन चौहान हैं, जबकि समाजवादी पार्टी ने दीपक सैनी को अपना उम्मीदवार बनाया है। बसपा ने यहां जाट प्रत्याशी चौधरी वीरेंद्र सिंह को दिया है।

बीजेपी ने गुर्जर बसपा ने जाट और समाजवादी पार्टी ने ओबीसी प्रत्याशी उतारे हैं।

बिजनौर–आरएलडी को इस गठबंधन में दी गई दो सीटों में एक सीट बिजनौर की है। बिजनौर लोकसभा के इतिहास की बात करें तो राम मंदिर आंदोलन के बाद से यानी 1991 से अब तक भारतीय जनता पार्टी चार बार इस सीट पर अपना कब्जा जमा चुकी है। जबकि इस बीच में समाजवादी पार्टी दो बार रालोद एक बार इस सीट का प्रतिनिधित्व कर चुका है और वर्तमान में इस सीट पर बसपा का कब्जा है. जिसके सांसद मलूक नागर हैं।

नगीना–तीसरी सीट नगीना इसलिए खास है क्योंकि चंद्रशेखर आज़ाद रावण यहां से अपनी सियासी जमीन की तलाश कर रहे हैं। वो पहली बार चुनाव मैदान में हैं। बीजेपी ने ओम कुमार तो सपा ने मनोज कुमार को अपना प्रत्याशी बनाया है, वहीं बसपा ने सुरेंद्र सिंह मेनवाल को अपना प्रत्याशी बनाया है. नगीना लोकसभा सीट सुरक्षित सीट है। हालांकि यह सीट सुरक्षित सीट है, लेकिन इस सीट पर मुसलमानों की संख्या सबसे ज्यादा है। करीब साढ़े 7 लाख वोटर इसमें मुसलमान है. दलित वोटर की संख्या लगभग साढे चार लाख के आसपास है. 2009 में यह सीट अस्तित्व में आई और इस पर पहली बार लोकसभा चुनाव हुआ। इस चुनाव में समाजवादी पार्टी के यशवीर सिंह पहली बार विजय हुए थे। उसके बाद 2014 के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के सांसद यशवंत सिंह ने सपा प्रत्याशी को हराकर इस सीट पर अपना कब्जा जमाया था। जबकि 2019 के चुनाव में सपा और बसपा के गठबंधन के चलते बहुजन समाज पार्टी के प्रत्याशी गिरीश चंद्र इस सीट पर विजय रहे जो वर्तमान में इस सीट का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

कैराना– ये इलाका हिन्दू और मुसलमान गुजर बहुल माना जाता है, सपा ने इकरा हसन को अपना उम्मीदवार बनाया है, तो बीजेपी ने प्रदीप चौधरी को। दोनों गुजर हैं, लेकिन अब यहां की सियासत में बिरादरी से बड़ा धर्म का झोल है। चौथी सीट कैराना लोकसभा में पांच विधानसभा मौजूद है। जिसमें कैराना, शामली, थाना भवन नुकुड और गंगोह विधानसभा सीट है। कैराना लोकसभा में जातीय समीकरण की बात करें तो यहाँ पर सबसे ज्यादा मुस्लिम मतदाता हैं। जिनकी संख्या करीब 5¬45 लाख के आसपास है। 2019 के लोकसभा चुनाव की बात करें तो उस दौरान यहां पर भाजपा कैंडिडेट ने करीब 75000 से अधिक वोटों से जीत हासिल की थी।

पांचवी सीट सहारनपुर से समाजवादी पार्टी ने इमरान मसूद को तो बीजेपी ने राघव लखन पाल को मैदान में उतारा है। सहारनपुर लोकसभा सीट कई मायनों में सभी राजनीतिक दलों के लिए अहम मानी जाती है। सहारनपुर सीट पर सबसे पहला लोकसभा चुनाव 1952 में हुआ था और तभी से यह सीट कांग्रेस का गढ़ बन गयी। 1952 से लेकर 1977 तक इस सीट पर कांग्रेस का कब्जा रहा था। 1977 में इमरजेंसी के बाद हुए चुनाव से लेकर 1996 तक इस सीट पर जनता दल या जनता पार्टी का कब्जा रहा। दो बार की हार के बाद 1984 के चुनाव में कांग्रेस ने एक बार फिर यंहा पर बाज़ी मारी थी। 1996 के बाद सहारनपुर सीट दो बार भारतीय जनता पार्टी, दो बार बहुजन समाज पार्टी, एक बार समाजवादी पार्टी और फिर 2014 में मोदी लहर के चलते 16 साल बाद यह सीट भारतीय जनता पार्टी के खाते में गई थी। इससे पहले भाजपा 1998 में इस सीट से चुनाव जीती थी। लेकिन 2019 के चुनाव में इस सीट पर एक बार फिर बसपा ने कब्जा कर लिया। 2019 में सहारनपुर लोकसभा सीट से महागठबंधन से प्रत्याशी बने बसपा के हाजी फजलुर्रहमान ने 514139 वोट पाकर जीत दर्ज की। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी राघव लखनपाल को 22,417 वोटों से हरा कर इस सीट पर अपना परचम लहराया और इस सीट से लोकसभा सांसद बने। इस लोकसभा सीट पर दलित और मुस्लिम वोट निर्णायक रहते हैं, जो इसे राजनीतिक दलों के लिए अहम बनाता है।

छठी सीट मुरादाबाद पर आज़म खान की जिद्द ने अखिलेश को मुरादाबाद में अपना प्रत्याशी बदलने पर मजबूर कर दिया है, एसटी हसन की जगह सपा ने अब रुचिवीरा को अपना उम्मीदवार बनाया है, जबकि बीजेपी ने फिर कुंवर सर्वेश सिंह पर अपना दाँव लगाया है। मुरादाबाद उत्तर प्रदेश की एक महत्वपूर्ण लोकसभा है। पीतल हस्तशिल्प उद्योग के कारण पीतल-नगरी के नाम से मशहूर मुरादाबाद लोकसभा की बात करें तो उसमे कुल 5 विधानसभा आती हैं। मौजूदा सांसद डॉ एसटी हसन समाजवादी पार्टी से मुरादाबाद लोकसभा के सांसद हैं, हालांकि मुरादाबाद का इतिहास रहा है कि यहां हर लोकसभा चुनावों में अलग पार्टी का सांसद बनता है जैसे 2019 में सपा सांसद, 2014 में भाजपा से सांसद कुंवर सर्वेश सिंह, 2009 में कांग्रेस से क्रिकेटर मोहम्मद अजरूद्दीन सांसद रह चुके है।

सातवीं सीट मुजफ्फरनगर से बीजेपी ने अपने जाट चेहरे संजीव बालियान को तीसरी बार मैदान में उतारा है तो सपा ने कांग्रेस से आये जाट नेता चौधरी हरेंद्र सिंह को अपना उम्मीदवार बनाया है। बात उत्तर प्रदेश की मुजफ्फरनगर लोकसभा सीट की करें तो यह सीट 2013 दंगे के बाद से उत्तर प्रदेश की मुख्य सीटों में गिनी जाती है। क्योंकि 2013 दंगे के बाद 2014 में जो लोकसभा के चुनाव हुए थे उसमें भारतीय जनता पार्टी ने सभी पार्टियों का एक तरफ सुपड़ा साफ कर दिया था। 2014 के इस चुनाव में मुजफ्फरनगर लोकसभा सीट पर भाजपा ने डॉक्टर संजीव बालियान को अपना प्रत्याशी बनाकर मैदान में उतारा था। बीजेपी की इस आंधी में संजीव बालियान को इस चुनाव में 653391 वोट मिले थे। जबकि दूसरे नम्बर पर रहे बसपा के प्रत्याशी कादिर राणा मात्र 252241 वोट ही मिल पाए थे। जिसके चलते भाजपा प्रत्याशी डॉक्टर संजीव बालियान ने इस चुनाव में बसपा प्रत्याशी कादिर राणा को 401150 रिकॉर्ड मतों से मात दी थी। इसके बाद 2019 के लोकसभा चुनाव में भी बीजेपी ने एक बार फिर से डॉक्टर संजीव बालियान पर अपना दांव लगाया था। इस बार संजीव बालियान के सामने राष्ट्रीय लोक दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे स्वर्गीय अजीत सिंह थे। इस चुनाव में भी संजीव बालियान ने जीत हासिल करते हुए अजीत सिंह को 6526 वोट से हराकर यह चुनाव जीता था। इस चुनाव में डॉक्टर संजीव बालियान को 573780 वोट मिले थे जबकि अजीत सिंह को 567254 वोट मिल पाए थे। मुजफ्फरनगर लोकसभा सीट पर अगर जातिगत आंकड़ों की बात करें तो इसी सीट पर 2019 चुनाव के अनुमानित आकड़ो के मुताबिक लगभग 17 लाख के आसपास मतदाता है।

और आठवीं सीट रामपुर –की बात की जाए तो कभी चाकू-छूरियों के लिए मशहूर रामपुर पर 1949 तक कुल 10 नवाबों में शासन किया है। देश की आजादी के बाद 1952 में हुए आम चुनाव में देश के पहले शिक्षा मंत्री मौलाना अबुल कलाम आजाद यहीं से चुनकर संसद तक पहुंचे थे। यहां पर नवाब खानदान के अलावा भाजपा कि मुस्लिम चेहरे मुख्तार अब्बास नकवी अभिनेत्री जयाप्रदा और सपा के फायर ब्रांड नेता आज़म खान जीत हासिल कर चुके हैं। चुनावी आंकड़ों पर नजर डाली जाए तो 1952 से 2019 तक के चुनाव में यहां पर काफी उलट फेर देखने को मिले हैं। यहां से 10 बार कांग्रेस, चार बार भाजपा, तीन बार सपा और एक बार भारतीय लोकदल से निर्वाचित हुए सांसद लोकतंत्र के मंदिर यानी संसद में रामपुर का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। मुस्लिम बाहुल्य इस सीट पर राजनीतिक एतबार से धर्म और जाति कोई खास मायने नहीं रखती है। यही कारण है कि यहां के मतदाता दूसरे धर्म या जाति वाले प्रत्याशी को चुनने में किसी तरह का कोई गुरेज नहीं करते हैं। रामपुर लोकसभा की राजनीतिक पृष्ठभूमि के एतवार से इंडिया गठबंधन के सबसे बड़े दल के रूप में कांग्रेस की फेहरिस्त में यहां की सीट भी है।

छत्तीसगढ़ कांग्रेस की चौतरफा घेराबंदी

भाजपा ने पार्टी की दुखती रग याद दिलाई; इन मुद्दों से भूपेश बघेल को मात देने की बनाई रणनीति

छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल उलट प्रहार के प्रयास में हैं। कांग्रेस के जातिवादी गणित के कारण संसदीय चुनाव में

कांग्रेस के जातिवादी गणित के कारण संसदीय चुनाव में जिला छोड़ने को मजबूर बघेल विष्णुदेव सरकार पर आरोप लगा रहे हैं तो वहीं भाजपा दावा कर रही है कि अब बघेल भ्रष्टाचार पर स्वीकारोक्ति के भाव में फंसने लगे हैं। भाजपा ने पिछले दिनों दुर्ग में एक साथ चावल मिलिंग, कोयला परिवहन और शराब घोटाले का मुद्दा उछाला।

जिला छोड़ने को मजबूर बघेल विष्णुदेव सरकार पर आरोप लगा रहे हैं तो वहीं भाजपा दावा कर रही है कि अब बघेल भ्रष्टाचार पर स्वीकारोक्ति के भाव में फंसने लगे हैं। भाजपा ने पिछले दिनों

दुर्ग में एक साथ चावल मिलिंग, कोयला परिवहन और शराब घोटाले का मुद्दा उछाला। अभी तक भाजपा उन्हें महादेव सट्टा, राशन सहित प्रदेश के सभी घोटालों का संरक्षक और कांग्रेस आलाकमान का एटीएम बताती रही है।

भाजपा ने मांगी सफाई

पार्टी कार्यालय के उद्घाटन समारोह में उन्होंने साय सरकार पर प्रदेश की जनता से आय के साधन छीनने के साथ भ्रष्टाचारियों से समझौता कर लेने का आरोप लगा दिया। इसके बाद हमलावर भाजपा ने उन पर सनातन का अपमान करने का आरोप लगाते हुए भूपेश से सौम्या चौरसिया से भ्रष्टाचारी संबंधों पर सफाई तक मांग ली है। इसमें दो राय नहीं कि सत्ता जाने के बाद से बघेल कुछ ज्यादा ही बेचैन हैं। ईडी की कार्रवाइयों के बाद ईओडब्ल्यू और एसीबी ने पहले ही चैन छीन रखी थी। एक-एक कर उनके सहयोगी घिरते जा रहे हैं। महादेव सट्टा एप के संचालकों से 508 करोड़ रुपये लेने के आरोप में पिछले महीने उनके खिलाफ केस भी दर्ज हो चुका है।

दुर्ग और भिलाई के युवाओं को सट्टेबाज बनाने तथा पूरे देश में सट्टेबाजी का जाल बिछाने वालों को संरक्षण देने के नाम पर वसूली करने वालों में उनके सलाहकार विनोद वर्मा भी जांच के घेरे में है। भाजपा ने अब उनकी दुखती रग को दबा दिया है।

सौम्या बनी थी उप सचिव

सौम्या चौरसिया को बघेल ने इतनी ताकत दे रखी थी कि उसकी एक आवाज पर बड़े-बड़े मंत्री-अफसर कांप जाते थे, उसी के साथ संबंधों पर भूपेश से सवाल हैं। भाजपा प्रदेश महासचिव संजय श्रीवास्तव ने बघेल से पूछा है कि 540 करोड़ रुपये के कोयला परिवहन घोटाले में सौम्या को पिछले 15 महीनों से जमानत क्यों नहीं मिल पा रही?

सौम्या दिसंबर 2022 से जेल में हैं। यह वही सौम्या हैं जिन्हें भूपेश सरकार में सुपर सीएम कहा जाता था। दोनों के निकट संबंधों को स्पष्ट और स्थापित करने के लिए यह बताया जाता रहा है कि बघेल ने सीएम बनने के तीसरे ही दिन सौम्या को अपना उप सचिव नियुक्त कर दिया था।

इस बयान से गर्माया राजनीतिक पारा

भाजपा का आरोप है कि भूपेश सनातन का अपमान करने वाले अपने पिता नंद कुमार की राह पर चल पड़े हैं। विष्णु को भ्रष्टाचार का भोग और तर्पण वाले बयान के कारण राजनीतिक पारा गर्म हो गया है। बघेल की बेचैनी के और भी कारण हैं।

राजीव मितान क्लब और गोबर खरीदी जैसी योजनाओं के माध्यम से कांग्रेस समर्थक तैयार करने की योजना शिथिल पड़ गई है। बेरोजगारी भत्ते का भुगतान भी नहीं हो रहा है।

दूसरी तरफ 3100 रुपये की दर से धान खरीद और एक हजार रुपये की दर से महतारी वंदन का भुगतान शुरू हो गया है।

अभी तक जेल में हैं ये चेहरे

उधर, कोयला परिवहन घोटाले में सौम्या के साथ ही आईएएस अधिकारी समीर विश्नोई और रानू साहू के साथ कांग्रेस के कोषाध्यक्ष रामगोपाल अग्रवाल, कारोबारी लक्ष्मीकांत तिवारी, सुनील अग्रवाल आदि अभी तक जेल में हैं। विधायक देवेंद्र यादव और चंद्रदेव राय भी आरोपों के घेरे में हैं। भाजपा के दोबारा सत्ता में आने पर संविधान में बदलाव और लोगों की आमदनी कम हो जाने जैसे बघेल के आरोपों ने भाजपा को आक्रामक कर दिया है।

क्या उलटा पड़ा बघेल का दांव?

वैसे जातीय आधार पर सामाजिक तोड़फोड़ की राजनीति के माहिर भूपेश को विधानसभा चुनाव में ओबीसी आरक्षण पर उलट दांव लग चुका है। उनकी जमीन खिसक गई है। अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए 27 प्रतिशत आरक्षण की मांग उठाते समय सवर्ण जातियों पर हमलावर होते हुए वह यह भूल गए थे कि प्रदेश की ओबीसी आबादी में बमुश्किल छह प्रतिशत होते हुए भी अगर कुर्मी मुख्यमंत्री हो सकता है तो ओबीसी में 24 हिस्से प्रतिशत वाला साहू समाज उन्हें क्यों स्वीकार करे। सामान्य वर्ग के आर्थिक रूप से कमजोर लोगों (ईडब्ल्यूएस) का आरक्षण केंद्र सरकार और सुप्रीम कोर्ट की सहमति के बाद भी 10 से घटाकर चार प्रतिशत कर दिया।

परिणाम यह रहा कि भले ही बघेल गृह जिला दुर्ग से कांग्रेस के चार उम्मीदवार हैं और उनकी सरकार में गृह मंत्री रहे ताम्रध्वज साहू को अपना क्षेत्र छोड़ महासमुंद से मैदान में उतरना पड़ा है। बघेल स्वयं भी राजनांदगांव से उम्मीदवार हैं, जबकि भिलाई के विधायक देवेंद्र यादव को बिलासपुर से संसदीय चुनाव में उतारा है।

इन टिप्स को अपनाएं, नहीं भटकेगा पढ़ाई से मन

इसमें कोई दो राय नहीं कि पढ़ाई से मन आसानी से भटक जाता है और एकाग्रता की कमी बडी समस्या बन जाती है। एकाग्रता यानी आप अपने मन और दिमाग को बाकी चीजों से दूर कर एक समय में एक ही जगह लगाए। लेकिन यह बहुत मुश्किल काम है। आप अपने आसपास की चीजों से प्रभावित होते ही है। वहीं छात्रों को पढ़ाई पर ध्यान लगाना और ज्यादा कठिन हो जाता है। इससे तनाव भी बढ़ जाता है। एकाग्रता बढ़ाना बहुत आसान तो नहीं लेकिन अगर आप निश्चय कर लें तो यह संभव है। यहां हम ऐसे टिप्स बता रहे हैं जिससे आप एकाग्रता को बढ़ा सकते हैं और किसी भी तरह के तनाव से दूर रहे सकते हैं

- आप मन-मस्तिष्क के लिए आसपास का माहौल बहुत महत्वपूर्ण होता है। एकाग्रता बढ़ाने के लिए माहौल अच्छा होना जरूरी है जिससे आपका मन भटकने से बचता है। इसलिए यही कोशिश करें कि आप पढ़ाई के लिए आरामदायक और शांतिपूर्ण माहौल चुने।
- पहली बार तो यह है कि अगर आप पढ़ाई करने बैठे हैं तो आपको मालूम होना चाहिए कि आप क्या पढ़ाना चाह रहे हैं। इसके लिए पहले से ही अपनी पढ़ाई का खाका तय कर लें। इससे आपके मन में और कोई विचार नहीं आएगा और आपका मन पढ़ाई में लगेगा।
- एकाग्रता में सबसे ज्यादा दखल विचारों की होती है। मन के भटकने का एक कारण विचारों की अधिकता भी है। इसलिए जब पढ़ाई करने समय आपको लगे कि आपके दिमाग में दूसरी चीजें आ रही हैं तो इस बात को लेकर सजग हो जाएं कि आपको अपना ध्यान नहीं भटकाना है। एक बार आप इस बात को लेकर कांशस हो जाएंगे तो एकाग्र होने में मदद मिलेगी।
- अगर आप पढ़ाई के लिए एकाग्र मन चाहते हैं तो जरूरी है कि आपकी स्टडी प्लॉन्ड हो। अगर आप योजना के साथ पढ़ाई करने बैठेंगे तो आसानी होगी। इससे आपकी पढ़ाई और समय के बीच एक अच्छा संतुलन बन जाता है और आप अपनी पढ़ाई पर ज्यादा गंभीरता से ध्यान दे पाते हैं।
- मन तब ज्यादा भटकता है जब आप एक जगह नहीं बैठते। इसलिए एकाग्र मन के लिए आपको बैठने की एक जगह सुनिश्चित कर लेनी चाहिए। यह दृढ़ हो जाए कि आप अपनी पढ़ाई पूरी किए बिना सीट से नहीं उठेंगे।
- बहुत जरूरी है कि आप जहां भी बैठे हो वहां साफ-सफाई होनी चाहिए। अगर वहां बिखराव होगा तो आपका मन भी भटकेगा और ध्यान नहीं लगा पाएंगे।
- एक बहुत जरूरी टिप यही है कि आपको पहले तो शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ होना चाहिए। अच्छा व्यायाम और पौष्टिक आहार न केवल आपकी एकाग्रता को बढ़ाता है बल्कि आपके शरीर को भी स्वस्थ रखता है। इससे शरीर से आलस और थकान दूर होती है।

अंडरराइटर कैसे बनें

अंडरराइटर अपने अनुभव के आधार पर यह निर्णय लेता है कि अनुबंध जोखिम भरा होगा या यह लेने लायक होगा या नहीं। उदाहरण के लिए एक हामीदार जो स्वास्थ्य बीमा कंपनियों के साथ काम करता है, आवेदकों के स्वास्थ्य जोखिमों का विश्लेषण करता है।

वित्तीय उद्योग विभिन्न पेशेवरों से भरा हुआ है जो कई अलग-अलग क्षमताओं में सेवा करते हैं। बैंक टेलर, बीमा एजेंट, वित्तीय सलाहकार, पोर्टफोलियो मैनेजर कुछ ऐसे पद हैं जो इस उद्योग को बनाते हैं। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि कौन से पेशेवर क्रेडिट और उधार देने के फैसले के पीछे जोखिम का आकलन करते हैं? इन व्यक्तियों को हामीदार या अंडरराइटर कहा जाता है। अंडरराइटर्स मूल्यांकन करते हैं और मूल्यांकन करते हैं कि वित्तीय जोखिम लेने लायक है या नहीं। आप वित्तीय उद्योग के विभिन्न हिस्सों में अंडरराइटर्स पा सकते हैं, जिसमें उधार, बीमा, इक्विटी बाजार और यहां तक कि सुरक्षा व्यापार भी शामिल है। जब भी आप व्यक्तिगत ऋण, स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी, या बंधक के लिए आवेदन करते हैं तो कुछ कंपनियां अपने आरंभिक सार्वजनिक पेशकश लॉन्च करती हैं, जबकि अन्य आपके आवेदन की समीक्षा करती हैं। यदि आपको यह एक रोमांचक करियर पथ की तरह लगता है, तो आप शैक्षिक आवश्यकताओं और पेशेवर योग्यताओं के बारे में सोच सकते हैं जिनकी आपको आवश्यकता होगी।

अंडरराइटर बनने के लिए आवश्यकताएँ

यदि आप एक हामीदार बनना चाहते हैं तो कुछ चीजें हैं जिन्हें आपको ध्यान में रखना होगा। आवश्यकताएं अक्सर उप-क्षेत्र और उस क्षेत्राधिकार के आधार पर भिन्न होती हैं जिसमें आप काम करते हैं। अंडरराइटर बनने के लिए आपको स्नातक की डिग्री की आवश्यकता हो सकती है जिसमें अर्थशास्त्र, व्यवसाय, लेखा, वित्त, या गणित में शोध शामिल होता है। अंडरराइटिंग के लिए विश्लेषणात्मक, कंप्यूटर, संचार और गणित कौशल सहित विशेष कौशल की एक श्रृंखला की आवश्यकता होती है। नए कर्मचारियों को वरिष्ठ हामीदारों से ऑन-द-जॉब प्रशिक्षण मिलता है और उन्हें अपने करियर में आगे बढ़ने के लिए प्रमुख प्रमाणन कार्यक्रमों को पूरा करना होगा। आप एंट्री-लेवल की नौकरी से लेकर वरिष्ठ पद तक, उच्च वेतन के साथ पाँच से 10 वर्षों के भीतर अपना काम कर सकते हैं।

शिक्षा

एक हामीदार बनने के लिए आपको आमतौर पर स्नातक की डिग्री की आवश्यकता होती है। गणित, बिज़नेस, अर्थशास्त्र और वित्त के पाठ्यक्रम इस क्षेत्र में फायदेमंद होते हैं क्योंकि वे निश्चित रूप से आपके द्वारा किए जा रहे किसी भी काम में उपयोगी हो सकते हैं। एक अच्छा हामीदार भी विस्तार-उन्मुख होता है और उसके पास गणित, संचार, समस्या-समाधान और निर्णय लेने में उत्कृष्ट कौशल होता है। एक बार काम पर रखने के बाद आप आमतौर पर वरिष्ठ हामीदारों की देखरेख में काम पर प्रशिक्षण लेते हैं। एक प्रशिक्षु के रूप में आप सामान्य जोखिम कारकों और हामीदारी में उपयोग किए जाने वाले बुनियादी अनुप्रयोगों के बारे में सीखते हैं। जैसे-जैसे आप अधिक अनुभवी होते जाते हैं आप स्वतंत्र रूप से काम करना शुरू कर सकते हैं और अधिक जिम्मेदारी ले सकते हैं।

कौशल

शिक्षा ही एकमात्र ऐसी चीज नहीं है जो आपको इस क्षेत्र में आगे बढ़ने में मदद कर सकती है। विशेष कौशल का एक सेट भी है जो आपको अपना करियर बनाने में और आगे बढ़ने में आपकी मदद कर सकता है। यहां कुछ प्रमुख कौशल दिए गए हैं जिनकी आपको आवश्यकता होगी -

- विश्लेषणात्मक कौशल
- संचार कौशल
- कंप्यूटर कौशल
- गणित कौशल

अंडरराइटिंग में कॅरियर शुरू करने का सबसे आसान तरीका अच्छी शिक्षा प्राप्त करना है। गणित, लेखा, अर्थशास्त्र और किसी भी अन्य संबंधित क्षेत्र में स्नातक की डिग्री मदद करती है। सुनिश्चित करें कि आपके पास विश्लेषणात्मक और संचार कौशल सहित सही कौशल हैं और प्रमाणित हों। एक बार जब आपके पास वह सब कुछ हो जाए तो प्रवेश स्तर की नौकरियों की तलाश करें जो आपको वह प्रशिक्षण प्रदान कर सकें जो आपको अपने कॅरियर में आगे बढ़ने के लिए चाहिए।

अंडरराइटर की भूमिका क्या होती है?

अंडरराइटर अपने अनुभव के आधार पर यह निर्णय लेता है कि अनुबंध जोखिम भरा होगा या यह लेने लायक होगा या नहीं। उदाहरण के लिए एक हामीदार जो स्वास्थ्य बीमा कंपनियों के साथ काम करता है, आवेदकों के स्वास्थ्य जोखिमों का विश्लेषण करता है। एक अंडरराइटर के काम में उम्र, वर्तमान स्वास्थ्य स्थिति और चिकित्सा और पारिवारिक इतिहास सहित आवेदक के विवरण की जांच करना शामिल होता है। इस जानकारी का उपयोग करते हुए और अन्य औपचारिकताओं के बाद वह अंडरराइटिंग सॉफ़्टवेयर में जानकारी दर्ज करता है। सॉफ्टवेयर प्रीमियम की राशि और बीमा प्रदाता कंपनी को पॉलिसी पर लागू होने वाली शर्तों का निर्धारण करता है। एक स्वास्थ्य बीमा कंपनी का हामीदार चिकित्सा जानकारी की समीक्षा करता है, जबकि एक ऋण हामीदार ग्राहक के क्रेडिट इतिहास जैसे कारकों का आकलन करता है। अंडरराइटर का काम जटिल होता है। बीमा हामीदार व्यक्तियों को जोखिम के स्वीकार्य स्तर को निर्धारित करने में सक्षम होना चाहिए । जटिल परिस्थितियों की जांच करते समय एक हामीदार को शोध करने और बहुत सारी जानकारी प्राप्त करने की आवश्यकता हो सकती है। एक हामीदार ऋण और इक्विटी बाजार, गिरवी और बीमा जैसे क्षेत्रों में किसी अन्य पार्टी के जोखिम का आकलन करता है।

इस कारण युवाओं की पसंद हैं एसएससी जॉब्स

अगर आप सरकारी नौकरी की तलाश में हैं, तो कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) द्वारा उपलब्ध कराई जाने वाली जॉब्स के बारे में जानते ही होंगे। इन जॉब्स की कुछ खासियतें इन्हें बेहद आकर्षक बनाती हैं। जानते हैं इन्हीं खासियतों के बारे में।

केंद्र सरकार की नौकरी

परंपरागत रूप से भारत में सरकारी नौकरी को प्रतिष्ठा के साथ जोड़कर देखा जाता रहा है। एसएससी जॉब्स सरकारी नौकरियों में काफी ऊंचा दर्जा रखती हैं, सो इनके साथ भी यह प्रतिष्ठा जुड़ी हुई है। अधिकांश एसएससी जॉब्स उच्च पे-बैंड के तहत आती हैं और इनमें अच्छी-खासी सैलरी मिलती है। इसके अलावा, टैक्स ऑडिटर्स, इंस्पेक्टर्स, असिस्टेंट्स आदि को कई अन्य सुविधाएं भी मिलती हैं, जैसे मुफ्त स्वास्थ्य बीमा, दिल्ली व अन्य प्रमुख नगरों में आवास, अनेक प्रकार के भत्ते आदि।

जॉब सिक्योरिटी

किसी भी फील्ड में लोगों को आकर्षित करने का एक बड़ा कारक होता है जॉब सिक्योरिटी। यूं तो सभी सरकारी नौकरियों में जॉब सिक्योरिटी होती है मगर उच्च श्रेणी का अफसर होने के नाते यह सुरक्षा और भी बढ़ जाती है। प्राइवेट सेक्टर में उच्च पदों पर कार्यरत अफसरों को भी विपरीत परिस्थितियों में पिंक स्लिप थमाए जाने का खतरा रहता है मगर सरकारी क्षेत्र में ऐसा कभी नहीं होता। यह सुरक्षा युवाओं को प्रतिष्ठापूर्ण एसएससी जॉब्स की तरफ आकर्षित करती है।

कई तरह के पद

अनेक युवा यह सोचकर एसएससी जॉब्स से दूर भागते हैं कि यहां तो निम्न श्रेणी के ही पद उपलब्ध होते हैं। उनकी यह सोच गलत है। एसएससी सीजीएल परीक्षा के माध्यम से इनकम टैक्स इंस्पेक्टर, एन्फोर्समेंट ऑफिसर, मिनिस्टीरियल असिस्टेंट आदि जैसे उच्च श्रेणी के पदों पर भी नियुक्तियां की जाती हैं। कुल मिलाकर यहां कई तरह के पदों पर काम किया जा सकता है, जिनमें अच्छे-खासे प्रशासनिक अधिकार भी होते हैं और समाज में सम्मान भी।

प्रमोशन पॉलिसी

एसएससी जॉब्स में प्रमोशन के बेहतरीन अवसर होते हैं और ये भी इन जॉब्स का आकर्षण बढ़ा देते हैं। अधिकांश पदों पर नियुक्ति के बाद पहले या दूसरे ही प्रमोशन के पश्चात आप राजपत्रित अधिकारी (गजेटेड ऑफिसर) बन सकते हैं। हमारे समाज में राजपत्रित अधिकारी के पद के साथ कितना सम्मान और प्रतिष्ठा जुड़ी है, यह तो सब जानते ही हैं।

सिविल सर्विसेस एग्जाम देने से पहले इन बातों को जान लें

यूपीएससी सिविल सर्विसेज एग्जाम एक ऐसी परीक्षा है, जिसके माध्यम से आईएएस और आईपीएस अधिकारी चुने जाते हैं। लगभग हर विद्यार्थी के मन में यह विचार जरूर आता है कि वह आईएएस अफसर बने। बहुत-से लोग इसकी तैयारी भी करते हैं, लेकिन चुने जाते हैं कुछ ही।

क्या आईएएस आपका पैशन है?

दुनिया के किसी भी काम को करने के लिए परिश्रम की जरूरत होती है, लेकिन इससे भी पहले एक और चीज की जरूरत पड़ती है और वह है आपका पैशन, आपका जुनून। इसीलिए एक बात का बहुत खयाल रखना होगा कि यदि आपमें वह जज्बा नहीं है, यदि आप किसी के कहने मात्र से इस परीक्षा की तैयारी करने जा रहे हैं, तो आप इस परीक्षा के लायक नहीं हैं। कारण यह कि आईएएस परीक्षा की तैयारी बिना पैशन के हो ही नहीं सकती। बेहतर होगा कि आप कोई और फील्ड चुन लें क्योंकि समय बहुत कीमती है और इसे किसी ऐसी जगह नहीं लगाना चाहिए, जहां आपका पैशन न हो।

क्या आप फोकस्ड हैं?

कोई भी कार्य एकाग्रता की मांग करता है। यदि आपमें फोकस्ड होने की क्षमता नहीं है या आपका मन भटकता है, तो आपके लिए इस परीक्षा का चुनाव गलत साबित हो सकता है। अक्सर लोग ऑप्शन लेकर चलते हैं कि अगर आईएएस नहीं तो कोई और एग्जाम सही। इस प्रकार दो नावों पर पैर रखने से अक्सर लोग गिर जाते हैं। इसलिए अच्छा यही होगा कि आप या तो पूरी तरह फोकस्ड होकर यह परीक्षा दें या फिर अपना टारगेट बदल दें।

क्या परिस्थितियां पढ़ाई के अनुकूल हैं?

कहते हैं, पढ़ने वाला कहीं भी पढ़ लेता है, फिर चाहे कितना भी शोर हो या कोई समस्या हो। यह बात सच है। लेकिन अगर टारगेट आईएएस हो, तो आपको समस्या हो सकती है। कारण यह कि इसकी तैयारी के लिए आपको शांत माहौल मिलना चाहिए, जिससे आपका मन न भटके। साथ ही, आपकी परिस्थितियां ऐसी होनी चाहिए जो आपको तैयारी करने के लिए अनुकूल माहौल उपलब्ध कराए।

क्या आप न्यूनतम योग्यता रखते हैं?

आईएएस की परीक्षा के लिए आपके पास न्यूनतम योग्यता होनी ही चाहिए। यानी आपको ग्रेजुएट तो होना ही चाहिए, साथ ही आपमें आईएएस के प्रति समर्पण भी होना चाहिए। यहां न्यूनतम योग्यता से मतलब केवल ग्रेजुएट होना ही नहीं है, बल्कि इसके अलावा भविष्य के एक आईएएस अफसर से जो उम्मीद की जाती है, वह योग्यता भी आपमें होनी चाहिए।

क्या आपको डीप स्टडी में रुचि है?

अगर आप बहुत ज्यादा गहराई से पढ़ाई नहीं कर सकते, तो मान लें कि यह परीक्षा आपके लिए नहीं है। सिविल सर्विसेज एग्जाम में आप कुछ चुनिंदा विषयों और ऊपरी स्तर पर पढ़कर पास हो ही नहीं सकते। आपमें ज्ञान की भूख होनी चाहिए। आप हर विषय को उसकी गहराई में जाकर समझें। ऐसा करने की आपमें इच्छा होनी चाहिए।

क्या आप त्वरित व सही निर्णय लेते हैं?

एक आईएएस ऑफिसर को जिन परिस्थितियों में काम करना होता है, उनमें कई बार त्वरित मगर सही निर्णय लेने होते हैं। यह एक जरूरी गुण है, जो हर आईएएस अधिकारी में होना ही चाहिए। इसलिए पेपर हल करते समय भी सही निर्णय का टेस्ट लिया जाता है। कई सवाल ऐसे होते हैं, जो आपकी इसी क्षमता को परखते हैं। इसीलिए डिसीजन मेकर बनें और जीवन के हर पहलू पर चर्चा करें। लोगों की समस्याएं सुनें और फिर अपनी राय देने की आदत डालें।

क्या आपकी पब्लिक सर्विस में रुचि है?

अगर आप सिर्फ पावर, पैसे या पोस्ट के लिए यह परीक्षा देने जा रहें हैं, तो आपको इस बारे में एक बार फिर सोचना चाहिए। आपमें जनता की सेवा का जज्बा होना चाहिए। एक आईएएस अधिकारी से जनता मदद की उम्मीद करती है और उसकी नियुक्ति भी इसलिए की जाती है, ताकि वह जनता की मदद कर सके। उसे जरूरी सुविधाएं उपलब्ध करा सके और जरूरत पड़ने पर उसकी बात भी सुने, उसकी परेशानी को समझे।

क्या आपमें धैर्य है?

धैर्य न होना छोटी-सी बात लगती है लेकिन यह बहुत बड़ी बात है। हमारी निजी जिंदगी में तो अक्सर हम धैर्य टूट जाने पर एक-दूसरे को लड़ते-झगड़ते देखते हैं। जहां परीक्षा की तैयारी के लिए धैर्य की जरूरत होती है, वहीं भविष्य के आईएएस अधिकारी से यह अपेक्षा भी की जाती है कि वह विपरीत परिस्थितियों में भी धैर्य न खोए और धैर्य के साथ ही काम करे और निर्णय ले, ताकि उसके सही होने की संभावना भी ज्यादा हो।

संक्षिप्त समाचार

सोने ने बनाया रिकॉर्ड, पहली बार 70 हजार के पार पहुंची कीमत

नई दिल्ली, एजेंसी। सप्ताह के दौरान दोनों प्रमुख कीमती धातुओं सोना-चांदी के भाव में शानदार तेजी दर्ज की गई। उसके दम पर सोना जहां सप्ताह के दौरान कम से कम 3 बार नया सर्वकालिक उच्च स्तर बनाने में कामयाब हुआ, वहीं चांदी 3 सालों के उच्च स्तर पर पहुंच गई।

सोने का नया माउंट एवरेस्ट

सप्ताह के अंतिम दिन शुक्रवार को एमसीएक्स पर सोने ने नया इतिहास बनाया। सोने की कीमतें पहली बार 70 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम के स्तर को पार करने में कामयाब हुईं। शुक्रवार को सोना 70,699 रुपए प्रति 10 ग्राम के नए शिखर तक पहुंचा। इससे पहले सोना ने सप्ताह के दौरान सोमवार और बुधवार को भी नया रिकॉर्ड हाई बनाया था। वहीं चांदी शुक्रवार को 81,030 रुपए प्रति किलोग्राम के स्तर तक पहुंची, जो पिछले 3 साल में चांदी का सबसे महंगा स्तर है। घरेलू बाजार में दोनों कीमती धातुओं के मुख्य तौर पर वैश्विक तेजी से सपोर्ट मिल रहा है। शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय बाजार में स्पॉट गोल्ड 1.3 फीसदी चढ़कर 2,320.04 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया। कारोबार के दौरान इसने 2,324.79 डॉलर के रिकॉर्ड हाई लेवल को छुआ। सप्ताह में सोने के भाव में 3.8 फीसदी की तेजी आई है। वहीं गोल्ड फ्यूचर 1.4 फीसदी की तेजी के साथ 2,339.70 डॉलर पर रहा। चांदी 1.4 फीसदी की तेजी के साथ 27.30 डॉलर प्रति औंस पर रही।

4 महीने तक कॉग्निजेंट के कर्मचारियों की नहीं बढ़ेगी सैलरी, अगस्त में मिल सकती है हाइक

नई दिल्ली, एजेंसी। नैस्डैक-लिस्टेड कंपनी कॉग्निजेंट ने अपने कर्मचारियों के लिए वेतन वृद्धि को चार महीने के लिए टाल दिया है, जिसे अब अगस्त से लागू किया जाएगा। कंपनी ने एक बयान में कहा, हम अपने सहयोगियों की कड़ी मेहनत और उनके समर्पण के लिए हर साल एनुअल मेरिट इंक्रीस और बोनस देते हैं लेकिन इस साल एलिजिबल कर्मचारियों के लिए ये राशि इस साल 1 अगस्त को दी जाएगी। टीनेक आधारित फर्म के दुनिया भर में 347,700 कर्मचारी हैं, जिनमें 2023 तक भारत में 250,000 कर्मचारी शामिल हैं। अक्टूबर-दिसंबर तिमाही के लिए, कॉग्निजेंट का राजस्व साल-दर-साल 1.7 प्रतिशत गिरकर 4.76 बिलियन हो गया। क्रमिक रूप से, राजस्व में 2.9 प्रतिशत की कमी आई। कंपनी ने कहा कि उसके अधिकांश सहयोगियों को तीन वर्षों के भीतर चार बार एन्युअल मेरिट और हाईक मिली है है ङ्क अक्टूबर 2021, अक्टूबर 2022, और अप्रैल 2023 और 1 अप्रैल, 2023 तक। कंपनी की 2023 की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, पिछले वर्ष की तुलना में 2023 में कंपनी के कर्मचारियों की संख्या 7,600 कम होकर 347,700 हो गई। आईटी और आउटसोर्सिंग फर्म ने अपनी कुल कर्मचारियों की संख्या 347,700 बताई, जो कि पिछली तिमाही की तुलना में दिसंबर तिमाही के अंत में 1,100 अधिक थी।

जुर्माना वसूलने में मध्य रेलवे सबसे आगे, साल में 300 करोड़ राजस्व; 46.26 लाख बार टूटे नियम

मुंबई , एजेंसी। मध्य रेलवे ने 2023-24 में बिना टिकट और अनियमित यात्रा और बिना बुक किए गए सामान के 46.26 लाख मामलों में कार्रवाई की है। 46.26 लाख मामलों में जुर्माने से मध्य रेलवे ने 300 करोड़ रुपये कमाए हैं, जो रेलवे के सभी क्षेत्रों से अधिक है। एक विज्ञप्ति के अनुसार, मध्य रेलवे ने कहा कि इस साल राजस्व के लक्ष्य 265.97 करोड़ में 12.80 प्रतिशत का इजाफा हुआ है तो वहीं, मामलों के लक्ष्य में 8.38 प्रतिशत का इजाफा हुआ है।

इस डिविजन ने कमाया इतना राजस्व

मध्य रेलवे ने दावा किया है कि जुर्मानों और राजस्व के मामलों में उन्होंने सभी जोनों में प्रथम स्थान हासिल किया है। मध्य रेलवे के मुंबई डिविजन ने बिना टिकट और अनियमित यात्रा करने वाले 20.56 लाख मामलों से 115.29 करोड़ रुपये कमाए हैं। भुसावल डिवीजन ने 8.34 लाख मामलों से 66.33 करोड़ रुपये कमाए है। वहीं, नागपुर डिविजन ने 5.70 लाख मामलों से 34.52 करोड़ रुपये, सोलापुर डिविजन ने 5.44 लाख मामलों से 34.57 करोड़ रुपये, पुणे डिविजन ने 3.74 लाख मामलों से 28.15 करोड़ रुपये और इसके मुख्यालय ने 2.47 मामलों से 20.96 करोड़ रुपये कमाए हैं।

सुनील नैनानी ने वसूला सबसे अधिक जुर्माना

मध्य रेलवे के प्रवक्ता ने बताया कि हमारे पास 22 टिकट चेकिंग स्टाफ है, जिसमें दो महिलाएं परीक्षक भी शामिल हैं। टिकट चेकिंग आय के रूप में व्यक्तिगत रूप से उन्होंने 1 करोड़ रुपये से अधिक का योगदान दिया। व्यक्तिगत योगदान के मामले में टिकट निरीक्षक सुनील नैनानी प्रथम स्थान पर हैं, जिन्होंने 20,117 मामलों में 1.92 करोड़ का राजस्व दिया है। दूसरे स्थान पर टिकट निरीक्षक एमएम शिंदे हैं, जिन्होंने 18,223 मामलों से 1.59 करोड़ रुपये कमाए हैं तो वहीं, तीसरे स्थान पर निरीक्षक धर्मेंद्र कुमार है, जिन्होंने 17,641 मामलों से 1.52 करोड़ रुपये कमाए हैं। थोड़े दिन पहले जारी हुई रिपोर्ट में सामने आया था कि उत्तर प्रदेश के आगरा मंडल में ट्रेन में चेन पुलिंग करने वालों के खिलाफ रेलवे ने 2266 यात्रियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 8,35,165 रुपये जुर्माना वसूला है। ट्रेनों को लेटलतीफी से बचाने के लिए मंडल में विभाग ने अभियान चलाया है। वित्तीय वर्ष 2023-24 में आगरा मंडल रेल प्रबंधक तेज प्रकाश अग्रवाल के दिशा-निर्देश पर वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त अनुभव जैन के निर्देशन में अभियान चलाया गया। आगरा छावनी रेलवे स्टेशन पर 647 लोगों पर कार्रवाई की गई और 90,830 रुपये जुर्माना वसूला गया। मथुरा जंक्शन में 1,347 लोगों पर कार्रवाई की गई और 5,76,140 रुपये वसूला गया। इसके अलावा धौलपुर स्टेशन पर 120 लोगों से 67,700 रुपये का जुर्माना वसूला गया। आगरा मंडल के वाणिज्य विभाग और रेलवे सुरक्षा बल की ओर से लगातार अभियान चलाया जा रहा है।

आईएमएफ ने कहा- भारत के लिए 8 प्रतिशत का विकास दर का अनुमान हमारा नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। आईएमएफ ने भारत की विकास दर 8 फीसद रहने के अनुमान से पल्ला झाड़ते हुए कहा कि यह अनुमान हमारा नहीं है। आईएमएफ ने कहा है कि भारत के ग्रोथ फिगर के बारे में अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के कार्यकारी निदेशक कृष्णमूर्ति सुब्रमण्यन की हालिया टिप्पणी आईएमएफ के विचारों का प्रतिनिधित्व नहीं करती। आईएमएफ की प्रवक्ता जूली कोजैक ने वाशिंगटन में संवाददाताओं से कहा, श्री सुब्रमण्यन द्वारा व्यक्त किए गए विचार आईएमएफ में भारत के प्रतिनिधि के रूप में उनके थे। बता दें सुब्रमण्यम ने भारत के लिए 8 प्रतिशत की विकास दर का अनुमान लगाया था, जो आईएमएफ द्वारा पिछले विकास दर अनुमानों से अलग है। सुब्रमण्यन ने 28 मार्च को नई दिल्ली में एक कार्यक्रम में कहा था कि भारतीय अर्थव्यवस्था 2047 तक 8 प्रतिशत की दर से बढ़ सकती है, अगर देश पिछले 10 वर्षों में लागू की गई अच्छी नीतियों को दोगुना कर देता है और सुधारों में तेजी लाता है। उन्होंने कहा था, भारत ने पिछले 10 वर्षों में जिस तरह की वृद्धि दर्ज की है, अगर हम उन अच्छी नीतियों को दोगुना कर सकते हैं, जिन्हें हमने पिछले 10 वर्षों में लागू किया है और सुधारों में तेजी ला सकते हैं तो भारत यहां से 2047 तक 8 प्रतिशत ग्रोथ कर सकता है। आईएमएफ के प्रवक्ता ने स्पष्ट किया, हमारे पास एक एग्जीक्यूटिव बोर्ड है।

चीन प्लस वन रणनीति का हर तरफ शोर, मगर भारत भी गंवा रहा विदेशी निवेश

नई दिल्ली, एजेंसी। चीन प्लस वन रणनीति का लाभ उठाने की भारत की संभावना की हर तरफ शोर है मगर आंकड़े कुछ और ही स्थिति दर्शा रहे हैं। ओईसीडी के आंकड़ों से पता चलता है कि वैश्विक प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) में भारत की हिस्सेदारी साल 2023 के पहले नौ महीनों में 2.19 फीसदी रह गई, जो साल 2022 की इसी अवधि में 3.5 फीसदी थी।

चीन में भी एफडीआई प्रवाह साल 2023 के शुरुआती नौ महीनों में नाटकीय रूप से कम होकर 1.7 फीसदी हो गया, जो साल 2022 की इसी अवधि में 12.5 फीसदी था। इसका फायदा भारत को नहीं मिला है मगर चीन के इस नुकसान का फायदा अमेरिका, कनाडा, मैक्सिको, ब्राजील, पोलैंड और जर्मनी को हुआ है, जिसने अपनी वैश्विक हिस्सेदारी में वृद्धि की है।

कैलेंडर वर्ष 2023 के शुरुआती नौ महीनों वैश्विक एफडीआई प्रवाह में 29 फीसदी की हिस्सेदारी के साथ अमेरिका शीर्ष पर है। पिछले साल इसकी हिस्सेदारी 24 फीसदी थी। इसे सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स में आने वाले निवेश से बल मिला है और ताइवान से साल 2023 में कुल 11.25 अरब डॉलर के एफडीआई की स्वीकृति मिली है। चिप्स अधिनियम के तहत सरकारी योजनाओं ने भी मदद की है। सरकार ने सेमीकंडक्टर उद्योग के लिए सब्सिडी में 50 अरब डॉलर निर्धारित की है। इसके अलावा, अमेरिका और चीन के बीच भू-राजनीतिक तनाव ने ताइवान और दक्षिण कोरिया जैसे देशों की कई कंपनियों को चीन पर निर्भरता कम करने और अमेरिका में विनिर्माण संयंत्र लगाने के लिए भी आकर्षित किया है। कोटक इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज की रिपोर्ट में स्थिति के बारे में कहा गया है, 'चीन प्लस वन और महत्त्वपूर्ण सुधारों के बावजूद भारत में अभी भी एफडीआई निवेश में सार्थक वृद्धि हुई है। वहीं दूसरी ओर, चीन में एफडीआई प्रवाह में भारी गिरावट से अमेरिका और कुछ देशों को फायदा होता दिख रहा है।' अमेरिका के अलावा कनाडा को भी इससे काफी फायदा हुआ है। समीक्षाधीन अवधि के दौरान एफडीआई में उसकी वैश्विक हिस्सेदारी 2.9 फीसदी बढ़कर 4.9 फीसदी हो गई है। मेक्सिको को भी इसका फायदा मिला है। उसकी हिस्सेदारी भी 2.8 फीसदी से बढ़कर 3.6 फीसदी हो गई। जर्मनी की हिस्सेदारी भी बढ़कर 2 फीसदी हो गई है, जो इसी अवधि में 0.4 फीसदी से तेज इजाफा है।

भारत को भी अपनी उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना और सेमीकंडक्टर नीति से विदेशी निवेश लुभाने में कुछ सफलता मिली है। ऐपल इंक के अपने वेंडरों के साथ आने से मोबाइल निर्यात को बढ़ाने में मदद मिली है।

पांच जनवरी की घटना से अभी भी बोइंग के सीईओ सदमे में, 28 लाख डॉलर का बोनस ठुकराया

वॉशिंगटन एजेंसी। अलास्का एयरलाइंस में पांच जनवरी को हुई भयावह घटना हर किसी को याद होगी। जब विमान का विंडो पैनल फ्लाइट टेकऑफ होने के बाद अचानक उड़ गया था। घटना के तुरंत बाद बोइंग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) डेव कैलहौन ने अपनी गलती स्वीकार की थी और कहा था कि घटना की पूरी पारदर्शिता के साथ जांच होगी। तीन महीने बीत जाने के बाद भी शायद बोइंग के सीईओ इस हादसे से नहीं उभर पाए हैं क्योंकि उन्होंने 28 लाख डॉलर बोनस लेने से मना कर दिया है।

कंपनी का बयान

कंपनी के सुरक्षा दस्तावेजों में शुक्रवार को बताया गया कि कंपनी को साल 2023 में मुआवजे के रूप में 3.3 करोड़ डॉलर मिले। जबकि डेव कैलहौन ने अलास्का एयरलाइंस की घटना के बाद करीब 28 लाख डॉलर बोनस लेने से मना कर दिया। इसके अलावा, कैलहौन को मूल वेतन 14 लाख डॉलर मिला, जबकि तीन करोड़ डॉलर से अधिक स्टॉक पुरस्कारों से प्राप्त हुआ। बताया जा रहा है कि इस साल के अंत तक ही वह काम करेंगे।

यह है पांच जनवरी की घटना

अलास्का एयरलाइंस द्वारा संचालित बोइंग 737 मैक्स 9 में उस समय बड़ी खराबी आ गई थी जब पोर्टलैंड, ओरेगन से होनोलूलू, हवाई की उड़ान के दौरान एक आपातकालीन दरवाजा खुल गया था। यह दरवाजा 16,000 फीट की ऊंचाई पर खुलकर गिर गया, जिससे विमान के किनारे में एक बड़ा छेद बन गया और यात्रियों को हवा के दबाव में अचानक गिरावट का सामना करना पड़ा।

अलास्का एयरलाइंस की उड़ान संख्या 1282 में 171 यात्री और चालक दल के छह सदस्य सवार थे। विमान की सिएटल-टैकोमा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आपात लैंडिंग कराई गई, गनीमत यह रही कि हादसे में किसी यात्री को गंभीर चोट नहीं आई। संघीय विमानन प्रशासन (एफएए) ने सभी बोइंग 737 मैक्स नौ विमानों को उड़ान फिर से शुरू करने से पहले केबिन डोर एग्जिट प्लग, डोर कंपोनेंट्स और फास्टनरों के निरीक्षण का आदेश दिया था।

यूनाइटेड एयरलाइंस और अलास्का एयरलाइंस केवल दो अमेरिकी वाहक हैं जो विमान के इस मॉडल का संचालन करते हैं। दोनों एयरलाइनों ने अपने कुछ मैक्स नौ विमानों में ढीले हार्डवेयर मिलने की सूचना दी है।

सालाना प्रोत्साहन भुगतान के लिए किया इनकार

बोइंग ने कहा, अलास्का एयरलाइंस की घटना को देखते हुए कैलहौन ने सालाना प्रोत्साहन भुगतान के लिए विचार करने से इनकार कर दिया और बोर्ड ने उस अनुरोध को मान लिया। गौरतलब है , 25 मार्च को बोइंग ने एलान किया था मुख्य कार्यकारी अधिकारी डेव कैलहौन अपने पद से इस्तीफा देंगे। कंपनी ने कहा था कि वे हाल में हुई कई सुरक्षा घटनाओं में जांच का सामना कर रहे हैं। ऐसे में सुरक्षा कारणों के चलते कंपनी ने प्रबंधन में बदलाव का निर्णय किया है। इसी बदलाव के क्रम में डेव कैलहौन इस साल के आखिरी तक अपना पद छोड़ देंगे।

यूनाइटेड ब्रूअरीज से 263.70 करोड़ रुपए से अधिक की कर मांग

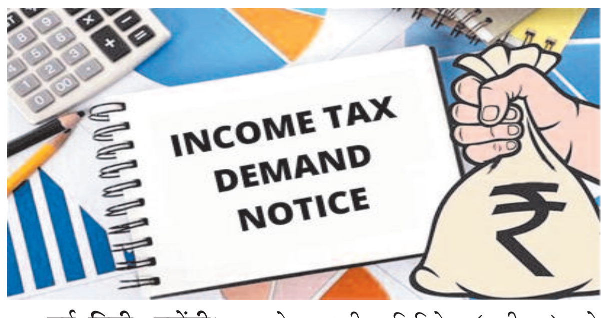

नई दिल्ली, एजेंसी। यूनाइटेड ब्रूअरीज लिमिटेड (यूबीएल) को महाराष्ट्र राज्य माल एवं सेवा कर (जीएसटी) विभाग से 263.70 करोड़ रुपए से अधिक की कर मांग आई है जिसमें ब्याज और जुर्माना भी शामिल हैं। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि महाराष्ट्र जीएसटी विभाग के रायगढ़ खंड के राज्य कर उपायुक्त ने वित्त वर्ष 2019-20 के लिए कुल 2,63,72,36,156 रुपए की कर मांग का आदेश जारी किया है। इसमें 1,19,82,34,560 रुपए का अतिरिक्त कर और 1,15,03,04,218 रुपए का ब्याज एवं 28,86,97,379 रुपए का जुर्माना शामिल है। यूबीएल ने कहा, तेलंगाना राज्य पेय निगम (टीएसबीसीएल), कर्नाटक राज्य पेय निगम (केएसबीसीएल), आंध्र प्रदेश राज्य पेय निगम (एपीबीसीएल) की तरफ से अप्रैल, 2019 से मार्च, 2020 तक के लिए भुगतान किए गए राज्य उत्पाद शुल्क की प्रतिपूर्ति के लिए राज्य पेय निगमों पर यूबीएल द्वारा उठाए गए डेबिट नोटों पर 60 प्रतिशत सीएसटी लगाने के कारण यह कर मांग की गई है। इसमें कहा गया है कि कर की रियायती दर के लिए घोषणा पत्र जमा नहीं होने के कारण भी यह मांग की गई है।

एनर्जी स्टॉक बरसा रहा है पैसा ही पैसा

नई दिल्ली, एजेंसी। महज छह महीने में ही इंडियन रिन्यूएबल एनर्जी डेवलपमेंट एजेंसी लिमिटेड के शेयर अपने निवेशकों को मालामाल कर दिया है। इस अवधि में यह 194 फीसद का रिटर्न दिया है। जबकि, पिछले पांच सत्रों में यह 30 प्रतिशत उछला। अब सवाल यह है कि क्या स्टॉक अपने 214.80 रुपये के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच सकता है

आज स्टॉक 11.43 प्रतिशत उछलकर 176.45 रुपये पर बंद हुआ। इस कीमत पर पांच कारोबारी दिनों में काउंटर में 30.08 फीसदी की तेजी आई है। इसके बावजूद, शेयर 214.80 रुपये के अपने रिकॉर्ड हाई प्राइस से 17.93 प्रतिशत नीचे था, जो इस साल की शुरुआत में 6 फरवरी को पहुंचा था। इंडियन रिन्यूएबल एनर्जी डेवलपमेंट एजेंसी लिमिटेड (इरेडा के शेयरों ने शुक्रवार को लगातार पांचवें सत्र में बढ़त हासिल की। यह सरकारी फाइनेंसर ने हाल ही में कहा कि उसने 2023-24 में 37,354 करोड़ रुपये की अब तक की सबसे अधिक लोन सैन्क्सन किया है। 25,089 करोड़ रुपये का ऋण वितरण हुआ।

इरेडा की कुल लोन बुक 26.71 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए 59,650 करोड़ रुपये है। मार्च 2024 तिमाही के दौरान स्वीकृत लोन सालाना आधार पर 101.71 प्रतिशत बढ़कर 23,796 करोड़ रुपये हो गया।

कहां तक जा सकता है शेयर

रेलिगेयर ब्रोकिंग के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (रिटेल रिसर्च) रवि सिंह ने कहा, डेली चार्ट पर स्टॉक मजबूत दिख रहा है और जल्द ही 185 रुपये होगा। स्टॉप लॉस 170 रुपये पर रखना न भूलें। प्रभुदास लीलाधर के टेक्नीकल एनॉलिस्ट शिजू कुथुपालक्कल ने कहा, शेयर 215 रुपये के टॉप जोन से काफी पीछे हट गया है। इसमें 188 रुपये का स्तर देखने की संभावना है। इसके बाद यह हो सकता है 215 रुपये जोन का पुनः परीक्षण करें। शॉर्ट टर्म का सपोर्ट 155 रुपये के करीब बना रहेगा। आनंद राठी शेयर्स और स्टॉक ब्रोकर्स के वरिष्ठ प्रबंधक तकनीकी अनुसंधान विश्लेषक, जिगर एस पटेल ने कहा, सपोर्ट 168 रुपये और रेजिस्टेंट 186 रुपये पर होगा। 186 रुपये के स्तर से ऊपर जाने पर यह 199 रुपये तक जा सकता है। एक महीने के लिए अपेक्षित ट्रेडिंग रेंज 160 रुपये से 200 रुपये के बीच होगी।

प्याज, टमाटर और आलू की कीमतें बढ़ने से शाकाहारी थाली महंगी

नई दिल्ली, एजेंसी। महंगाई की पिच पर आलू-टमाटर-प्याज की तिकड़ी धुआंधार बल्लेबाजी कर रही है। इनकी बल्लेबाजी से आम जनता की शाकाहारी थाली महंगी हो गई है। प्याज, टमाटर और आलू की कीमतें बढ़ने के कारण मार्च में शाकाहारी थाली सालाना आधार पर सात फीसद तक महंगी हो गई क्रिसिल मार्केट इंटेलिजेंस एंड एनालिसिस ने अपनी मासिक रोटी चावल दर रिपोर्ट में बताया कि आवक कम होने और कम आधार दर के कारण प्याज का दाम सालाना आधार पर 40 फीसद, टमाटर का दाम 36 फीसद और आलू का दाम 22 फीसद बढ़ने से शाकाहारी थाली महंगी हो गई है।

अगर उपभोक्ता मंत्रालय पर दिए गए आंकड़ों की बात करें तो शाकाहारी थाली के भाव बढ़ाने में दालों का भी अहम रोल है। अरहर की दाल एक साल में 28 फीसद से अधिक महंगी हुई है। उड़द में 14.50 फीसद तो मूंग दाल 10 फीसद तेज हुई है। वहीं, क्रिसिल की रिपोर्ट के मुताबिक, एक साल पहले की तुलना में चावल का दाम भी 14 फीसद बढ़ गई हैं। शाकाहारी थाली रोटी, सब्जियां (प्याज, टमाटर और आलू), चावल, दाल, दही और सलाद के साथ थाली की कीमत मार्च में बढ़कर 27.3 रुपये प्रति प्लेट हो गई, जो एक साल पहले की समान अवधि में 25.5 रुपये थी। हालांकि, फरवरी के 27.4 रुपये की तुलना में मार्च में शाकाहारी थाली की कीमत घटी है।

पॉल्ट्री की कीमतें घटने से पिछले महीने मांसाहारी थाली की लागत में 7 फीसद की गिरावट दर्ज की गई। मांसाहारी थाली की कीमत एक साल पहले की समान अवधि में 59.2 रुपये थी, जो पिछले महीने घटकर 54.9 रुपये रह गई, लेकिन फरवरी के 54 रुपये प्रति थाली की तुलना में इसकी कीमत अब भी अधिक है।

ब्रायलर के दाम में 5 फीसद इजाफा

दरअसल ब्रॉयलर मुर्गे की कीमतों में 16 फीसद की गिरावट आने से सालाना आधार पर मांसाहारी थाली की लागत घटी है। मांसाहारी थाली में ब्रॉयलर का भारांक 50 फीसद होता है। हालांकि, फरवरी की तुलना में मार्च में रमजान के पवित्र महीने की शुरुआत होने और अधिक मांग आने से ब्रॉयलर की कीमतें पांच फीसद बढ़ी हैं।

कैसे तय की गई थालियों की कीमत

घर में पकाई गई थाली की औसत लागत का कैलकुलेशन उत्तर, दक्षिण, पूर्व और पश्चिम भारत में इनपुट कीमतों के आधार पर की जाती है। क्रिसिल की रोटी चावल रेट रिपोर्ट के मुताबिक, प्याज, टमाटर और आलू की कीमतें सालाना आधार पर बढ़ने की वजह से शाकाहारी थाली महंगी हो गई। बता दें कि पिछले वित्तीय वर्ष-2023 में बाजारों में प्याज और आलू की कम सप्लाई के कारण टमाटर की कीमतों पर असर देखने को मिला था।

संक्षिप्त समाचार

जर्मन ओपन

क्वार्टर फ़ाइनल में यो एनजी ने सेंथिलकुमार को हराया

हैम्बर्ग, एजेंसी। राष्ट्रीय स्क्वैश चैंपियन वेलावन सेंथिलकुमार 50,000 अमेरिकी डॉलर की पीएसए विश्व टूर कांस्य प्रतियोगिता जर्मन ओपन के पुरुष क्वार्टर फाइनल में चौथी वरीयता प्राप्त मलेशिया के इयान यो एनजी से शुक्रवार को 7–11, 6–11, 4–11 से हार गए। यो एनजी ने विश्व के 59वें नंबर के

भारतीय खिलाड़ी की आधिकारिक पीएसए वेबसाइट से कहा, यह (हमारे बीच) हमेशा करीबी मामला रहा है। किसी न किसी कारण से, हर बार वह कुछ खिलाड़ियों को मेरे पास आने तक अपसेट करता है। दुनिया के 22वें नंबर के मलेशियाई खिलाड़ी ने कहा, फ्यह हर बार कठिन होता जा रहा है, लेकिन मैं अपनी ताकत भी जानता हूं, मुझे पता है कि मैं वहां टिक सकता हूं, बड़े अंकों को बेहतर ढंग से खेल सकता हूं, और मुझे लगता है कि यह पहले और दूसरे गेम में दिखा। मैं आज तीन गेमों में जीत हासिल कर बहुत खुश हूं। यो एनजी ने पीएसए स्पर्धाओं में भारतीय खिलाड़ी से अपनी सभी तीन भिड़ंत जीती हैं।

चेला बल्ले से लगा रहा आग

फिर भी नाखुश हैं युवराज सिंह, डंडे लेकर पीटने के लिए दौड़ाया

हैदराबाद, एजेंसी। चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ मैच में सनराइजर्स हैदराबाद के ओपनर अभिषेक शर्मा ने एक बार फिर विस्फोटक बैटिंग की। उन्होंने सिर्फ 12 गेंदों पर 27 रन ठोके और टीम के जीत की नींव रखी। मुकेश चौधरी के एक ही ओवर में 27 रन मारकर अभिषेक ने चेन्नई को मैच से लगभग बाहर कर कर दिया। अंत में हैदराबाद

ने मुकाबले को आसानी से 6 विकेट से अपने नाम कर लिया। लेकिन अभिषेक के मेंटर युवराज सिंह उनसे खुश नहीं हैं।

क्यों नाखुश हैं युवराज सिंह

दिग्गज भारतीय बल्लेबाज युवराज सिंह अभिषेक के आउट होने वाले शॉट से खुश नहीं हैं। अभिषेक लंबी पारी खेल सकते थे लेकिन तीसरे ही ओवर में रविंद्र जडेजा का हाथ में कैच दे लिया। अंत में एसआरएच ने 6 विकेट से मैच जीत लिया और अभिषेक को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। युवराज ने ट्वीट करते हुए लिखा– मैं तुम्हारे ठीक पीछे हूं... फिर से अच्छा खेला लेकिन आउट होने वाला खराब शॉट था। इसके साथ ही युवराज ने एक त्वद्धस्र शेयर किया जिसमें एक व्यक्ति दूसरे को डंडा लेकर पीटने के लिए दौड़ रहा है।

अभिषेक ने युवी को कहा धन्यवाद– अभिषेक शर्मा को प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड मिला। इसके बाद उन्होंने युवराज सिंह को धन्यवाद भी कहा। अभिषेक ने कहा, बड़े स्कोर मायने रखते हैं, लेकिन आज मैं लय में बह गया। उम्मीद है कि अगली बार मैं ज्यादा देर तक टिक पाऊंगा।

सहवाग की भविष्यवाणी

टी20 वर्ल्ड कप स्क्वॉड में शिवम दुबे बनेंगे

सूर्यकुमार यादव और पंत के लिए खतरा

नईदिल्ली, एजेंसी। पूर्व भारतीय विस्फोटक सलामी बल्लेबाज और मौजूदा एक्सपर्ट वीरेंद्र सहवाग का मानना है कि 1 जून से शुरू होने वाले टी20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए भारतीय स्क्वॉड में शिवम दुबे सूर्यकुमार यादव, ऋषभ पंत, केएल राहुल और श्रेयस अय्यर जैसे खिलाड़ियों के लिए खतरा बन सकते हैं। दुबे की जब से चेन्नई सुपर किंग्स की टीम में एंट्री हुई है तब से वह धमाल मचा रहे हैं। स्पिनर्स के खिलाफ बड़े-बड़े शॉट लगाना उनकी ताकत है। आईपीएल 2024 में भी बाएं हाथ का यह बल्लेबाज खतरनाक फॉर्म में दिखाई दे रहा है। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मुकाबले में भी जब सीएसके के सभी खिलाड़ी संघर्ष करते हुए नजर आ रहे थे, तब दुबे ने 24 गेंदों पर 2 चौकों और 4 गगनचुंबी छक्कों की मदद से 45 रनों की धुआंधार पारी खेली।

शिवम दुबे के बारे में बात करते हुए वीरेंद्र सहवाग

ने क्रिकबज से कहा, वह (दुबे) जिस तरह की फॉर्म में हैं, टी20 वर्ल्ड कप के लिए उनका टिकट पक्का होना चाहिए। उन्होंने कई खिलाड़ियों को दबाव में डाला है, चाहे वह श्रेयस अय्यर हों, केएल राहुल हों, सूर्यकुमार यादव हों या मध्यक्रम के अन्य बल्लेबाज हों। यहां तक कि ऋषभपंत भी। दूसरों को अगर टी20 वर्ल्ड कप टीम में जगह बनानी है तो अब लगातार अच्छा प्रदर्शन करना होगा, और यही आगे का रास्ता होना चाहिए।

सहवाग ने अंत में चयनकर्ताओं से गुजारिश की कि टी20 वर्ल्ड कप स्क्वॉड में उन्हीं खिलाड़ियों को चुनें जो फॉर्म में हो। वहीं पूर्व हरफनमौला युवराज सिंह का भी यही मानना है। उनका कहना है कि टी20 वर्ल्ड कप में शिवम दुबे भारत के लिए गेम चेंजर साबित हो सकते हैं। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, शिवम दुबे को फील्ड को आसानी से भेदते हुए देखकर अच्छा लगा।

5 खिलाड़ी जिनका आईपीएल फॉर्म टीम इंडिया के लिए चिंता

टी20 वर्ल्ड कप से पहले गर्दिश में बड़े सितारे

नईदिल्ली, एजेंसी। टी20 वर्ल्ड कप 2024 का आयोजन जून में होना है। उससे ठीक पहले आईपीएल खेली जा रही है। 22 मार्च को लीग की शुरुआत हुई थी। इस महीने के अंत में टी20 वर्ल्ड कप के लिए भारतीय टीम का ऐलान होना है। लेकिन इससे पहले भारतीय टीम के कई स्टार खिलाड़ी फॉर्म से जूझ रहे हैं। 2007 में हुए पहले टूर्नामेंट के बाद से भारत ने वर्ल्ड कप नहीं जीता है। ऐसे में इन स्टार खिलाड़ियों की फॉर्म भारत के लिए चिंता है। आज हम आपको उन्हीं 5 खिलाड़ी के बारे में बताने जा रहे हैं, जो फॉर्म से जूझ रहे हैं।

जितेश शर्मा

पंजाब किंग्स के विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा टी20 वर्ल्ड कप के दावेदार हैं। 4 मैच में जितेश ने 15 की औसत और 126 की स्ट्राइक रेट से 58 रन बनाए हैं। ऋषभ पंत भी फिट हो चुके हैं। उनके बैट से रन भी निकल रहे हैं। अगर जितेश की यही स्थिति रही तो पंत को वर्ल्ड कप का टिकट मिल सकता है।

यशस्वी जायसवाल

इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में कमाल करने वाले यशस्वी जायसवाल के बल्ले से आईपीएल 2024 में रन नहीं निकला है। 3 मैच में यशस्वी ने 13 की औसत से 39 रन बनाए हैं। उनकी सबसे बड़ी पारी 24 रनों की रही है। वह वर्ल्ड कप के दौरान भारत के लिए रोहित शर्मा के साथ सलामी बल्लेबाजी कर सकते हैं।

मोहम्मद सिराज

मोहम्मद सिराज वर्ल्ड कप के दौरान जसप्रीत बुमराह के साथ नई गेंद संभाल सकते हैं। लेकिन सिराज की आईपीएल 2024 में बुरी स्थिति है। 4 मैच में वह सिर्फ तीन विकेट ले पाए हैं। इस दौरान उन्होंने 10 से ज्यादा की इकोनॉमी से रन खर्च किए हैं।

रविंद्र जडेजा

रविंद्र जडेजा के बल्ले से न तो रन निकल रहे हैं और न ही उन्हें विकेट मिल रहा। 4 मैच में जडेजा सिर्फ एक ही बल्लेबाज को आउट कर पाए हैं। बल्लेबाजी में भी वह फिनिशर की भूमिका नहीं निभा पा रहे। आईपीएल 2024 में 60 गेंदों का सामना करने के बाद रविंद्र जडेजा सिर्फ एक ही छक्का मार पाए हैं।

हार्दिक पंड्या

हार्दिक पंड्या वर्ल्ड कप 2024 के दौरान चोटिल हुए थे। कई महीनों तक मैदान से बाहर रहने के बाद उन्होंने डीवाई पाटिल टी20 टूर्नामेंट में हिस्सा लिया। आईपीएल के इस सीजन में वह कुछ खास नहीं कर पाए हैं। फैंस की हूटिंग का सामना कर रहे हार्दिक ने 3 मैच में 69 रन बनाए हैं। गेंदबाजी में करीब 11 की इकोनॉमी से रन देकरक एक विकेट लिया है।

चैन्नई वर्सेस हैदराबाद

शिवम दुबे ने 4 छक्के लगाकर तोड़ा आंद्रे रसेल का रिकॉर्ड

- इस सीजन से छक्के लगाने में बने उनके उस्ताद

हैदराबाद, एजेंसी। सीएसके टीम के ऑलराउंडर शिवम दुबे इस सीजन में अपनी टीम के लिए अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं और एक बार फिर से उन्होंने हैदराबाद के खिलाफ टीम के लिए अच्छी पारी खेली। हालांकि इस मैच में वो अर्धशतक लगाने से चूक गए, लेकिन अपनी पारी के दौरान लगाए 4 छक्कों के दम पर उन्होंने आंद्रे रसेल का ये रिकॉर्ड तोड़ दिया। दुबे ने अपनी पारी के दम पर चेन्नई पर जो दवाब हैदराबाद ने बनाया था उसे हटाया और टीम के स्कोर को मजबूती प्रदान की। उनकी इस पारी के दम पर सीएसके ने 20 ओवर में 5 विकेट पर 165 रन हैदराबाद के खिलाफ बनाया। हैदराबाद के खिलाफ शिवम दुबे ने अपनी टीम के लिए सबसे जोरदार पारी खेली और इस मैच में सीएसके के बेस्ट स्कोरर भी रहे। उन्होंने इस मैच में 24 गेंदों पर 4 छक्के और 2 चौकों की मदद से 45 रन की पारी खेली और पैट कमिंस की गेंद पर भुवनेश्वर कुमार हाथों कैच आउट हो गए। उनका स्ट्राइक रेट इस पारी में 187.50 का रहा साथ ही अपनी पारी में लगाए 4 छक्के के बाद वो आंद्रे रसेल से आगे निकल गए।

आईपीएल में साल 2022 से अब तक यानी आईपीएल के 18वें लीग मैच तक सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में शिवब दुबे पहले नंबर पर आ गए और आंद्रे रसेल को दूसरे नंबर पर खिसका दिया। शिवम दुबे ने 2022 से अब तक इस लीग में कुल 61 छक्के लगाए हैं जबकि आंद्रे रसेल के नाम पर 60 छक्के दर्ज हैं।

यूएई छोड़कर पाकिस्तान वापसी करने वाले उस्मान पर लगा बैन

- एमिरेट्स क्रिकेट बोर्ड के किसी भी टूर्नामेंट में पांच साल नहीं ले सकेंगे हिस्सा

नईदिल्ली, एजेंसी। यूनाइटेड अरब एमिरेट्स छोड़कर वापस पाकिस्तान आने वाले बल्लेबाज उस्मान खान पर एमिरेट्स क्रिकेट बोर्ड ने पांच साल का बैन लगा दिया है। उस्मान 2029 तक यूएई में होने वाले ईसीबी के किसी भी टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। इसमें आईएलटी 20 और अबु धाबी टी10 दो बड़े टूर्नामेंट भी शामिल हैं। ईसीबी ने उस्मान पर अपने दायित्वों का उल्लंघन करने का आरोप लगाया है। बोर्ड ने अपने बयान में बताया है कि बोर्ड के प्रति अपनी जिम्मेदारियों के खिलाफ जाने के कारण उस्मान पर यह बैन लगाया गया है।

प्रीमियर लीग

शेफील्ड पर जीत से लिवरपूल फिर शीर्ष पर

जीत पाने के लिए करना पड़ा संघर्ष

लंदन, एजेंसी। लिवरपूल ने अंतिम स्थान पर चल रहे शेफील्ड यूनाइटेड को 3-1 से हराकर इंग्लिश प्रीमियर लीग में एक बार फिर शीर्ष स्थान पर जगह बना ली है। स्कोर लाइन जरूर लिवरपूल के पक्ष में 3-1 से रही, लेकिन उसे जीत के लिए कड़ा संघर्ष करना पड़ा। 76 मिनट तक मुकाबला 1-1 की बराबरी पर थी। अर्जेंटीना के एलेक्सिस मैकएलिस्टर ने 76वें मिनट में गोल कर लिवरपूल को बढ़त दिलाई। कोडी गाक्पो ने 90वें मिनट में तीसरा गोल किया। इस जीत के साथ लिवरपूल के 30 मैचों में 70 अंक हो गए हैं। 68 अंकों के साथ आर्सेनल दूसरे और 67 अंकों के साथ गत विजेता मैनचेस्टर सिटी तीसरे स्थान पर है।

ब्रैडली ने किया आत्मघाती गोल– खेल के 17वें मिनट में डार्विन नुनेज ने लिवरपूल को बढ़त दिलाई, लेकिन 58वें मिनट में कोनर ब्रैडली ने अपनी ही टीम पर आत्मघाती गोल कर स्कोर 1-1 कर दिया। इसके बाद मुकाबला काफी रोचक हो गया।

हालांकि मैकएलिस्टर ने बेहतरीन गोल कर लिवरपूल को बढ़त दिला दी। लिवरपूल के कोच जुर्गेन क्लॉप ने कहा कि हमें काफी गहराई तक जाना पड़ा, लेकिन यह सामान्य बात है। हमारा रवैया अच्छा था, लेकिन हमने कई मौकों पर अच्छी फुटबाल नहीं खेली। रविवार को लिवरपूल का मैनचेस्टर यूनाइटेड के साथ कठिन मुकाबला होगा।

अंतिम क्षणों में दो गोल खाकर यूनाइटेड हारा

मैनचेस्टर यूनाइटेड को चेल्सी के हाथों 3–4 से अविश्वसनीय हार का सामना करना पड़ा। कोले पामर की हैट्रिक की बदौलत चेल्सी को जीत मिली। पामर ने स्टापेज समय में एक मिनट के अंतराल में दो गोल कर यूनाइटेड के डच मैनेजर एरिक टेन हेग की मुश्किलें बढ़ा दीं। ब्रेंटफोर्ड के खिलाफ पिछले मुकाबले में भी यूनाइटेड ने अंतिम क्षणों में गोल खाया था। यह मुकाबला 1–1 की बराबरी पर रहा। टेन हैग ने कहा कि दो मैचों में पांच अंक गंवाना स्वीकार नहीं किया जा सकता है। कोनोर गालेघर (4) और पामर (19) ने पेनाल्टी पर गोलकर चेल्सी को 2–0 की बढ़त दिलाई, लेकिन गारनाचो (34) और ब्रूनो फर्नांडीज (39) ने पहले हाफ में ही यूनाइटेड को बराबरी दिला दी। 67वें मिनट में गारनाचो ने एक और गोल कर यूनाइटेड को बढ़त दिलाई।

मेरे सब्र का इम्तिहान मत लो, वरना...

शाहीन अफरीदी ने दी चेतावनी!

लाहौर, एजेंसी। शाहीन अफरीदी को हाल ही में पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने कप्तानी से हटा दिया. शाहीन टी20 टीम के कप्तान थे, जिन्हें बाबर आज़म के बाद कमान सौंपी गई थी. लेकिन अब, शाहीन को हटाकर एक बार फिर बाबर को कप्तान बना दिया गया है. बाबर को दोबारा पाकिस्तान का व्हाइट बॉल कप्तान नियुक्त किया गया है. अब कप्तानी से हटाए जाने के बाद शाहीन अफरीदी ने चुप्पी तोड़ते हुए कहा कि मेरे सब्र का इम्तिहान मत लो. बता दें कि पाकिस्तान ने भारत की सरज़मीं पर खेले गए वनडे वर्ल्ड कप 2023 काफी खराब प्रदर्शन किया था, जिसके बाद

बाबर आज़म ने तीनों फॉर्मेट की कप्तानी से इस्तीफा दे दिया था. बाबर के बाद शाहीन को टी20 और शान मसूद को टेस्ट का कप्तान बनाया गया था. लेकिन बाबर के कप्तान बने शाहीन को बतौर कप्तान पहली ही सीरीज़ में बुरी तरह हार का सामना करना पड़ा था. अब कप्तानी छिनने के बाद शाहीन ने चुप्पी तोड़ते हुए चेतावनी दे डाली. दरअसल शाहीन ने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी शेयर की, जिसमें एक कोट है. शाहीन का यह कोट किसी चेतावनी से कम नहीं लग रहा है. उस कोट में कहा गया, मुझे कभी ऐसी स्थिति में न डालें कि जहां मुझे आपको दिखाना पड़ जाए कि मैं कितना क्रूर और बेरहम हो सकता हूं. मेरे सब्र का इम्तिहान मत लो क्योंकि अब तक मैं आपके लिए सबसे प्यारा और दयालु शख्स रहा हूं लेकिन जब हद पार हो जाती है तो आप मुझे ऐसी चीज़ें करते हुए देखेंगे जिसकी किसी को मुझे उम्मीद भी नहीं होगी.

प्रगनानंदा ने फिरोजा के साथ खेला ड्रॉ

- भारत की आर वैशाली भी नहीं रहीं पीछे

नई दिल्ली, एजेंसी। आर प्रगनानंदा ने कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट के पहले दौर में फ्रांस के फिरोजा अलीरेजा को ड्रॉ पर रोक दिया। वहीं डी गुकेश ने विदित गुजराती के साथ ड्रॉ खेला। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रगनानंदा ने कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट के पहले दौर में फ्रांस के फिरोजा अलीरेजा को ड्रॉ पर रोक दिया। वहीं डी गुकेश ने विदित गुजराती के साथ ड्रॉ खेला। पुरुष वर्ग में पहले दिन चारों मुकाबले ड्रॉ रहे। वहीं, भारत की आर वैशाली ने हमवतन कोनेरू हंपी के खिलाफ ड्रॉ खेला। रूस की अलेक्जेंड्रा गोरियाशिकना और कैटरीना लागनो के बीच मुकाबला ड्रॉ रहा। चीन की तिंगजी ली को हमवतन झोंगई टान से हार मिली। उधर, बुल्गारिया की नूरगुल सलीमोवा ने अन्ना मुजिचुक को ड्रॉ पर रोका। पुरुष वर्ग में, फेबियानो कारूआना और हिकारू नकामूरा का मुकाबला ड्रॉ रहा जबकि अजरबेजान के निजात अबासोव ने रूस के इयान नेपोमनियाश्ची को ड्रॉ पर रोका।

आयुष शर्मा ने बताया

आखिर क्यों सलमान खान प्रोडक्शन के बाहर काम किया

एक्टर आयुष शर्मा अपनी अपकमिंग फिल्म रुसलान की रिलीज को लेकर पूरी तरह से तैयार हैं। यह उनके जीजा के एसकेएफ (सलमान खान फिल्म्स) लेबल के बाहर उनकी पहली फिल्म है। एक्टर ने शुक्रवार को रुसलान के ट्रेलर लॉन्च पर मीडिया से बात करते हुए बताया कि फिल्म इंडस्ट्री में उनकी यात्रा काफी धीमी रही है। लेकिन उन्होंने इसके हर पल का आनंद उठाया है।

ट्रेलर लॉन्च में एक्टर के साथ फिल्म के कलाकार और क्रू भी शामिल थे। यह फिल्म 26 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। ट्रेलर लॉन्च पर अभिनेता ने स्पष्ट किया कि केवल एसकेएफ के साथ काम करना उनका कभी भी इरादा नहीं था। उन्होंने कहा, मैं अब पांच साल से इंडस्ट्री में हूं और मेरी यात्रा बेहद धीमी रही है। लेकिन मैंने इसका हर पल आनंद लिया है। मैं खुद को हर प्रोजेक्ट में पूरी लगन से शामिल करता हूं। आयुष ने कहा, लवयात्री के बाद, जब मुझे अंतिम की पेशकश की गई, तो मुझे उस किरदार में ढलने के लिए बॉडी पर काम करने में तीन साल लग गए। मेरे लिए, अंतिम एक बहुत ही महत्वपूर्ण फिल्म थी। हम वास्तव में उस दौरान रुसलान पर चर्चा कर रहे थे। सलमान खान की छत्रछाया से दूर जाने के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि जब आप परिवार से बाहर काम करते हैं, तो आपको और अधिक सीखने को मिलता है। मैं कितना भी खराब क्यों न हूं, मेरे निर्देशक और निर्माता ने मुझे वापस लिया। मेरी ओर से ऐसा कोई इरादा नहीं था कि मुझे केवल परिवार के साथ काम करना है। आयुष ने कहा, मैं एक अभिनेता हूं, और मुझमें भूख है। मैं उसी जुनून के साथ जितना संभव हो उतनी फिल्में करना चाहूंगा। अभिनेता ने एक्शन फिल्मों के प्रति अपने प्यार के बारे में भी बात की और कहा, मुझे बचपन से ही एक्शन फिल्में पसंद थीं। लंदन में एक रोमांटिक गाना प्रस्तुत करना मेरा सपना था और वह लवयात्री के साथ पूरा हुआ। फिर अंतिम आई और मुझे एहसास हुआ कि मुझे भी एक्शन करना चाहिए। एक्शन फिल्में करना मेरा भी सपना था। रुसलान के बारे में आयुष ने कहा, यह केवल एक और एक्शन फिल्म नहीं है; यह एक इमोशनल एक्शन फिल्म है। इसके पीछे एक इमोशनल कहानी है। इस फिल्म में मुझे सब कुछ करने को मिला। इसमें एक्शन,कॉमेडी, रोमांस, इमोशन सब कुछ है। करण ललित बुटानी द्वारा निर्देशित इस फिल्म में आयुष के अलावा तेलुगु कॉमिक स्टार जगपति बाबू और सुश्री श्रेया मिश्रा भी हैं।

एंजेलिना जोली ने ब्रैड पिट पर लगाए मारपीट के सनसनीखेज आरोप

कोर्ट केस में आया नया ट्विस्ट

एंजेलिना जोली और ब्रैड पिट की कानूनी लड़ाई में नया मोड़ आ गया है। दोनों फ्रांस की वाइनरी को लेकर संपत्ति? विवाद में उलझे हुए हैं। अब एंजेलिना जोली ने कोर्ट में नए कागजात जमा किए गए हैं, जिसमें कहा गया है कि ब्रैड पिट ने एक से ज्यादा मौकों पर हिंसक रवैया अपनाया और मारपीट की है।

कभी हॉलीवुड के सबसे फेवरेट कपल रहे एंजेलिना जोली और ब्रैड पिट के बीच घुली कड़वाहट खत्म होने का नाम नहीं ले रहा। दोनों अब अलग हो चुके हैं और फिर भी कोर्ट में लड़ रहे हैं। साल 2008 में खरीदी वाइनरी को लेकर दोनों में संपत्ति विवाद है। इस एक्स-कपल ने फ्रांस के दक्षिण में मिरावल एस्टेट और वाइनरी खरीदी थी। अब इस कोर्ट केस में नया मोड़ आ गया है। एंजेलिना के हवाले से उनके वकीलों ने ब्रैड पिट पर मारपीट का आरोप लगाया है।

यही नहीं, इसमें कहा गया है कि 2016 के चर्चित विमान वाली घटना से पहले भी ब्रैड कई बार हिंसक हो चुके थे। कोर्ट में जमा किए गए कागजातों की कॉपी हासिल की है। इसके मुताबिक, दावा किया गया है कि एंजेलिना जोली ने फ्रांस की वाइनरी, मिरावल में अपनी हिस्सेदारी बेचने की कोशिश की थी। हालांकि, यह कोशिशें तब रोक दी गईं, जब ब्रैड पिट ने एक नॉन-डिस्क्लोजर एग्रीमेंट साइन करने पर जोर दिया था।

ब्रैड पिट ने 2022 में दर्ज किया था मुकदमा

ब्रैड पिट ने 2022 में यह मुकदमा दर्ज किया था। इसमें उन्होंने दावा किया कि उनके और एंजेलिना के बीच एक समझौता हुआ था कि कोई भी दूसरे की सहमति के बिना वाइनरी में अपनी हिस्सेदारी नहीं बेचेगा। एक्ट्रेस ने अब अपनी फाइलिंग में आरोप लगाया है कि ब्रैड पिट का शारीरिक शोषण का इतिहास रहा है। वह सितंबर 2016 में परिवार की फ्रांस से लॉस एंजिल्स की विमान यात्रा से काफी पहले से इस तरह का हिंसक बर्ताव करते रहे हैं।

महेश बाबू से रश्मिका के पुष्पा 2 लुक की क्यों हुई तुलना एक्ट्रेस की प्रतिक्रिया हुई वायरल

अभिनेत्री रश्मिका मंदाना ने हाल ही में अपना 28वां जन्मदिन मनाया। इस मौके पर उनकी आगामी फिल्म पुष्पा 2 के मेकर्स ने फैंस को तोहफा दिया। मेकर्स ने फिल्म से रश्मिका का पहला लुक जारी किया। इसके बाद साउथ सुपरस्टार महेश बाबू के फैंस ने एक दोनों के तस्वीरें शेयर कर जन्मदिन बधाई, जिस पर रश्मिका की प्रतिक्रिया खूब वायरल हो रही है।दरअसल रश्मिका का पुष्पा 2 का लुक महेश बाबू के गुंटूर करम के एक पोस्टर मेल खाता नजर आ रहा है।

फैंस ने दोनों तस्वीरों को एक साथ शेयर कर रश्मिका को जन्मदिन की बधाई दी, जिस पर प्रतिक्रिया देते हुए रश्मिका ने कहा, वाह...मुझे यह कोलाज पसंद आया। पोस्टर में रश्मिका का श्रीवल्ली किरदार में फैंस को खूब पसंद आ रहा है। हरे रंग की साड़ी में रश्मिका माथे पर लाल कुमकुम, आंखों पर काजल लगाए हुए नजर आ रही हैं। श्रीवल्ली का यह लुक बेहद आकर्षक नजर आ रहा है, जिसे फैंस ने गुंटूर करम के साथ लगाकर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। गौरतलब है कि रश्मिका महेश बाबू के साथ स्क्रीन साझा कर चुकी हैं। साल 2018 में फिल्म चलो से रश्मिका ने टॉलीवुड इंडस्ट्री में प्रवेश किया था।

अब पर्दे पर लंबे और बड़े रोल्स करना चाहते हैं शरद केलकर

बॉलीवुड एक्टर शरद केलकर ने कई फिल्मों में काम किया। किसी में अभिनय किया तो किसी में उन्होंने हीरो को अपनी आवाज दी। मगर कभी मुख्य भूमिका में नजर नहीं आए। अब वह लंबे और बड़े रोल्स करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि इंडस्ट्री उन्हें पता नहीं क्यों कास्ट नहीं कर रही है। तमाम फिल्मों में अपनी दमदार आवाज देने और शानदार अभिनय के कारण मशहूर शरद केलकर एक बार फिर चर्चा में हैं। उन्होंने फिल्मों में भले लीड रोल्स नहीं निभाए लेकिन साइड रोल्स के जरिए ही वो हीरो पर भारी पड़े हैं। हालांकि अब वह काम मांग रहे हैं।

वह पर्दे पर अब लंबा रोल करना चाहते हैं। उन्होंने एक इंटरव्यू में खुलकर इस बारे में बात की है। हाल ही में इंडियन पुलिस फोर्स में नजर आए शरद केलकर का माननाहै कि अब समय आ गया है कि निर्माता उन्हें लंबी भूमिकाएं दें। मुझे यह अच्छा लगा और जैसी भूमिकाएं बताई वैसे रोल्स पाकर मैं बहुत भाग्यशाली महसूस कर रहा हूं। ऐसे बहुत से अभिनेता हैं जो मुझसे बेहतर हो सकते हैं और बेहतर काम कर सकते हैं। लेकिन भाग्य भी काम आता है। मैं भाग्यशाली हूं कि मुझे वे भूमिकाएं मिलीं। तुलनात्मक रूप से, लंबाई में वे छोटे थे... मुझे नहीं पता कि इंडस्ट्री ये बात क्यों नहीं समझती। मैं नहीं जानता कि उन्हें मुझे बड़ी और बेहतर भूमिका में लेने से कौन रोक रहा है। हो सकता है कि दूसरों में मुझसे ज्यादा समझ हो। मुझे इसके पीछे का कारण नहीं पता।

शरद केलकर अपने वक्त का इंतजार कर रहे

शरद केलकर ने आगे कहा, हालांकि मुझे इसके पीछे का कारण नहीं पता। मैं एक बहुत ही सकारात्मक व्यक्ति हूं, मैं बस अपनी बारी का इंतजार कर रहा हूं। मैं यह नहीं कहता कि मैं बहुत अच्छा अभिनेता हूं, लेकिन मैं बहुत मेहनती हूं और खुद पर विश्वास रखता हूं। मैं कभी हार नहीं मानता, यही रवैया रखता हूं। मैं उस दिन का इंतजार कर रहा हूं जब लोग मुझ पर विश्वास करेंगे। पॉडकास्ट में अपने करियर स्ट्रगल की कहानी शेयर की है। शरद ग्रासिम मिस्टर इंडिया के फाइनलिस्ट थे और 2002 में वह मॉडलिंग में करियर बनाने के लिए मुंबई आए थे।

वह बताते हैं कि एक मॉडल के रूप में उन्होंने कई विज्ञापनों के लिए काम किया, लेकिन यह सब इतना आसान भी नहीं था। वह बताते हैं कि जब पहली बार एक मॉडल के तौर पर उन्हें फैशन शो के लिए 5000 रुपये का ऑफर मिला तो वह बहुत एक्साइटेड हो गए थे, क्योंकि उससे पहले वह एक जिम ट्रेनर के तौर पर महीने के 2750 रुपये कमाते थे। शरद केलकर बताते हैं, मैं पहली बार छुट्टी में अपने चचेरे भाई से मिलने मुंबई आया था। इसी दौरान एक फैशन शो के लिए कॉल आया। मैं बांद्रा के बाजार रोड में एक कमरे में नौ लड़कों के साथ रहा करता था। वहां एक राजस्थानी होटल था, जो डब्बा सर्विस देते थे।

मेरी डील सामान्य थी, चार अंडे और दो रोटी, सुबह और शाम को। बस इतना ही। मुझे यह 25 रुपये में मिल जाते थे। पॉडकास्ट के दौरान शरद केलकर से पूछा गया कि क्या वह उन दिनों में कभी शराब पर खर्च कर पाते थे एक्टर ने कहा, यह तो प्रिवलिज (विशेषाधकिार) वाली बात थी। शायद तीन महीने में एक बार ऐसी स्थिति बनती थी। हम तभी पार्टी करते थे जब हमें कोई काम मिलता था, जैसे कोई विज्ञापन या फोटोशूट। वर्ना वह मुश्कलि वक्त था। लेकिन जब टीवी में काम मिलना शुरू हुआ तो चीजें बेहतर हो गईं। शरद केलकर ने कहा कि वह उन दिनों में खर्च चलाने के लिए जिम में ट्रेनर के तौर पर काम करते थे। इसके लिए हर महीने 2750 रुपये की कमाई होती थी। जब उन्हें एक फैशन शो में तीन मिनट के लिए रैम्प पर चलने के लिए 5000 रुपये ऑफर हुए तो उन्होंने झट से उसे स्वीकार कर लिया।

शरद केलकर इस बात से संतुष्ट होते हैं

उन्हें मिलने वाली सराहना उन्हें इस बात से संतुष्ट करती है कि उनके किरदार ने दर्शकों पर प्रभाव डाला, मेरी एकमात्र पहली चिंता यह है कि क्या मैं ऐसी भूमिकाएं करने में सक्षम हूं आपको खुद को समझाना होगा। आप अपना काम करते हैं और अगर लोग इसकी सराहना करते हैं, तो इससे आपको एक और चुनौतीपूर्ण भूमिका निभाने की प्रेरणा मिलती है। मैं उसी तरह की भूमिकाएं अपनाता हूं।

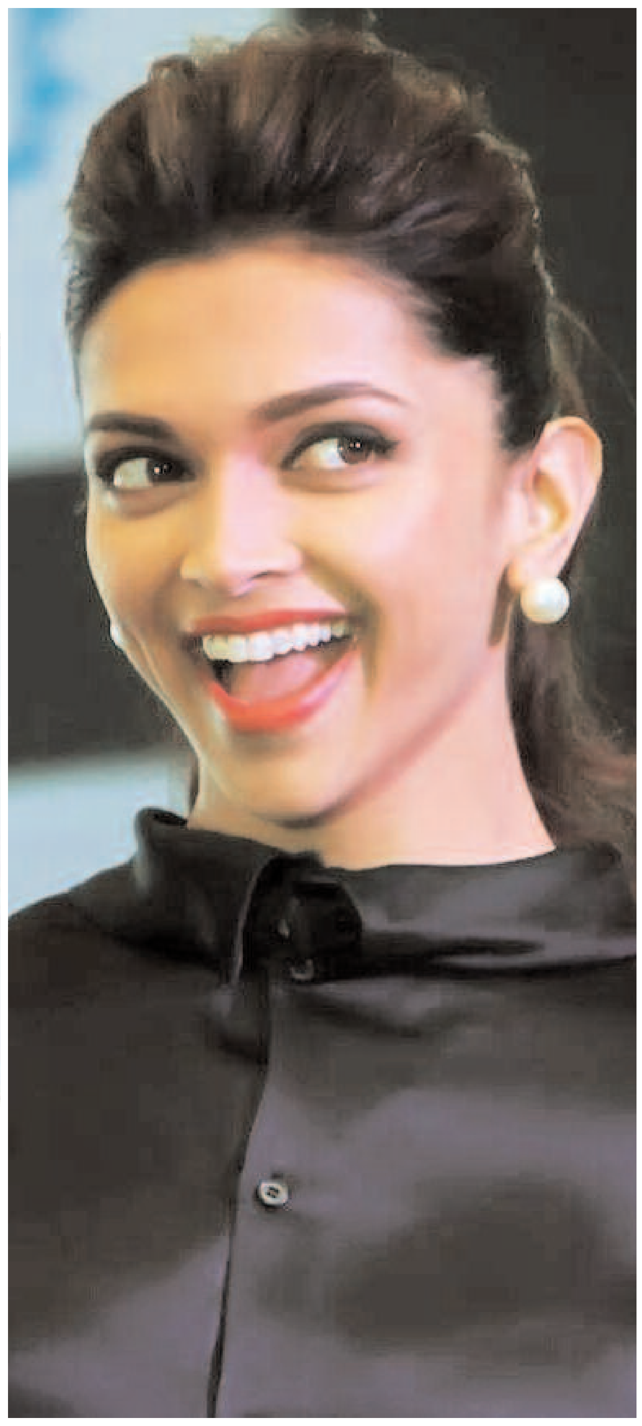

मेट गाला 2024

दीपिका पादुकोण की खलेगी कमी ! प्रेग्नेंसी नहीं, इस कारण एक्ट्रेस इवेंट में नहीं लेंगी हिस्सा

बॉलीवुड की फेमस एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण ने साल 2017 में मेट गाला में डेब्यू किया था। वो तीन बार इस प्रोग्राम का हिस्सा रह चुकी हैं। इसके अलावा एक्ट्रेस ने ऑस्कर, कान्स और फीफा वर्ल्ड कप जैसे बड़े इवेंट्स में शरीक होकर भी अपना और देश का नाम पूरी दुनिया में रोशन किया है। लेकिन इस बार मेट गाला 2024 में उनकी कमी खलेगी। ना ना! इसकी वजह उनकी प्रेग्नेंसी नहीं है। बल्कि वर्क कमिटमेंट्स हैं। आइये डिटेल में जानते हैं। इस साल 6 मई को आयोजित होगा। दुनियाभर में फेमस इस इवेंट्स में कई जानी-मानी हस्तियां शामिल होती हैं और उनके अजीबोगरीब ड्रेस लोगों का ध्यान खींचते हैं। अब तक दीपिका के अलावा सोनम कपूर, प्रियंका चोपड़ा, कंगना रनौत और आलिया भट्ट इसका हिस्सा बन चुकी हैं। दीपिका पादुकोण ने बताया- पापा ने माधुरी की शादी के बाद बाथरूम में कर लिया था खुद को बंद, आंखों के नीचे थे धब्बे

दीपिका पादुकोण क्यों नहीं करेंगी शिरकत

इस साल वर्क कमिटमेंट्स की वजह से इस मेगा इवेंट का हिस्सा नहीं बन पाएंगी। दरअसल, वो रोहित शेट्टी की फिल्म सिंघम 3 की शूटिंग में बिजी रहेंगी। इसके अलावा उनकी अपकमिंग मूवी कल्कि 2898 एडी भी 9 मई 2024 को थिएटर्स में रिलीज के लिए तैयार है। प्रेग्नेंट होने के बावजूद दीपिका लगातार काम कर रही हैं।

प्रेग्नेंट हैं दीपिका, सितंबर में बनेंगी मां

38 साल की दीपिका इन दिनों प्रेग्नेंसी इंजॉय कर रही हैं। वो सितंबर 2024 में पहले बच्चे को जन्म देंगी। उन्होंने 2018 में एक्टर रणवीर सिंह से इटली के लेक कोमो में डेस्टिनेशन वेडिंग की थी। - साभार एजेंसी

गुरिंदर चड्ढा की अगली फिल्म में नजर आएंगी आलिया

विश्व सिनेमा में अपनी एक अलग पहचान रखने वाली निर्देशिका गुरिंदर चड्ढा ने अपनी अगली फिल्म के लिए आलिया भट्ट को साइन किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक आलिया भट्ट अब एक ऐसे नए अवतार में दिखाई देंगी, जिसे दर्शकों ने पहले कभी नहीं देखा है। खबरों के अनुसार इंडो-ब्रिटिश फिल्म निर्देशक गुरिंदर चड्ढा की फिल्म में प्रिंसेस के रोल के लिए आलिया भट्ट का नाम फाइनल कर लिया गया है। इस फिल्म की शूटिंग 2025 जून में शुरू हो सकती है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस फिल्म में अभी तक सिर्फ आलिया भट्ट का नाम ही शामिल हुआ है। बाकी स्टारकास्ट को फिल्म की कहानी के पूरा होने के बाद ही तय किया जाएगा। हालांकि अपनी इस फिल्म के लिए शुरू से ही गुरिंदर की पहली पसंद आलिया ही थीं। फिल्म मेकर गुरिंदर चड्ढा अपने अच्छे निर्देशन के लिए जानी जाती हैं। बहरहाल, गुरिंदर अपनी आने वाली फिल्म भारतीय प्रिंसेस की कहानी को डिजनी के साथ पूरा करेंगी। इस फिल्म की कहानी को लेकर गुरिंदर और आलिया कई बार मुलाकात भी कर चुकी हैं। गुरिंदर ने अपने सोशल मीडिया पर अपनी और आलिया की एक फोटो भी पोस्ट की थी, जिससे यह साफ गया कि दोनों की मुलाकात की बात तो पक्की है। अगर गुरिंदर और आलिया की यह डील फाइनल होती है तो इस फिल्म से आलिया को काफी फायदा मिलेगा। इस फिल्म से आलिया को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर और भी अधिक पहचान मिलेगी। फिल्म हॉर्ट ऑफ स्टोन से आलिया को पहले ही अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिल चुकी है। यहां तक की लंदन में हुई आलिया की वेब सीरीज पोचर की स्कीनिंग के दौरान गुरिंदर मौजूद थीं। हाल ही में हुए लंदन के होप गाला इवेंट में भी चड्ढा उपस्थित थीं।

बॉलीवुड में ट्रेंड्स को फॉलो करने पर करण के तंज पर अनिल का रिएक्शन!

मेगास्टार अनिल कपूर ने बॉलीवुड के फिल्ममेकर्स पर करण जौहर के क्रिप्टिक नोट पर अपना रिएक्शन दिया, जो बॉक्स ऑफिस ट्रेंड को आँख बंद करके फॉलो कर रहे हैं। करण ने एक नोट साझा किया, जिसमें उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कैसे फिल्ममेकर बॉक्स ऑफिस पर जीत हासिल करने के बाद अलग-अलग जॉनर की फिल्मों की सफलता को दोहराना चाहते हैं। करण ने लिखा बड़ा स्केल चाहिए तो वो बनाओ। एक्शन चली. एक्शन बनाओ ! लव स्टोरी चली तो लव स्टोरी बनाओ ! चिक फ्लिक हिट हुई तो वहां जाओ ! मौसम हर हफ़्ते बदलता है... यकीन हर हफ़्ते बदलता है ! बॉक्स ऑफिस है भैया, इंस्टाग्राम रील नहीं... 30 सेकंड की ट्रेंडिंग में रह जाओगे वहीं के वहीं ! इस पर रिएक्शन देते हुए, अनिल कपूर ने कहा कि वह करण की बातों से सहमत हैं और फिल्ममेकर की राय को एपिक कहा।